फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 238 प्रभात जयपुर, गुरुवार 2 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू
epaper.rashtradoot.com
राष्ट्रदूत
Rashtradoot
Metro

ARBiT

Snakes Can Also Be Cannibals While cannibalism is likely not very common in cobras, it could happen when two cobras that meet have a big difference in size

Famous Cursed Families

Dongri To Dungaree The Origin of Dungaree : An Indian Textile That Shaped Global Workwear

बुरी तरह निराश, "घायल" ट्रंप ने युद्ध का मैदान छोड़ने का निर्णय लिया

पर, अचानक युद्ध भूमि छोड़ने से काफी विकट स्थिति बनती नज़र आ रही है

- **पूरा पश्चिम एशिया, जिसमें सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन शामिल हैं, पूरी तरह ईरान की दया पर निर्भर हो जाएंगे। युद्ध के दौरान, ये देश वैसे ही ईरान से आतंकित थे और अब विजयी ईरान तो उनका जीना हराम कर देगा, यह इन देशों को भय सता रहा है।**
- **स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ पर ईरान का कब्जा बरकरार रहेगा और यह भी संभव है, ईरान उन सभी जहाजों से चौथ वसूली (टोल टैक्स) वसूलने की परंपरा को स्थायी बनाना चाहेगा।**
- **ऑयल व गैस की कीमत बढ़ जाने का खामियाजा पूरा विश्व उठायेगा और सबसे ज्यादा वित्तीय नुकसान गरीब देशों को होगा।**
- **यह सब देखकर तो कई बार तो ऐसा लगता है कि युद्ध भूमि छोड़ने की ट्रंप की घोषणा मात्र एक दिखावा है, कहीं यह ईरान की मुस्तैदी कम करने और भुलावे में रखने की कोशिश मात्र तो नहीं है।**

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप युद्ध से हटने की बात कर रहे हैं। बुरी तरह दबाव में आए ट्रंप यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने ईरान में शासन परिवर्तन का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। वे यह भी कह रहे हैं कि ईरान युद्ध समाप्त करने पर जोर दे रहा है।

स्थिति को बिगाड़ने के बाद, ट्रंप को सम्मानजनक तरीके से बाहर निकलने का कोई स्पष्ट रास्ता नहीं दिख रहा है। इसलिए वे यह बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं कि उन्होंने सभी लक्ष्य हासिल कर लिए हैं, भले ही ये लक्ष्य अभी भी हासिल नहीं हुए हों।

लेकिन अमेरिका का अचानक पीछे हटना पूरी दुनिया को इसके परिणाम भुगतने के लिए छोड़ देगा। इस समय अमेरिका द्वारा युद्ध छोड़ने से ईरान पूरी तरह लाभ में रहेगा। होरमुज़ स्ट्रेट बंद ही रहेगा, और किसी भी स्थिति में ईरान के नियंत्रण में रहेगा, जबकि यह पहले एक खुला अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग था।

ईरान यहां से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलना भी जारी रख सकता है, जो उसने अभी शुरू किया है। यह एक स्थायी नुकसान होगा।

तेल और गैस की आपूर्ति सीमित बनी रहेगी क्योंकि मिसाइल हमलों से इनकी सुविधाएँ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। इन्हें ठीक करने और उत्पादन क्षमता बहाल करने में काफी समय लगेगा। इससे यह भी हो सकता है कि इन्हें फिर से व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक निवेश कीमतों को स्थायी रूप से बढ़ा दे।

यह सब एक खराब तरीके से, अचानक शुरू किए गए युद्ध का परिणाम है, जिसे एक आत्ममुग्ध राष्ट्रपति ने शुरू किया, जिसने अपने पड़ोसी देश वेनेज़ुएला पर एक कमजोर हमले के बाद खुद को सर्वशक्तिमान समझ लिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एसआई भर्ती परीक्षा 2025: सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

जयपुर, 1 अप्रेल। पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2025 की परीक्षा को टालने के लिए सुप्रीम कोर्ट में साल 2021 की भर्ती में भाग ले चुके अभ्यर्थियों की ओर से प्रार्थना पत्र दायर किया है। सूरजमल मीणा व अन्य की ओर से दायर इस प्रार्थना पत्र पर गुरुवार

- **वर्ष 2021 में भर्ती में भाग ले चुके अभ्यर्थियों की ओर से 5 और 6 अप्रैल को प्रस्तावित परीक्षा को टालने के लिए प्रार्थना पत्र पेश किया गया है।**

को सुनवाई होगी। प्रार्थना पत्र में सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि एसआई भर्ती 2025 की 5 व 6 अप्रैल को होने वाली प्रस्तावित परीक्षा को फिलहाल चार सप्ताह के लिए स्थगित किया जाए।

प्रार्थना पत्र में कहा कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने एसआई भर्ती 2021 को अगस्त 2025 में रद्द कर दिया था। वहीं साल 2021 की भर्ती में शामिल हुए अभ्यर्थियों को साल 2025 की नई भर्ती में आयु सीमा में छूट नहीं देने का मुद्दा भी हाईकोर्ट में पहुंचा था। हाईकोर्ट की एकलपीठ ने इन अभ्यर्थियों को राहत देते हुए अस्थाई तौर पर इन्हें भर्ती परीक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

2019 के बाद, पहली बार, ईरान का ऑयल भारत आएगा

2019 में अमेरिका ने ईरान के ऑयल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया तथा मजबूरन भारत को भी ईरान के ऑयल की खरीद पर विराम लगाना पड़ा था

- **पर, ट्रंप को ईरान पर लगाए प्रतिबंध को हटाना पड़ा है, क्योंकि इस प्रतिबंध के बाद ऑयल की कीमत में भारी उछाल आया और ट्रंप को लगा राजनीतिक दृष्टि से, उन्हें व उनकी रिपब्लिकन पार्टी को चुनाव में भारी नुकसान हो सकता है। अतः, वे प्रतिबंध हटाने पर मजबूर हुए हैं।**
- **ईरान द्वारा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से ऑयल से भरे टैंकर्स को जाने की इजाज़त से चीन व भारत को सबसे अधिक लाभ होगा।**
- **पर, भारत के लिए अटपटी बात यह भी है कि ईरान ने भारत के केवल दो जहाज को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ से पार होने की इजाज़त दी, पर, पाकिस्तान के बीस जहाजों को इस रास्ते से ऑयल ले जाने की इजाज़त दी। यह अलग बात है कि पाकिस्तान की आवश्यकता केवल दो बड़े जहाज ऑयल के आने से पूरी हो जाती है, पर, भारत को हर महीने 75 जहाज की जरूरत है।**

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। एक सकारात्मक घटनाक्रम में, भारत 2019 में अमेरिका द्वारा फिर से लगाए गए प्रतिबंधों के बाद पहली बार ईरान से कच्चे तेल की खेप प्राप्त करने जा रहा है। ज्ञातव्य है कि प्रतिबंधों के कारण नई दिल्ली को तेहरान से खरीद रोकनी पड़ी थी।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में एक महत्वपूर्ण आपूर्ति लाइन के फिर से खुलने का संकेत देता है, जब तेल की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है, भारत-ईरान तेल व्यापार फिर से जीवित होता दिख रहा है, जो इस घटनाक्रम के महत्व को रेखांकित करता है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में बढ़ती तेल कीमतों के बीच अमेरिका ने ईरानी कच्चे तेल की खरीद पर लगे प्रतिबंध में ढील दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने यह आशंका जताते हुए कि पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें घरेलू राजनीति और मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान पहुँचा सकती हैं, यह प्रतिबंध हटाने का निर्णय लिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'पिंग शुन' नामक तेल टैंकर, जिसने ईरान के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल, तमिलनाडु, केरल व असम के चुनाव के दबाव में आई सरकार?

दबाव के कारण सरकार ने वह संशोधन विधेयक पेश नहीं किया सदन में, जिससे सरकार को यह अधिकार मिल जाता कि वह विदेशी धन से भारत में निर्मित सम्पत्ति को अधिग्रहित कर सकती थी

- **केरल के मु.मंत्री पिनराई विजयन ने इस संशोधन विधेयक का भारी विरोध किया और प्र.मंत्री को पत्र लिखकर मांग की कि सरकार इस संशोधन विधेयक को संसद में पेश न करे।**
- **इस संशोधन विधेयक को अगर सदन ने पारित कर दिया तो धार्मिक व अल्पसंख्यक वर्ग की सम्पत्तियों पर सरकार को अधिग्रहित करने का अधिकार मिल जाएगा।**
- **केरल में इसाई धर्म के नेताओं व तमिलनाडु, असम व प.बंगाल में अन्य अल्पसंख्यक नेताओं ने यह काफी प्रचारित किया कि भाजपा अन्य समाज को पनपने नहीं देना चाहती।**

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। सरकार ने विवादास्पद विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक (फॉरेन कन्ट्रीब्यूशन रेग्यूलेशन अमैन्डमैंट बिल-एफसीआरए) पर पीछे हटने के संकेत दिए हैं, जिसके जरिए वह गैर-सरकारी संगठनों (नॉन-गवर्न्मेंट ऑर्गनाइजेशन-एनजीओ) द्वारा विदेशी फंडिंग से बनायी गई परिसंपत्तियों पर नियंत्रण हासिल कर सकती थी। दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम के विधानसभा चुनावों में विपक्ष का यह प्रचार जोर पकड़ रहा है कि सरकार इस संशोधन के माध्यम से एक विशेष समुदाय द्वारा संचालित और वित्तपोषित एनजीओ को निशाना बनाना चाहती है। बुधवार को चर्चा के लिए सूचीबद्ध यह विधेयक लोकसभा में पेश नहीं किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छह वर्ष की बालिका से दुष्कर्म कर हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जयपुर, 1 अप्रैल। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर, प्रथम ने साढ़े छह साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर बाद में उसका गला रेतकर हत्या करने वाले अभियुक्त सोनवीर उर्फ आकाश को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ

- **घटना की रिपोर्ट प्रताप नगर थाने में 25 फरवरी 2025 को दर्ज हुई थी।**

ही, अदालत ने 26 साल के इस अभियुक्त पर 1.20 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी मीना अवस्थी ने अपने आदेश में कहा कि इस अपराध में अभियुक्त को मृत्यु दंड देने का भी प्रावधान है, लेकिन यह प्रकरण दुर्लभ प्रकृति का नहीं होने के कारण अभियुक्त को आजीवन कारावास से दंडित किया जा रहा है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक सुरेन्द्र सिंह राजावत ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर मृतका के पिता ने 25 फरवरी, 2025 को प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सहायक निदेशक विकास जैफ की प्रतिनियुक्ति के आदेश पर बवाल मचा

बायोफ्यूल प्राधिकरण के सीईओ द्वारा जारी आदेश को कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने अवैध बताते हुए निरस्त किया

- **कौशल नियोजन विभाग ने विकास जैफ को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा, अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी।**
- **यह मामला संदिग्ध इसलिए लग रहा है, क्योंकि यह नियुक्ति आदेश पूर्व में 5 लाख रु. की रिश्वत लेने के आरोपी सुरेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा जारी किया गया था।**
- **हालांकि एक तथ्य यह भी हैं कि, आदेश में बायोफ्यूल प्राधिकरण के सीईओ ने ग्रामीण विकास मंत्री के निर्देशानुसार नियुक्ति देने का जिक्र किया ।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 1 अप्रेल। कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग में कार्यरत सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) विकास जैफ को बायोफ्यूल प्राधिकरण में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर तुरंत लगाने के आदेश को लेकर बवाल मच गया है। जहां कौशल नियोजन विभाग ने बायोफ्यूल प्राधिकरण के परियोजना निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा 31 मार्च 2026 को जारी नियुक्ति आदेश को अवैध बताते हुए निरस्त कर दिया है। वहीं विकास जैफ से भी 7 दिन में स्पष्टीकरण मांगा गया है, साथ ही उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। कौशल नियोजन विभाग का कहना है कि विकास जैफ और सुरेन्द्र सिंह राठौड़ दोनों ने ही इस नियुक्ति के संबंध में सक्षम स्तर से कोई मंजूरी नहीं ली थी। जबकि बायोफ्यूल प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुरेन्द्र सिंह राठौड़ ने जो नियुक्ति आदेश जारी किए थे, उसमें ग्रामीण विकास मंत्री के निर्देशों से नियुक्ति किए जाने का हवाला दिया गया था।

यह पूरा मामला संदिग्ध इसलिए भी लग रहा है कि, जिन सुरेन्द्र सिंह राठौड़ ने यह नियुक्ति आदेश जारी किए थे, वह 5 लाख रुपए रिश्वत लेते ट्रैप हो चुके हैं। उन्होंने एक प्रकरण में 20 लाख रुपये रिश्वत मांगी थी, जबकि ट्रैप की कार्रवाई के दौरान एसीबी ने उनके घर की तलाशी ली थी तो 3.66 करोड़ रुपए बरामद हुए थे।

मामले के तथ्यों के अनुसार 31 मार्च 2026 को बायोफ्यूल प्राधिकरण, ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं परियोजना निदेशक सुरेन्द्र सिंह राठौड़ ने आदेश जारी किए थे। जिसमें कहा गया था कि, कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग में सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) के पद पर कार्यरत विकास जैफ को ग्रामीण विकास मंत्री के निर्देशानुसार तत्काल प्रभाव से संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर तत्काल प्रभाव से लगाया जाता है। जैफ स्वयं के विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) लेकर यह कार्यभार संभालेंगे।

ज्ञात रहे कि विकास जैफ फिलहाल राजस्थान औद्योगिक प्रशिक्षक संस्थान आमेट (राजसमंद) में कार्यरत हैं, उनके पास राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान दौसा का अतिरिक्त चार्ज भी है। जैसे ही इस नियुक्ति की भनक कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग को लगी तो निदेशक (प्रशिक्षण) मुनीश कुमार शर्मा ने इस नियुक्ति आदेश को अवैध करार देते हुए निरस्त कर दिया। उनकी ओर से जारी आदेश में कहा गया कि, विकास जैफ और सुरेन्द्र सिंह राठौड़ दोनों ने ही इस नियुक्ति से पूर्व उनके विभाग से कोई स्वीकृति अथवा अनुमति नहीं ली। ऐसे में यह आदेश विभागीय नियमों के अनरूप नहीं है।

वहीं दूसरी कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के वरिष्ठ शासन उप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमरावती होगी आंध्र की नई राजधानी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में अमरावती को मान्यता देने वाला विधेयक बुधवार को लोकसभा में पारित हो गया।

यह विधेयक लोकसभा में ध्वनि मत से पारित किया गया। जहां लगभग

- **अमरावती को आंध्र की स्थायी राजधानी बनाने संबंधी विधेयक लोकसभा में पारित कर दिया गया।**

सभी दलों ने इस विधेयक का समर्थन किया, वहीं वाईएसआर कांग्रेस ने यह कहते हुए वॉकआउट किया कि इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरिस्का अभयारण्य के विस्तार के मुआवजे की आड़ में हुआ घोटाला उजागर

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने केन्द्र व राज्य सरकार सहित आधा दर्जन पक्षकारों से जवाब मांगा

- **अधिवक्ता अक्षय शर्मा का कहना है कि, याचिकाकर्ता के गांव नाथूसर में 13 ऐसे लोगों ने फ़र्ज़ी मुआवजा उठा लिया, जो वहां के निवासी तक नहीं हैं।**
- **वन विभाग ने भी सितंबर 2024 में गुढ़ा भाकरवाल, रामपुर के ग्रामीणों की शिकायत के बाद जब प्रकरण की जांच करवाई तो उपरोक्त 13 लोगों समेत कुल 18 लोगों का फ़र्ज़ीवाड़ा सामने आया था**

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 1 अप्रेल। अलवर के सरिस्का अभयारण्य का दायरा बढ़ाने की आड़ में ग्रामीणों को मुआवजा देने और उन्हें पुनर्स्थापित करने में बड़ा घोटाला सामने आया है। इस मामले में बानसुर तहसील के ग्राम गुढ़ा निवासी अशोक कुमार ने राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अक्षय शर्मा कोर्ट में पेश हुए। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायाधीश पुष्पेन्द्र भाटी और विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने आदेश दिए कि इस पूरी योजना के समस्त दस्तावेज कोर्ट में उपलब्ध करवाए जाएं कि मुआवजे के तौर पर किन-किन परिवारों को कितनी राशि का मुआवजा दिया गया था। साथ ही यह भी बताया जाए कि किस-किस व्यक्ति को कितनी भूमि, कहां पर आवंटित की गई थी। अदालत ने इस मामले में केन्द्र व राज्य सरकार, नेशनल टाइगर कन्ज़र्वेशन अथॉरिटी (ए.टी.सी.ए.), वन विभाग के प्रमुख शासन सचिव, वन संरक्षक और जिला कलेक्टर समेत अन्य पक्षकारों से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 6 सप्ताह बाद रखी गयी है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अक्षय शर्मा ने अदालत को बताया कि सरिस्का अभयारण्य के विस्तार के लिए वर्ष 2008 के प्लान के मुताबिक, अभयारण्य के आसपास और उसके अंदर रह रहे लोगों को अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने के लिए दो तरह के विकल्प अपनाए गए थे। इसमें पहला था कि प्रत्येक परिवार को 10 लाख रु. का मुआवजा दिया जाएगा, जो कि वर्ष 2021 में बढ़ाकर 15 लाख रुपए कर दिया गया है। दूसरा विकल्प था कि प्रभावितों को अन्यत्र जगह पर समान आकार की भूमि आवंटित की जाए। इस प्लान को अंजाम देने के लिए तहसीलदार, क्षेत्रीय वन अधिकारी और कलेक्टर की अध्यक्षता में कमेटी भी बनाई गई थी, जिसने 7 से 10 जुलाई 2023 तक सर्वे किया था। इसके बाद एक सूची बनाई गई थी, जिसमें नाथूसर लॉज व अन्य गांव शामिल थे। इस सर्वे की सूची जारी होने के बाद, नाथूसर लॉज से कई ग्रामीणों ने अपील की थी कि 13 लोग (क्रमाक 210 से 222 तक) नाथूसर के निवासी नहीं थे। इसके बाद 17 सितंबर 2024 को गुढ़ा भाकरवाल, रामपुर के कई ग्रामीणों ने वन संरक्षक और उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर वन विभाग द्वारा बनाई गई सूची की गड़बड़ियां बताई थीं। इसके बाद जब शिकायत की जांच की गई तो नाथूसर के ग्रामीणों द्वारा बताए गए 13 लोगों समेत कुल 18 लोग ऐसे पाए गए, जिन्होंने फर्जी कागजात पेश करके फायदा उठाया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि 13 लोग तो सिर्फ एक ही गांव के निवासी हैं, अगर पूरी जांच की जाए तो अन्य कई लोग भी सामने आएंगे। उन्होंने यह तथ्य भी बताया कि इन 13 लोगों के अलावा कुछ ऐसे लोग भी हैं, जिन्होंने 21 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं की थी, परंतु सर्वे की सूची में उन्हें दर्शाया गया, बाद में इन्हीं लोगों ने मुआवजे का पैसा भी उठा लिया। पूरे मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने केन्द्र व राज्य सरकार के साथ-साथ सभी पक्षकारों को जवाब के साथ तलब किया है।

लिएंडर पेस ने प्र.मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली, 01 अप्रैल। हाल ही में भाजपा में शामिल हुए पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच खेल, युवाओं

- **प्र.मंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा कि लिएंडर पेस की टेनिस में उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।**

की भूमिका और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा करते हुए कहा, लिएंडर पेस के साथ शानदार मुलाकात हुई। भारत को टेनिस में उनकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है। हमने कई मुद्दों पर चर्चा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

ईवी स्टेशनों की उपलब्धता से प्रदूषण रहित यातायात को बढ़ावा मिलेगा

बढ़ते प्रदूषण और हरित उर्जा को बढ़ावा देने के लिए पिछले कुछ वर्षों से देश और प्रदेश में ईलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास अब धरातल पर उतरने लगे हैं। दरअसल इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा ईलेक्ट्रिक वाहनों के री चार्ज की आधारभूत संरचना जिस स्तर तक और जिस मात्रा में विकसित होनी चाहिए थी उतनी नहीं होने से सकारात्मक परिणाम प्राप्त नहीं हो रहे थे। हांलाकि केन्द्र सरकार ने प्रधानमंत्री ईलेक्ट्रिक ड्राइव रिवॅल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हैंसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) कार्यक्रम के तहत आधारभूत संरचना विकसित करने और ईवी के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयास से राजस्थान में 262 अलग-अलग स्थानों पर 591 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की स्वीकृति राजस्थान में ईवी के प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा और निर्णायक कदम है। खास बात यह है कि चार्जिंग स्टेशनों के लिए राज्य सरकार द्वारा स्थान भी उपलब्ध कराये जाने की पहल करने की घोषणा की गई है। केन्द्र सरकार द्वारा ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए 81 करोड़ 12 लाख रुपये की राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह अपने आप में बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय है। अब ईलेक्ट्रिक वाहन खरीदने में आम आदमी किसी तरह का संकोच नहीं करेगा। राज्य सरकार द्वारा ईवी स्टेशनों की स्थापना के कार्य के लिए राजस्थान अक्षण उर्जा निगम को नोडल विभाग बनाते हुए यह अहम् जिम्मेदारी दी है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार आज की तारीख में देश में करीब 50 लाख ईलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत है। जबकि 2023-24 की ही बात की जाएं तो तब तक 16 लाख 81 हजार के आसपास ईवी पंजीकृत थे। इनमें दो पहिया, ती पहिया, चौपहिया व अन्य वाहन शामिल है। यदि राजस्थान की ही बात की जाएं तो करीब 3 लाख ईलेक्ट्रिक वाहन राजस्थान में पंजीकृत है। जहां तक ईलेक्ट्रिक वाहनों की उपलब्धता की बात है तो देश में ईवी वाहनों के निर्माता भी अच्छी खासा मात्रा में है और दुपहिया, तिपहिया, चौपहिया व अन्य वाहनों के 60 तरह के मॉडल बाजार में आ गए हैं। इस प्रकार से देखा जाएं तो ईलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माता और वाहनों की मांग दोनों ही बढ़ी है। ऐसे में यदि कोई संकोच रहा है तो वह ईवी के रीचार्ज की आधारभूत सुविधा के पर्याप्त मात्रा में नहीं होना ही रहा है। इस दिशा में केन्द्र सरकार से समन्वय बनाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में 591 ईवी स्टेशनों की स्थापना और इस पर होने वाले व्यय के लिए भी केन्द्र सरकार से ही 81 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्राप्त करना सरकार की बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए। क्योंकि एक बात स्पष्ट हो जानी चाहिए कि आने वाला समय इलेक्ट्रिक वाहनों का ही रहने वाला है। एक मोटे अनुमान के अनुसार और जानकारों की माने तो 2030 तक ईवी कारोबार में 30 प्रतिशत की ग्रोथ मानी जा रही है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 2030 तक ईवी कारोबार भी 20 लाख करोड़ तक पहुंचने की संभावना मानी जा रही है।

खास बात यह है कि प्रमुख शहरों को स्थान देने के साथ ही नेशनल और स्टेट हाईवे पर भी 34 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। जयपुर में 112 ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ ही अजमेर में 49, उदयपुर में 39, कोटा में 28 पब्लिक ईवी स्टेशन लगाए जाएंगे। इससे सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि अब तक ईवी चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता को लेकर संदेह के कारण ईवी से लंबी दूरी की यात्रा करने में परेशानी महसूस की जा रही थी वह भी दूर हो सकेगी और लोग लंबी दूरी की यात्रा भी बिना किसी संकोच के कर सकेंगें।

सबसे अच्छी बात यह है कि ईलेक्ट्रिक वाहनों के रीचार्ज स्टेशनों के लिए स्थान व कितनी संख्या में कहां लगाये जाने हैं यह भी चिन्हित कर लिया गया है। राज्य में 262 अलग-अलग स्थानों पर 591 ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये जाने का कार्यक्रम है। खास बात यह है कि प्रमुख शहरों को स्थान देने के साथ ही नेशनल और स्टेट हाईवे पर भी 34 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। जयपुर में 112 ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ ही अजमेर में 49, उदयपुर में 39, कोटा में 28 पब्लिक ईवी स्टेशन लगाए जाएंगे। इससे सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि अब तक ईवी चार्जिंग स्टेशन की उपलब्धता को लेकर संदेह के कारण ईवी से लंबी दूरी की यात्रा करने में परेशानी महसूस की जा रही थी वह भी दूर हो सकेगी और लोग लंबी दूरी की यात्रा भी बिना किसी संकोच के कर सकेंगें

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से एक बड़ा निर्णय हो गया है। इस कार्य के लिए नोडल संस्था राजस्थान अक्षय उर्जा निगम को तय किया जा चुका है। ईवी के लिए स्थान व राशि भी स्वीकृत हो चुके हैं। ऐसे में अब सारी जिम्मेदारी इस कार्यक्रम को तय समय सीमा में धरातल पर उतारने की महती जिम्मेदारी है। राजस्थान अक्षय उर्जा निगम को चुनौती के रुप में लेते हुए इस कार्य को धरातल पर उतारना है ताकि एक तो ईवी वाहनों की उपयोगिता बढ़ सके। इसके साथ ही प्रदेश में प्रदूषण रहित आवागमन, कार्बन उत्सर्जन में कमी के साथ ही हरित उर्जा को बढ़ावा दिया जा सके। इसके साथ ही गुणवत्ता पर खास ध्यान देना होगा, लक्ष्य पूरा करने के चक्कर में गुणवत्ता से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाना चाहिए। हरित उर्जा को बढावा देने और प्रदूषण रहित वाहन संचालन की दिशा में इस महत्वपूर्ण निर्णय का लाभ आम लोगों को मिलना चाहिए। इससे ईलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद में भी आम नागरिक किसी तरह का संकोच नहीं करेंगे और प्रदूषण रहित वातावरण हो सकेगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

‘श्री पीपा जयंती’ पर विशेष : राज सन्यासी – सतोगुणी संत पीपाजी

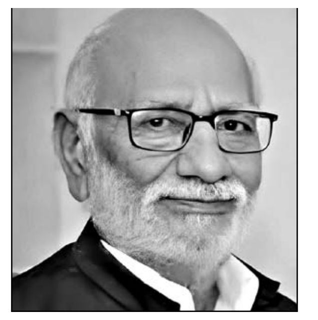

नरेंद्र कुमार चौहान

भारतीय भूमि की पावनता एवं इसकी उदात्त संस्कृति के कारण ही यहां की पावन धरा पर.... समय समय पर संत व महापुरुषों ने जन्म लेकर संस्कृति की अजय धारा को प्लावित रखा। यही परंपरा हमारे लिए अवतार की संज्ञा से संबोधित की गई है और इस अवतारवाद के अमर सिद्धांत ने ही मानवता के गुणों को आज दिन तक जीवित रखा। ऐसी ही विभूतियों में पीपा जी महाराज महान संत हुए हैं। आपका जन्म राजस्थान के जिला झालावाड़ के समीप गढ़ गागरोन. के खींची चौहान कुल गौत्र में हुआ। कालांतर में आप गढ़ गागरोन के राजा थे। प्रतापसिंह खींची (चौहान) के नाम से जाने जाते थे। ईनका जन्म चैत्र पूर्णिमा विक्रम संवत 1380 माना गया है। बाल्यावस्था से ही इनके ह्रदय में धार्मिक भावनाओं का अंकुर हो चुका था। राजसिंहासन पर बैठने पर भी यह धार्मिक भावना कम नही हुई। ये शक्ति के उपासक थे। परंतु शक्ति-भक्ति से ही इनके वैष्णव धर्म के प्रति अनुराग उत्पन हुआ। उन्होंने उस समय के सुविख्यात स्वामी रामानंदजी के पास काशी जाकर वैष्णव धर्म की शिक्षा ग्रहण की। इसके पश्चात महाराजा प्रतापसिंह खींची का गुरु कृपा से संत पीपाजी नामकरण हुआ। संत पीपाजी ने भक्ति धर्म के लिए अपना जीवन सिद्धांत ही बदल दिया और जीवनांत करने वाली शक्ति की प्रतीक तलवार का त्याग करके जीवन का पोषण करने वाली सुई को अंगीकार करके मानवता का पाठ पढ़ाया। यह पीपाजी की धार्मिक भावना और लोक कल्याण की सतोगुणि प्रवृत्ति का परिचायक है। शक्ति नहीं भक्ति ही मानवता के प्रेमवस्त्र को जोड़ सकती है। इसलिए पीपाजी ने यह संदेश फूंका।

परमारथ रै कारणै, जिनको जीवन अंत।
पीपा सोई सात पुरुष, सोई साचों संत।।
भलो बुरो सब एक है, जा के आदि न अंत।
जग हित जो हरि सेजये, पीपा सोई संत।।

संत पीपा जी का मत था कि परमात्मा के बनाए हुए सभी जीव हैं और सबको जीने का बराबर का अधिकार है। क्षत्रियों को परमात्मा की बनाई श्रष्टि की रक्षा करना चाहिए, हिंसा को बढ़ावा नहीं देना चाहिए, परमेश्वर के प्रति आस्था रखने वाले क्षत्रियों को तलवार की जगह सुई धारण कर, जोड़ने का काम कर जीवन का निर्वाहन करना चाहिए। संत पीपाजी ने गुरुजी से आज्ञा प्राप्त कर अपनी धर्मपत्नी साध्वी सीता सहचरी के साथ द्वारकापुरी को प्रस्थान किया। द्वारकापुरी में रहते हुए भक्ति साधना में तल्लीन इस संत दंपति पर भगवान की असीम कृपा हुई और द्वारकाधीश दर्शन के साक्षात के लिए सागर जल में कूद पड़े। जहां भगवान श्रीकृष्ण व रुकमणी को अगुवाई करते पाया। शेष शैय्यालीन भगवान विष्णु के सौम्यरूप का दर्शन कर संत दंपति परमानंद को प्राप्त हुए। परंतु लोक कल्याण के लिए भगवान ने उनको स्मृति चिन्ह छाप – कमलपुष्प, शंख, गदा, पद्म व गदा प्रदान कर आग्रह से स्वयं ने उन्हें समुंद्र से बाहर निकाला, जिसका भक्तमाल में उल्लेख मिलता है।

संत दंपति ने द्वारका से प्रभु की आज्ञा पाकर जूनागढ़ की ओर प्रस्थान किया...। बीहड वन में एक भयानक सिंह और सिंहनी से उनका सामना हो गया। पीपाजी व सहचरी सीता के दिव्य प्रभाव के कारण वे पालतू जानवर की तरह संत चरणों ने लौटने लगे। पीपाजी ने सिंहराज के मस्तिष्क पर भगवान के नाम से तिलक लगाकर गले में माला पहनाकर कहा कि वह भविष्य में किसी जीव को न सताऐ। उस पर उपदेश का प्रभाव हुआ। उसी के कारण उसने शिकार करना छोड़ दिया। इस घटना का एक दोहा भी प्रचलित है-

परस प्रणाली सरस भाई, सकल विश्व मंगल कियो।
पीपा-प्रताप जग वासना, नाहर को उपदेश दियो।।

विभिन्न ग्रंथों में इसका उल्लेख मिलता है कल्याण के अंक में भी वर्णन आया है कि जूनागढ़ के इसी नाहर ने ही अपने पुनर्वजन्म में नरसी मेहता के रूप में जन्म लिया। संतों के चरित्र के साथ बहुत सी चमत्कारिक बातें जुड़ ही जाती है क्योंकि वे समाज सुधारक होते ही है और उनके उपदेशों से मानव जाति का कल्याण भी होता है। सतोगुणि संत पीपाजी का चरित्र भी चमत्कारों से भरा पड़ा है। प्रभु कृपा से पीपाजी ने जन कल्याण के देश भर में भ्रमण किया। अनेकानेक स्थाओं का भ्रमण करते पीपाजी ने आगत लोगों को उपदेश देते बताया कि हिंसा त्याज्य है, प्रभुभक्ति सर्वोच्च साधना है, सत्य का पालन-अहिंसा का व्रत, परोपकारी की भावना, लोभ-स्वार्थ का परित्याग और मन, वचन और कर्म से समस्त प्राणियों की सेवा ही.. मानव जीवन की सर्वोत्तम उपलब्धि है। पीपाजी ने पाप कर्म से दूर रहने का सन्देश देते कहा कि –

पीपा पाप न कीजिए, अल्गो रहिजे आप।
करणी जासी आप री, कुण बेटो कुण बाप।।

निर्दोष जीवों का शिकार कर भक्षण करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि –

जीव मार जौहर करे, खाता करे बखाण।
पीपा परत्तख देख ले, थाली मांय मसाण।।

क्षत्रिय वंश में जन्म लेने के बावजूद क्षत्रियों को उद्बोधन करते हुए संत पीपाजी ने कहा कि... क्षत्रिय जाति का धर्म लोक रक्षा करना है न की उदरपूर्ति हेतु हिंसा करके अनाचार फैलाना। सत्य व अहिंसा का प्रचार इतने वेग से हुआ कि अनेक क्षत्रिय पीपाजी के अनुयाई बन गए। क्षत्रियों के सामने यह विडंबना थी कि तलवार कैसे छोड़े, परंतु पीपाजी के सद उपदेशों के प्रभाव से-

जो ब्रह्मामांडे सो ही पिंडे, जो खोजे सो पावै।
पीपा प्रणवै परम तत्व कूं, सतगुरु हुआ लखावै।।
पीपा पारस परसतां, लोह कंचन होय।
सिद्ध के कांटे बैठता, साधक सिद्ध हो जाय।।

पीपाजी के सद उपदेशों से एक नूतन सतोगुणी समाज की रचना होने लगी। इनके आव्हान पर अनेक परिवार तलवार की वृत्ति त्याग कर सुई-धागे की वृत्ति को अपनाने लगे। जीवनयापन के लिए पीपाजी के अनुयायियों ने भी काया का संयम सुई से और परोपकार के धागे से सीना शुरू कर दिया और यही सिंवन कला बेरोजगारी मिटाती, शांति का पाठ पढ़ाती, विभेदों को मिटाती एकता का जामा सीने लगी। सतोगुणी संत पीपाजी का जीवन समाजोत्थान के लिए उत्सर्ग करने करने वाले व्यक्ति का जीवन है जिसकी साधना से मानवीय मनोवृति में महान परिवर्तन आया और सिवन कला के माध्यम से विचार की कार्यों की व जीवन की दृष्टि ही बदल गई। उनके द्वारा रचित भक्ति साहित्य आज भी लोगों का मार्ग दर्शन करता है।

–नरेंद्र कुमार चौहान,
संपादक- श्री पीपाजी प्रकाश
दिलीपनगर, लालसागर,
जोधपुर

ईरान युद्ध में मध्यस्थता से आखिर क्या हासिल करना चाहता है पाकिस्तान?

डॉ. योगेश शर्मा

हम दलाल देश नहीं हो सकते – भारत के खिदेश मंत्री एस. जयशंकर की यह तीखी टिप्पणी भारत की रणनीतक स्वायत्तता और संतुलित विदेश नीति का संकेत है। यह प्रसंग उस समय सामने आया है जब ईरान-अमेरिका युद्ध में पाकिस्तान द्वारा मध्यस्थता किए जाने का विचार अंतरराष्ट्रीय राजनीति में तैर रहा है। इस पर विरोधाभासी विश्लेषण सामने आ रहे हैं। कोई इसे पाकिस्तान की विदेश नीति का मास्ट्र स्ट्रोक कह रहा है, तो कोई इसे उसकी कूटनीतिक मजबूरी बता रहा है। परंतु प्रश्न यह है कि आखिर पाकिस्तान को इससे क्या हासिल होने की उम्मीद है? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए कुछ ऐतिहासिक तथ्यों और भू-राजनीतिक वास्तविकताओं का गंभीर विश्लेषण आवश्यक है।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अमेरिका, या किसी महाशक्ति को खुश करने की कोशिश की हो। शीत युद्ध के दौर से ही, जब एक तरफ भारत गुटनिरपेक्षता के व्यापक आंदोलन को तीसरी दुनिया-जिसे अब ग्लोबल साउथ के रूप में जाना जाता है- का लक्ष्य बना रहा था, वहीं पाकिस्तान अमेरिका-समर्थित सैनिक संगठनों का सदस्य बनने में रुचि ले रहा था। इसकी पृष्ठभूमि में कश्मीर का वह विशेष संदर्भ भी शामिल था, जिस पर 1947 में पाकिस्तान को युद्धभूमि में पराजय मिल चुकी थी। पाकिस्तान के हुक्मरानों के लिए यह आवश्यक था कि इसका कोई कूटनीतिक विकल्प तैयार करें। हालांकि उसे ऐसा अवसर तब मिला जब भारत की तत्कालीन सरकार ने एक गलत निर्णय के चलते कश्मीर के विषय को संयुक्त राष्ट्र के अंर्तगत प्रस्तुत कर दिया।

महाशक्तियों को खुश करने की पाकिस्तान की लालसा यहीं समाप्त नहीं हुई। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद 1963 में उसने चीन के साथ अपनी मैत्री को आगे बढाया और कश्मीर के अवैध रूप से कब्जाए गए एक क्षेत्र को चीन को सौंप दिया। 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी दुनिया ने पाकिस्तान के प्रति अमेरिका के प्रेम को देखा, जब अमेरिकी युद्धपोत भारत पर मनोवैज्ञानिक दबिश प्रस्तुत करने के लिए आया। हालांकि भारत इस समय तक भूतपूर्व सोवियत संघ से सहयोग प्राप्त कर चुका था, जिसने इस मनोवैज्ञानिक दबिश से भारत को शीघ्र ही मुक्त कर दिया।

एक और उदाहरण 1980 के दशक में सामने आता है, जब अफगानिस्तान से सोवियत संघ को बाहर निकालने के लिए पाकिस्तान ने अमेरिका को सहायता की पेशकश की। हालांकि इसमें हित पाकिस्तान का ही अधिक था, क्योंकि अमेरिका से मिलने वाली आर्थिक सहायता की बदौलत पाकिस्तान ने दक्षिण एशिया में आतंकवाद को बढा दिया, जिसके केंद्र में पाकिस्तान द्वारा भारत का विरोध ही था। ऑपरेशन सिंदूर के समय भी पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख और राजनीतिक नेतृत्व ने जिस प्रकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड टरंप को श्रेय दिया, वहां महाशक्तियों की खुशामद या चापलूसी करने की पाकिस्तान की प्रवृत्ति है।

पाकिस्तान के आर्थिक हालात बदतर रहे हों, राजनीतिक अस्थिरता चरम पर रही हो, पाकिस्तान की कूटनीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसे पश्चिम एशिया के इस्लामिक राष्ट्रों का नेतृत्व करने की इच्छा से भी जोड़कर देखा जाता है। वास्तव में उसने अपने परमाणु हथियारों का विकास करके पश्चिम एशिया के राष्ट्रों पर मनोवैज्ञानिक प्रतिभा अवश्य प्रस्तुत किया है। यही कारण है कि तुर्की और सऊदी अरब जैसे पश्चिम एशिया के ताकतवर देश पाकिस्तान की न्यूक्लियर अम्रेला को सुरक्षा के रूप में देखने लगते हैं। सऊदी अरब-पाक रक्षा समझौता भी इसका एक उदाहरण है। यही कारण है कि जब-जब वह पश्चिम एशिया के देशों के नजदीक आया है, उसने भारत के घरेलू मामलों – खासकर मुस्लिम आबादी के साथ होने वाले व्यवहार और कश्मीर मामले – को प्रमुखता देने की कोशिश की है। यह बात अलग है कि भारत की आंतरिक राजनीति में धर्मनिरपेक्षता के साथ मुस्लिम समुदाय को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता और कश्मीर के मुद्दे पर कीर्तिमान सरकार के मजबूत दृष्टिकोण – जो अनुच्छेद 370 के प्रावधानों की समाप्ति से दिखाई देता है – ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। साथ ही, पश्चिम एशिया के कमोबेश सभी देशों से भारत के न केवल अच्छे संबंध रहे हैं, बल्कि भारत के 8-9 मिलियन से अधिक प्रवासी भी इन देशों की आर्थिक समृद्धि में योगदान देते हैं। भारत ने इस क्षेत्र से अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का आयात भी किया है और अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि के साथ इन देशों के मुस्लिम समुदाय तक सकारात्मक संदेश फैलाकर पाकिस्तान की कूटनीति या छल-नीति को सफल नहीं होने दिया।

पाकिस्तान को यह लगता है कि यदि पाकिस्तानी मध्यस्थता सफल हो गई और ईरान युद्ध रुक गया, तो पश्चिम एशिया के अरब देशों में उसका कद बढेगा, जो पहले से ही क्षेत्र में ईरान के बढते प्रतिभा से चिंतित हैं। वर्तमान युद्ध में ईरान ने जिस प्रकार खाड़ी देशों को निशाना बनाकर नुकसान पहुँचाया है, उसके बाद ये देश युद्ध रुकने पर पाकिस्तान को धन्यवाद देने की मुद्रा में हो सकते हैं – कम-से-कम ऐसा पाकिस्तान को प्रतीत होता है। पाकिस्तान को यह भी लगता है कि यदि उसकी मध्यस्थता सफल हो गई, तो वह एक साथ दो प्रतिभाशाली महाशक्तियों – चीन और अमेरिका – की नजरों में विशेष महत्व प्राप्त कर लेगा। इससे एक ओर उसके आर्थिक हालात में सुधार हो सकता है, तो दूसरी ओर एशिया में उसे कूटनीतिक बढत भी मिल सकती है। बलूचिस्तान के मुद्दे पर भी पाकिस्तान का ईरान से तनाव रहा है। ऐसे में मध्यस्थता के माध्यम से उसे ईरान के साथ-साथ बलोच विद्रोह को दबाने का अवसर मिल सकता है। अफगानिस्तान में भी तालिबान की पुर्नस्थापना के बाद से पाकिस्तान का उससे संर्घष जारी है। इस मध्यस्थता से वह अफगान पक्षों को भी अपनी कूटनीतिक सक्रियता का संदेश देने में सफल हो सकता है।

हालांकि मिर्जा गालिब की पंक्तियाँ यहाँ सटीक बैठती हैं कि ‘दिल को बहलाने को गालिब ये ख़याल अच्छा है।’ पाकिस्तान का अतीत सैन्य शक्ति बनाम राजनीतिक संघर्ष का रहा है, और वहाँ सेना के प्रभाव ने उसे कभी राजनीतिक दृष्टि से स्थिर लोकतंत्र बनने ही नहीं दिया। वर्तमान में भी पाकिस्तान की सेना का प्रमुख आसिम मुनीर जिस तरह स्वयं को आगे रख रहा है, वह एक बार फिर पाकिस्तान में भविष्य की सत्ता-पलट संभावनाओं को बरकरार रिखता है।

दूसरी तरफ, भू-राजनीति का एक महत्वपूर्ण कारक अर्थशक्ति है; और चाहे पश्चिम एशिया हो, यूरोप, चीन या अमेरिका – सबको भारत के मानव संसाधन, विनिर्माण क्षमता, तकनीकी प्रगति और विशाल बाजार से आकर्षण है। संघर्ष के बीच जिस प्रकार भारत की ऊर्जा आपूर्ति वाले जहाज सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर रहे हैं, ईरान उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर रहा है, और महाशक्तियाँ भी उनकी सुरक्षित आवाजाही में रुचि रखती हैं; जिस प्रकार प्रवासी भारतीय सुरक्षित घर लौट पा रहे हैं; और जो लोग खाड़ी देशों में हैं, पर्याप्त सुरक्षा में हैं; तथा ईरान और अन्य संबंधित पक्ष भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए हुए हैं – यह सब भारत की कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री मोदी जिस प्रकार इस संघर्ष में विभिन्न पक्षों के साथ संपर्क बनाए हुए हैं, वह भारत के वैश्विक महत्व की प्रचंड उद्घोषणा है। यही स्थिति भारत को विश्व राजनीति और वैश्विक भू-राजनीति का एक बड़ा और श्रेष्ठ खिलाड़ी बनाए रखने में सहायक है। ऐसे में पाकिस्तान कूटनीतिक मध्यस्थता के नाम पर चाहे जितना जोर लगा ले, भारत दुनिया की पहली पसंद बना रहेगा।

–डॉ. योगेश शर्मा,
(लेखक संवैधमनिक अध्येतम और अंतररमष्ट्रीय मर्लों के विशेषज्ञ हैं)

राशिफल गुरूवार 2 अप्रैल, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, गुरूवार, विक्रम संवत 2083, हस्त नक्षत्र सायं 5:39 तक, धुव्र योग दिन 2:20 तक, बव करण प्रात: 7:42 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मेष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज मंगल मीन राशि में दिन 3:29 पर प्रवेश करेगा। आज चैत्री पूर्णिमा, सत्यव्रत है। आज हनुमान जन्मोत्सव, सर्वदेव दमनोत्सव है। आज जैन ओली पूर्ण होगी। आज से वैशाख स्नान आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:53 तक, चर 10:58 से 12:30 तक, लाभ-अमृत 12:30 से 3:35 तक, शुभ 5:08 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:40

मेष

परिवार में चल रही स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा।

सिंह

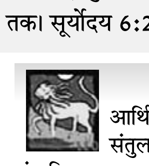

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

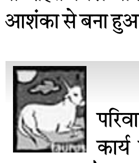

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क

व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

नाटो-तेल-परमाणु के बहाने गल्फ की गप्प (गल्प)

रामनिवास बैरवा

मध्य पूर्व या खाड़ी के देशों में वर्तमान युद्ध के दौरान होर्मुज स्ट्रेट यानि कि होर्मुज जलडमरू मध्य पर ईरान के नियन्त्रण को हटाने के लिए अमरीका ने जापान से अपने बेड़े को खाड़ी में बुला लिया है परन्तु अमरीका की अकेले की हिम्मत नहीं हो रही है कि वह उस समुद्री मार्ग को ईरान से मुक्त करवा ले। इसलिए उसने अन्य देशों के अलावा अपने वफादार नाटों देशों को सैनिक जहाज और सेनाएं भेजने के लिए कहा है परन्तु सभी ने, यहां तक कि नाटों के सदस्य देशों ने भी इस मामले में अमरीका का आदेश मानने से मना कर दिया है। ऐसे में अमरीका का विश्वास डगमगा रहा है। सोवियत संघ के विघटन के बाद कई यूरोपीय देशों ने नाटों नामक संगठन को भंग कर देने की बात कही थी, लेकिन युद्ध उन्मादी अमरीका ने अपने विशेषाधिकार के तहत नाटों को भंग करने से मना कर दिया और यूक्रेन को, यूरोपीय देश होने के नाते, यूरोपियन यूनियन और नाटों संगठन का सदस्य बनाने का लालच देकर रूस से युद्ध में धकेल दिया। यूक्रेन के युद्ध में यूरोप के नाटों देशों ने कोई सक्रिय भूमिका निभाने से मना कर दिया। पूंजीवाद और राजशाही के यूरोपीय देश सैंकड़ों वर्षों से कई युद्धों को झेल चुके हैं। अब उन देशों की जनता नहीं चाहती कि उन्हें और किसी युद्ध की विभिषिका को सहन करना पड़े। उनको नाटों से अधिक यूरोपियन यूनियन की आवश्यकता है।

यह तो निर्विवाद है कि पूंजीवादी-साम्राज्यवादी देश अमरीका, यूरोप के सभी देश आदि सिर्फ अपनी पूंजी के विस्तार के लिए काम करते हैं और उस पूंजी की रक्षा के लिए सेनाओं और सैन्य साजो-सामान का व्यापक विस्तार करते हैं। अपने मानवतावादी दिखावे के लिए इन देशों के द्वारा शुरू से ही संयुक्त राष्ट्र संघ का इस्तेमाल किया जाता रहा है ताकि कम्युनिस्ट विरोधी सोवयित संघ की तरफ सम्भावित झुकाव वाले देशों के शासकों का बचाव किया जाता रहे। लेकिन सैनिक विस्तार और उनके लिए दुनिया के विभिन्न भागों में, विभिन्न देशों में सैनिक अड्डे बनाये गये। उन्हीं में ऐसे गल्फ देशों में अमरीका द्वारा अपने सैनिक अड्डे बनाना आवश्यक था।

दूसरे विश्वयुद्ध के फौरन बाद में जर्मनी से बेदखल यहूदियों ने अपनी मातृभूमि इजराइल से फिलीस्तीनियों को बेदखल करके अपना देश बनाया। लेकिन, गल्फ के देशों में अपना आधार पक्का करने के लिए पहले इजराइल के माध्यम से पड़ौस के देशों सहित मिस्र के स्वेज इलाके को अपने अधिकार में लिया। फिर मिश्र-इजराइल समझौता करवा कर शान्ति का नोबेल पुरस्कार भी ले लिया और सभी अरब देशों को भय दिखाकर उन देशों में अपने सैनिक अड्डे भी बना लिये और उनके पेट्रोलियम को अपनी पूंजी का हिस्सेदार बनाने के लिए पेट्रो-डॉलर का सिद्धांत भी पैदा किया। पेट्रो-डॉलर की उस योजना में उन शेखों-अमीरों की सरकारें शामिल हुई जो ओटोमन साम्राज्य के विघटन के बाद अस्तित्व में आये थे। इसमें ईरान जैसे समृद्ध इतिहास, संस्कृति और पेट्रोलियम उत्पादन के कारण आर्थिक रूप से सम्पन्न देश पेट्रो-डॉलर की उस योजना में शामिल नहीं हुए थे और वे सोवियत संघ के लिए भी खुले रहे।

इस प्रकार अमरीकी पूंजीवाद, जापान के दो शहरों पर परमाणु बम गिराकर दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से युद्ध उन्मादी बना रहा और उसकी अपनी परमाणु सम्पन्नता से पूंजीवादी दुनिया में उसकी चौधराहट बनी। लेकिन यह भी ध्यान देने योग्य है कि जहां-जहां भी अमरीका ने अपनी टांग लड़ाई, वहां-वहां पर कम्युनिस्ट विचारधारा ने अमरीका को पराजित ही किया जैसे वियतनाम, कम्बोडिया, क्यूबा, लीबिया आदि। भदली वैश्विक एवं आर्थिक परिस्थितियों में, संगठित कम्युनिस्ट विचारधारा के अभाव में अमरीका का सैनिक दखल कभी रसायनिक हथियारों के नाम पर तो कभी परमाणु हथियारों के नाम पर बढ़ता गया। परन्तु, उसका उद्देश्य उभरती चीन की आर्थिक शक्ति से मुकाबले के लिए विश्व के ज्यादा से ज्यादा उर्जा स्त्रोतों पर कब्जा करना रहा है। वर्तमान ईरान के खिलाफ युद्ध इसी कड़ी का एक प्रयास है, एक दुस्साहस है अमरीका का इजराइल के माध्यम से।

लिबिया, ईराक के स्त्रोतों पर अधिकार कर लेने के बाद प्रतिबंधित ड्रग्स की तस्करी में शामिल होने को आरोप लगाकर वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को गिरफ्तार करके अमरीका ले जाया गया तथा वेनेजुएला में नोबेल पुरस्कार प्राप्त एक महिला को राष्ट्रपति के अधिकार दिये और वेनेजुएला के पेट्रोलियम भंडारों के अधिकार अमरीकी कम्पनियों को दिये तथा भारत जैसे देशों को ईरान, रूस के बदले वेनेजुएला का तेल खरीदने का दबाव डाला और रूस-ईरान से तेल खरीदने पर पाबंदी लगा दी। लेकिन, ईरान पर किये गये हमले से उत्पन्न हालातों में, होर्मुज जलमार्ग पर ईरान के अधिकारिक हमलों को देखते हुए अमरीका ने रूस से तेल खरीदने की छूट भारत को दे दी है क्योंकि भारत की सरकार ने अमरीका के आग्रह पर इस वर्ष के शुरू में ईरान के तीन जहाजों को अपने मुबंई के बंदरगाह पर रोक लिया था, और विशाखापट्नम के बंदरगाह पर सैनिक अभ्यास में शामिल होकर वापस जा रहे ईरान के दो सैनिक जहाजों में से एक को श्रीलंका के तट के पास अमरीका ने पनडुब्बी के द्वारा आक्रमण करके डुबो दिया गया था, उसमें एक सौ से ज्यादा नाविक नागरिक डुब कर मर गये। उनमें से कुछ को श्रीलंका के तटरक्षक दलों न बचाया, लेकिन भारत सरकार ने अपने मेहमान जहाज पर हुए आक्रमण के बचाव में बिल्कुल निष्क्रियता दिखाई। काफी आलोचना के बाद ईरान के दूसरे जहाज को कोच्ची के बंदरगाह पर ठहरा दिया। उन्हीं, तीन जहाजों को छोड़े जाने की शर्त रख कर ईरान के होर्मुज जलमार्ग से भारतीय झंडे लगे जहाजों को निकाल देने की बात कही है जो कि राजनीति-कूटनीतिक लिहाजों से चर्चा का विषय है।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भाविष्य निधि आयुक्त।

राजस्थान में 65 आई.ए.एस. अफसरों के तबादले, 25 जिलों में बदले गए कलेक्टर

जितेन्द्र सोनी को मुख्यमंत्री के सचिव और डीआईपीआर शासन सचिव की जिम्मेदारी मिली

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राज्य सरकार ने मंगलवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस) के 65 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव में 25 जिलों के कलक्टर भी बदले गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री के सचिव और विशिष्ट सचिव भी बदले गए हैं।

आदेश के मुताबिक जयपुर कलक्टर रहे जितेंद्र कुमार सोनी को मुख्यमंत्री का सचिव नियुक्त किया गया है। साथ ही उन्हें सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के शासन सचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को अब जयपुर का नया कलक्टर बनाया गया है। उत्सव कौशल और अमित शर्मा मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव नियुक्त किए गए है। रिया डाबी, रजत यादव और अक्षत कुमार सिंह को विशेषाधिकारी मुख्यमंत्री के पद पर लगाया गया है। जबकि गरिमा नरूला को विशेषाधिकारी मुख्य सचिव कार्यालय जयपुर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं टीना डाबी को बाड़मेर से टोंक कलक्टर के पद पर तबादला किया गया है।

सीकर में अब नए कलक्टर आशीष मोदी होंगे। सीकर से मुकुल शर्मा का ट्रांसफर सीएम के विशिष्ट सचिव पद पर कर दिया गया है। करीब डेढ़ साल बाद सीकर को नया कलेक्टर मिला है। सूची में डॉ. जोगाराम को सचिव आयुक्त पंचायती राज विभाग व निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजन विशाल को निदेशक जल जीवन मिशन जयपुर, जितेंद्र कुमार सोनी को सचिव मुख्यमंत्री व सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, कन्हैया लाल स्वामी को संभागीय आयुक्त जोधपुर, नकाते शिवप्रसाद मदन को प्रबंध निदेशक राजस्थान ऊर्जा विकास व आईटी सर्विसेज, शिवांगी स्वर्णकार को विशिष्ट सचिव वित्त विभाग व सीईओ पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट ट्रेनिंग सोसायटी, ओमप्रकाश कसेरा को आयुक्त नगर निगम जयपुर, नमित मेहता को आयुक्त आबकारी विभाग उदयपुर, नम्रता वर्षणी को विशिष्ट सचिव खान व पेट्रोलियम विभाग, अरविंद पोसवाल को आयुक्त राजस्थान आवासन मंडल, डॉ रश्मि शर्मा को निदेशक समग्र शिक्षा अभियान व विशिष्ट सचिव सांख्यिकी विभाग, लक्ष्मी नारायण मंत्री को आयुक्त उदयपुर व देवस्थान विभाग, कल्पना अग्रवाल को विशिष्ट सचिव जलग्रहण विकास व भू-संरक्षण विभाग, सुरेश ओला को प्रबंध निदेशक रीको व आयुक्त दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, प्रियंका गोस्वामी को आजीविका परियोजनाएं व स्वयं सहायता समूह जयपुर, अल्पा चौधरी को भू-प्रबंधन आयुक्त व पदेन निदेशक बंदोबस्त, बाबूलाल गोयल को आयुक्त चिकित्सा शिक्षा विभाग जयपुर के पद पर तैनात किया गया है।

- मुख्यमंत्री के विशिष्ट सचिव संदेश नायक को अब जयपुर का नया कलक्टर बनाया गया है
- रिया डाबी, रजत यादव और अक्षत कुमार सिंह को मुख्यमंत्री का विशेषाधिकारी बनाया

वहीं, नीलाभ सक्सेना को आयुक्त उद्योग व वाणिज्य सीएसआर, ललित कुमार को निदेशक सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग, उत्सव कौशल को संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री, गौरव सैनी को सचिव जयपुर विकास प्राधिकरण, श्वेता चौहान को आयुक्त उद्यान विभाग जयपुर, राहुल जैन को आयुक्त नगर निगम जोधपुर, महेंद्र खड़गावत को संयुक्त सचिव श्रम व कारखाना (बॉयलर निरीक्षण) विभाग, नरेश कुमार गोयल को आयुक्त कृषि व पंचायती राज विभाग जयपुर, जयदेव सीएस को सचिव मानवाधिकार आयोग, शैलजा पांडे को सीईओ माडा बीकानेर की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सूची में कई जिलों के कलक्टर भी बदले गए हैं। इनमें संदेश नायक को जयपुर, अनुपमा जोरवाल को जैसलमेर, आलोक रंजन को जोधपुर, गौरव अग्रवाल को उदयपुर, चिन्मय गोपाल को बाड़मेर, शुभम चौधरी को प्रतापगढ़, आशीष मोदी को सीकर, अंकित कुमार सिंह को फलोदी, बालमुकुंद असावा को बारां, निशांत जैन को बीकानेर, टीना डाबी को टोंक, रविंद्र गोस्वामी को पाली, रोहिताश्व सिंह तोमर को सिरोही, हरफूल सिंह यादव को बूंदी, अवधेश मीणा को डीडवाना-कुचामन, देवेंद्र कुमार को नागौर, अक्षय गोदारा को करौली, सौम्या झा को दौसा, अतुल प्रकाश को खैरथल-तिजारा, देशल दान को डूंगरपुर, मोहम्मद जुनेद पी पी को सलूम्बर, मयंक मनीष को डीग, अपर्णा गुप्ता को कोटपूतली-बहरोड़, अमित यादव को श्रीगंगानगर और डॉ मंजू को चित्तौड़गढ़ जिले का नया कलक्टर बनाया गया है।

राजस्थान में खेल सुविधाओं को मजबूत कर रही भजनलाल सरकार

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 के लिए 271 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है, जो खेल सुविधाओं के विस्तार पर खर्च होगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश की युवा शक्ति और खेल प्रतिभाओं को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया है। युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में अर्जित की गई उपलब्धियों और आगामी वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित महत्वाकांक्षी कार्ययोजना ने राजस्थान को खेलों के मानचित्र पर एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं।

मुख्यमंत्री के इस दूरदर्शी विजन का ही परिणाम है कि प्रदेश में न केवल बुनियादी खेल ढांचा मजबूत हो रहा है, बल्कि खिलाड़ियों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में भी ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। बीते वित्तीय वर्ष 2025-26 में सरकार ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के सफल आयोजन के साथ अपनी प्रबंधकीय कुशलता का लोहा मनवाया।

प्रदेश के सभी जिलों में "वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्पोर्ट्स" नीति को पूरी तरह लागू कर स्थानीय प्रतिभाओं को उनके ही क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए गए। युवा नीति-2026 के शुभारंभ और फिट राजस्थान अभियान के जरिए सरकार ने जन-जन को स्वास्थ्य और खेल के प्रति जागरूक किया है। विशेष रूप से खिलाड़ियों के लिए शुरू की गई बीमा योजना और अनुदान सहायता ने प्रदेश के एथलीटों को एक सुरक्षित भविष्य का भरोसा दिया है। भविष्य की तैयारियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 के लिए 271 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है, जो सीधे तौर पर खेल सुविधाओं के विस्तार पर खर्च होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

इस कार्ययोजना के तहत प्रदेश में 23 नए स्टेडियमों का निर्माण और 15 मौजूदा स्टेडियमों का आधुनिकीकरण किया जाना प्रस्तावित है। खेल शिक्षा को नया आयाम देने के लिए महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व फिजिकल रिहैब सेंटर विकसित किए जा रहे हैं। सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और मल्टीपर्पज इनडोर हॉल्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी कर सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हमारे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की ट्रेनिंग मिल सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का लक्ष्य केवल ढांचागत विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि खेलो राजस्थान यूथ गेम्स, टैलेंट हंट और टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के खिलाड़ियों को पोडियम तक पहुँचाना है। संभाग स्तर के साथ-साथ सीकर जैसे जिलों में युवा साथी केंद्रों का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि सरकार युवाओं की पहुंच और सुविधाओं के विकेंद्रीकरण के प्रति गंभीर है। यह समग्र प्रयास न केवल राजस्थान की खेल संस्कृति को बदलेंगे, बल्कि आगामी वर्षों में प्रदेश की युवा ऊर्जा को एक नई और सकारात्मक दिशा प्रदान करेंगे।

- इस कार्ययोजना के तहत प्रदेश में 23 नए स्टेडियमों का निर्माण और 15 मौजूदा स्टेडियमों का आधुनिकीकरण किया जाना प्रस्तावित है। इसके साथ ही महाराणा प्रताप खेल विश्वविद्यालय की स्थापना और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व फिजिकल रिहैब सेंटर विकसित किए जाएंगे।

आचार्य बालकृष्ण को मिला 'विश्व आयुर्वेद रत्न' सम्मान

यूनेस्को हाउस नई दिल्ली में आयोजित अर्थ अवार्ड 2026 में मिला सम्मान

हरिद्वार। आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने और भारतीय ज्ञान-परंपरा के संरक्षण में निरंतर कार्य कर रहे आचार्य बालकृष्ण को एक और अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। नेट ग्रीन फाउंडेशन की ओर से आयोजित अर्थ अवार्ड एंड हाई इंपैक्ट सस्टेनेबिलिटी डायलॉग 2026 के अंतर्गत उन्हें "विश्व आयुर्वेद रत्न" से अलंकृत किया गया। यह समारोह यूनेस्को हाउस नई दिल्ली में आयोजित हुआ। जिसमें देश-विदेश के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व मौजूद रहें।हालांकि आचार्य बालकृष्ण इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने इस सम्मान को आयुर्वेद की उस महान परंपरा को समर्पित किया, जो हजारों वर्षों से मानवता के समग्र स्वास्थ्य और संतुलित जीवन का मार्ग प्रशस्त करती आई है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान किसी व्यक्ति का नहीं बल्कि उस समृद्ध भारतीय परंपरा का है, जिसने 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' के सिद्धांत को जीवन में उतारा।कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा तथा यूनेस्को की प्राकृतिक विज्ञान इकाई के प्रमुख डॉ. बेन्नो बोएर सहित कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और नीति-निर्माता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी गणमान्य अतिथियों ने आयुर्वेद और सतत विकास के बीच गहरे संबंध पर विचार साझा किए।

नेट ग्रीन फाउंडेशन की ओर से पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण को 'विश्व आयुर्वेद रत्न' के सम्मान के लिए जब उनके नाम की घोषणा की गई तो मंच के पीछे बड़े स्क्रीन पर उनकी छवि प्रदर्शित की गई।

- आचार्य श्री ने सम्मान को आयुर्वेद की हजारों साल पुरानी महान परंपरा को समर्पित किया
- उन्होंने आयुर्वेद और सतत विकास के बीच गहरे संबंध पर विचार साझा किए गए

ज्ञात रहे कि आचार्य बालकृष्ण ने आयुर्वेद को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़कर उसे विश्व पटल पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पतंजलि के माध्यम से उन्होंने न केवल आयुर्वेदिक उत्पादों को घर-घर तक पहुंचाया, बल्कि शोध, शिक्षा और औषधीय पौधों के संरक्षण में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

नए वित्तीय वर्ष में गैस, टोल और शराब महंगी

जयपुर (कासं)। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ राजस्थान में एक अप्रैल से कई अहम बदलाव लागू हो गए हैं, जिनका सीधा असर आम लोगों की जेब और दिनचर्या पर पडेगा। जहां एक ओर कमर्शियल गैस सिलेंडर, हाईवे टोल, शराब और पर्यटन गतिविधियां महंगी हो गई हैं, वहीं स्कूल, आंगनबाड़ी और सरकारी अस्पतालों के समय में भी बदलाव किया गया है।

राज्य में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में करीब 195 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है। जयपुर में इसकी कीमत 1911 रुपए से बढ़कर 2106 रुपए हो गई है। इस बढ़ोतरी का असर होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट के साथ-साथ शादी-ब्याह की कैटरिंग पर भी पड़ सकता है।

प्रदेश के 170 से अधिक टोल प्लाजाओं पर टोल दरों में वृद्धि की गई है। निजी वाहनों पर असर सीमित है, लेकिन कमर्शियल और भारी वाहनों के लिए 5 से 30 रुपए तक टोल बढ़ाया गया है। रिंग रोड पर हल्के वाहनों की दरें यथावत रखी गई हैं। वाहन चालकों के लिए वार्षिक फास्टैग पास की कीमत 3000 रुपए से बढ़ाकर 3075 रुपए कर दी गई है। इस पास से एक वर्ष में 200 बार टोल पार करने की सुविधा मिलती है।नई आबकारी नीति के तहत प्रदेश में शराब की कीमतों में 5 से 20 प्रतिशत तक इजाफा किया गया है। इससे उपभोक्ताओं की जेब पर असर पडेगा, हालांकि सरकार को इससे अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

रणथंभौर नेशनल पार्क और सरिस्का टाइगर रिजर्व में बाघों के दीदार के लिए अब ज्यादा शुल्क देना होगा। वन विभाग ने प्रवेश शुल्क, वाहन शुल्क और कैमरा फीस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो अगले दो वर्षों तक लागू रहेगी। टाइगर रिजर्व में सफारी का समय भी बदला गया है। अब सुबह की पारी 6 बजे से 9:30 बजे तक और शाम की पारी 3 बजे से 6:30 बजे तक चलेगी। वहीं आमेर किला में हाथी सवारी का समय सुबह 7 से 10:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। नए शिक्षण सत्र की शुरुआत के साथ प्रदेश में स्कूलों का समय ग्रीष्मकालीन कर दिया गया है। एक पारी स्कूल सुबह 7:30 से दोपहर 1 बजे तक और दो पारी स्कूल सुबह 7 से शाम 6 बजे तक संचालित होंगे। आंगनबाड़ी केंद्र अब सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक खुलेंगे।

'लोकतंत्र के हत्यारे कर रहे लोकतंत्र बचाने की बात'

जयपुर । शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आज कैसा समय है कि लोकतंत्र के हत्यारे लोकतंत्र बचाने की बात कर रहे हैं। जिन लोगों ने सन 1975 में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र का गला घोट दिया और अपने फायदे के लिए बड़े-बड़े राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया था और 17 साल तक ग्राम पंचायतों के चुनाव नहीं कराए। ऐसे लोकतंत्र के हत्यारे लोकतंत्र की बात कर रहे हैं इनको शर्म आनी चाहिए।

लूट की वारदात करने वाला हिस्ट्रीशीटर आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। शहर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा गया सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि 30 मार्च 2026 को परिवादी गुरुदयाल नमन (31) निवासी नारदपुरा रोड, नागल सुसावतान (आमेर) ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह ट्रांसपोर्ट नगर चौराहे के पास विक्रम टैम्पो लेकर खड़ा था, तभी एक युवक ने जबरन उसका पर्स छीन लिया। पर्स में करीब 9 हजार रुपए, आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेज थे। इस पर थाना ट्रांसपोर्ट नगर में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल के निर्देशन और सहायक पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सुथार के सुपरविजन में थाना प्रभारी अरुण चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा संदिग्धों से पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी सोहेल कुरैशी (27) निवासी आजाद नगर, ट्रांसपोर्ट नगर को डिटेन कर पूछताछ की, जिस पर उसने वारदात करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में भी कई मामलों में लिप्त रहा है और नशे का आदी है। नशे की पूर्ति के लिए वह लूट, चोरी व जेबतराशी जैसी वारदातों को अंजाम देता था।

चैत्र मेले पर भव्य शोभा यात्रा

जयपुर। आचार्य श्री सद्गुरु स्वामी टेऊराम जी महाराज द्वारा स्थापित पावन चैत्र मेले के 105 वे पंच दिवसीय उत्सव के अंतर्गत बुधवार को विशाल शोभा यात्रा दोपहर 3 बजे श्री अमरापुर स्थान से निकाली गई।

शोभा यात्रा एम आई रोड से होती हुए इंद्रा बाजार, नेहरू बाजार, बापू बाजार, छोटी चोपडा,चांदपोल बाजार,संसारचंद रोड से होती हुई अमरापुर स्थान पहुंची। विभिन्न मार्गों पर देश विदेश के प्रेमी स्थानीय श्रद्धालुओं ने पूज्य गुरुदेव एवं संत मंडल का पुष्प एवं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया ।

पुलिस कमिश्नर करेंगे 4 अप्रैल को जनसुनवाई

जयपुर। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय कायम रखने के उद्देश्य से जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल 4 अप्रैल (शनिवार) को पुलिस थाना शिवदासपुरा में जनसुनवाई करेंगे। यह जनसुनवाई दोपहर 11:30 बजे से 1:30 बजे तक आयोजित की जाएगी, जिसमें चाकसू सर्किल के चाकसू, शिवदासपुरा, सांगानेर सदर और कोटखावदा थाना क्षेत्रों के परिवादियों की समस्याएं सुनी जाएंगी।

पुलिस प्रशासन के अनुसार जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आमजन की शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान करना है। साथ ही क्षेत्रीय स्तर पर लंबित मामलों को मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।पुलिस ने संबंधित क्षेत्र के परिवादियों से जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याएं रखने की अपील की है। गौरतलब है कि इससे पूर्व पुलिस कमिश्नर द्वारा एसीपी कार्यालय झोटवाड़ा, सामुदायिक भवन सांगानेर, पुलिस थाना शिप्रापथ, विद्याधर नगर ,भांकरोटा और बस्सी में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा चुका है।

- चाकसू सर्किल के चार थानों के परिवादियों की सुनी जाएंगी समस्याएंबीच गहरे संबंध पर विचार साझा किए गए

देवनानी ने लोकसभाध्यक्ष समेत केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

नई दिल्ली। राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने दिल्ली प्रवास के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल तथा राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ से शिष्टाचार मुलाकात कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत एवं सकारात्मक चर्चा की।देवनानी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ हुई भेंट के दौरान लोकतांत्रिक परंपराओं, संसदीय गरिमा एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया। देवनानी ने बिरला को राजस्थान विधानसभा की प्रगति के प्रतीक स्वरूप संसदीय संस्कृति का उत्कर्ष नवाचारों के 2 वर्ष 'राजस्थान विधानसभा की दैनंदिनी' एवं 'सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि पुस्तक भेंट की।

बजट में स्वीकृत कोई भी विकास कार्य अधूरा नहीं रहे : मंत्री जोराराम कुमावत

पशु बीमा योजना, मोबाइल वेटरिनरी यूनिट, भूमि आवंटन और टीकाकरण के मुद्दे पर चर्चा

जयपुर (कासं)। पशुपालन, गौपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बजट में स्वीकृत योजनाओं और कार्यों को 100 प्रतिशत पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को कहा कि, बजट में स्वीकृत कोई भी कार्य अधूरा नहीं रहना चाहिए। कुमावत बुधवार को पशुपालन विभाग की बजट समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

समीक्षा बैठक में प्रमुख शासन सचिव विकास सीताराम भाले, संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़, निदेशक पशुपालन डॉ. सुरेश चंद मीना, वित्तीय सलाहकार अतिरिक्त निदेशक डॉ.प्रवीण कुमार, डॉ. विकास शर्मा, डॉ. लक्ष्मण राव, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहित बीमा कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि अब तक 35 लाख से अधिक पशुओं का पंजीकरण हो चुका है, 19 लाख से अधिक पशुओं की बीमा पॉलिसी जारी हो चुकी है और लगभग 7000 दावों का निस्तारण करते हुए पशुपालकों को 14 करोड़ से अधिक राशि का भुगतान किया जा चुका है। मंत्री कुमावत ने बीमा कंपनी को दावों के भुगतान की गति बढ़ाने और सर्वेयर की संख्या बढ़ाकर पेंडेंसी खत्म करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने विभाग और बीमा कंपनी को काम में गति लाते हुए जून माह तक बीमा पॉलिसी का काम पूरा करने के निर्देश दिए।

मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को पशुपालन विभाग की बजट समीक्षा बैठक ली।

- सेक्स सॉर्टेड सीमन के तहत विभाग की धीमी प्रगति पर मंत्री ने जताई नाराजगी, फर्जी भुगतान उठाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट के प्रभावी संचालन पर चर्चा करते हुए मंत्री कुमावत ने कहा कि सरकार मोबाइल वेटरनरी यूनिट के प्रभावी और सुचारू संचालन के प्रति बहुत गंभीर है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछले दो वर्ष में 16 लाख से अधिक पशुपालकों ने 62 लाख से अधिक पशुओं का इलाज मोबाइल वेटरनरी यूनिट के माध्यम से कराया है इसके अलावा लगभग एक लाख से अधिक पशुपालकों ने चैटबॉट के माध्यम से भी अपने पशुओं की बीमारी का उपचार लिया। मंत्री कुमावत ने कॉल सेंटर को और अधिक व्यवस्थित करते हुए सभी कॉल अटेंड करने के निर्देश दिए।

सेक्स सॉर्टेड सीमन के तहत विभाग की धीमी प्रगति पर कुमावत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए इसमें ए.आई. करने वालों द्वारा अनुचित तरीके से पैसे लिए जाने पर कठोर कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्स सॉटेड के समुचित प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए जिससे अधिक से अधिक संख्या में पशुपालक ए आइ कराने के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा और सेक्स सॉर्टेड सीमन को फ्लैगशिप कार्यक्रम से जोड़ा जाए। उन्होंने विभाग में अच्छा काम करने वाले लोगों को और काम में कोताही करने वालों को दंडित करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि भवन रहित संस्थानों के लिए भूमि आवंटन का लक्ष्य 80 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। शेष 20 प्रतिशत भी जल्द ही पूरा हो जाएगा। 16 मार्च को प्रारंभ हुए एफएमडी रोग प्रतिरोधक टीकाकरण अभियान के संबंध में पशुपालन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि 16 मई तक चलने वाले इस अभियान में टीकाकरण कार्य को पूरी गंभीरता और समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि प्रदेश का वर्ष 2030 तक खुरपका-मुंहपका रोग से मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। बैठक में पशुओं में फैलने वाली लंपी और कर्रा जैसी मौसमी बीमारियों के प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण पर भी चर्चा की गई। मंत्री कुमावत ने निर्देश दिए कि लंपी एवं अन्य संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विभाग को मिशन मोड पर पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बैठक में विभिन्न जिलों में खोले जाने वाले डिग्री एवं डिप्लोमा कॉलेजों, विभाग में रिक्त पदों, नवीन भर्ती तथा ब्लॉक स्तरीय प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण पर भी चर्चा हुई।

जयपुर सहित दस शहरों में बारिश, पारा गिरा

जयपुर । प्रदेश में सक्रिय पश्चिम के प्रभाव से लगातार विभिन्न हिस्सों में बारिश का दौर जारी है। बुधवार को जयपुर सहित करीब दस से अधिक शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। बारिश से अधिकांश शहरों में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। 2 अप्रेल को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों व आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियों में पुन: बढ़ोतरी होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को अजमेर, वनस्थली, अलवर, जयपुर, पिलानी, सीकर, चूरू, फतेहपुर, दौसा और झुंझुनूं सहित कुछ अन्य शहरों में बारिश हुई। 38.6 डिग्री के साथ चित्तौडग़ढ़ का दिन और 24 डिग्री के साथ प्रतापगढ़ की रात सबसे गर्म रही।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि मंगलवार को राज्य के कुछ भागों में आंधी-बारिश दर्ज की गई। पूर्वी राज में सर्वाधिक बारिश 34 मिमी सांभर, जयपुर में व पश्चिमी राज के करनपुर, श्रीगंगानगर में 4 मिलीमीटर दर्ज की गई है। बुधवार को पूर्वी व उत्तरी भागों में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश होने व शेष भागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है।

आगामी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ का सर्वाधिक प्रभाव 3-4 अप्रैल को दर्ज होने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा संभाग के कुछ भागों में पुन: तेज मेघगर्जन के साथ आंधी-बारिश (40-50 किमी प्रतिघंटा) होने की प्रबल संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की भी संभावना है। एक और नया मजबूत पश्चिमी विक्षोभ 7-8 अप्रैल को कुछ भागों में सक्रिय होने की संभावना है।

जयपुर में बुधवार को भी मौसम बदला रहा। जयपुर में सुबह कुछ स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। बादल छाए रहने के साथ हवाएं चली। इससे जयपुर के पारे में गिरावट दर्ज की गई। जयपुर के दिन के पारे में 0.4 और रात के पारे में 0.9 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 33.6 और न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री दर्ज किया गया।

इस बार दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहने के कारण हीटवेव के दिन भी सामान्य से बहुत कम रहने का अनुमान है। जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा संभाग के एरिया में सबसे कम हीटवेव चलेगी। बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर में सामान्य या उससे थोड़े ज्यादा दिन हीटवेव का असर रहेगा। यहां दिन का तापमान 47 से 49 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, लेकिन इस साल ये कम रहेगा।

मौसम विज्ञान केन्द्र ने सामान्य से 5 डिग्री अधिक तापमान में चलने वाली गर्म और सूखी हवा को हीटवेव की श्रेणी में रखता है। अधिकतम तापमान 47 डिग्री के पार पहुंचने पर चलने वाली गर्म हवा को गंभीर हीटवेव माना जाता है। एक्सपर्ट के अनुसार हीटवेव चलने का प्रमुख कारण है ग्लोबल वॉर्मिंग, बारिश या बादल का न होना और तेज धूप। हीटवेव का असर मैदानी इलाकों में सबसे ज्यादा होता है।

निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से एक की मौत, चार घायल मजदूर घायल

घायलों को आसपुर अस्पताल पहुंचाया, एक गंभीर घायल को डूंगरपुर रेफर किया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के आसपुर थाना क्षेत्र के गोल गांव में एक निर्माणाधीन मकान की छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को आसपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

- **मजदूर छत की भराई (आरसीसी) का काम कर रहे थे, तभी अचानक छत का पूरा ढांचा ढह गया**

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा गोल गांव निवासी जीतू मेहता के निर्माणाधीन मकान में हुआ। मजदूर छत की भराई (आरसीसी) का काम कर रहे थे, तभी अचानक छत का पूरा ढांचा ढह गया। मलबे के नीचे दबने से वहां काम कर रहे मजदूरों में चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में शेरपुर निवासी लक्ष्मण मीणा की मौत हो गई। वहीं सडा निवासी सूरजमल, दोलपुरा निवासी कंकू, सडा निवासी कालू और सडा निवासी दिनेश घायल हो गए। घायलों को तुरंत आसपुर अस्पताल पहुंचाया गया,जहां से एक गंभीर घायल को डूंगरपुर रेफर किया गया है। तीन अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही आसपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। अस्पताल परिसर में भी लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

अजमेर में निर्माणाधीन मकान की छत गिरी, तीन मजदूर घायल

अजमेर, (निसं)। अलवरगेट थाना क्षेत्र स्थित कालू की ढाणी में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक निर्माणाधीन मकान की छत अचानक गिर गई। हादसे में वहां काम कर रहे ठेकेदार सहित तीन मजदूर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत घायलों को अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

मकान मालकिन इन्द्रा देवी ने बताया कि घर की प्रथम मंजिल पर एक कमरे का निर्माण कार्य चल रहा था। सुबह मजदूर छत पर पट्टी डालने का काम कर रहे थे। इसी दौरान

- **आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया, उपचार जारी**
- **मजदूर छत पर पट्टी डाल रहे थे, इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से छत का हिस्सा गिर पड़ा**

अचानक संतुलन बिगड़ने से छत का हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। छत के साथ ही दीवार का हिस्सा भी गिर गया, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। मकान मालिक इन्द्रा देवी ने बताया कि वह मजदूरों को चाय देने जा रही थी, तभी अचानक तेज आवाज के साथ छत गिरने का हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला। हादसे में ठेकेदार समेत तीनों मजदूरों को चोटें आई हैं। सभी को तुरंत जवाहर लाल नेहरू अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। फिलहाल सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है।

बंद सिनेमाघर में सट्टा चलाते संचालक सहित 10 आरोपियों को दबोचा

जिला स्पेशल टीम ने हिसाब की डायरियां, मोबाइल और केलकुलेटर जब्त किए।

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित एक टॉकीज में छापा मारकर सट्टा लगाते संचालक समेत दस आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान टीम ने सट्टा पर्ची पर सट्टा खेलते हुए आरोपियों से 14 हजार 125 रूपये नगद व करीब 3 लाख रुपए के हिसाब की डायरियां बरामद की है तथा आरोपियों के 10 मोबाइल और केलकुलेटर भी जब्त किए गए हैं।

- **आरोपियों से 14 हजार की नगदी, करीब 3 लाख रुपए के हिसाब की डायरियां बरामद की**

जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के काफला बाजार स्थित टेगोर टॉकिज जो कई दिनों बंद पड़ा है, उसमें सट्टा लगाने की शिकायत मिल रही थी। जिला स्पेशल टीम ने प्लानिंग कर टॉकीज पर छापामार कार्यवाही की। इस दौरान टॉकीज संचालक समेत दस आरोपयिों को मौके पर सट्टा लगाते पकड़ लिया। आरोपियों के विरूद्ध पुलिस थाना कोतवाली में प्रकरण दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस कार्यवाही में आरोपी सद्दाम पुत्र फरीद, शब्बीर पुत्र अहमद, महबूब पुत्र अयुब अली, अजीम पुत्र नईम, अजीम पुत्र मो. युनुस, मोईन पुत्र प्यारे मियां, महबूब पुत्र सलीम, गुलजार पुत्र जुल्फीकार, नरेन्द्र पुत्र लालाराम व मोहनलाल पुत्र चुन्नी लाल को गिरफ्तार किया है।

अवैध हथियार बनाकर बेचने वालों को सात-सात साल की जेल

अलवर, (निसं)। अलवर के एडीजे कोर्ट नंबर-1 के न्यायाधीश धीरज शर्मा ने अवैध हथियार बनाने, उनकी सप्लाई करने और पुलिस पर फायरिंग करने के मामले में तीन आरोपियों को सात-सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक आरोपी पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

सरकारी वकील नवनीत तिवाड़ी के अनुसार, 28 अक्टूबर 2016 को नौगांव थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि मूनपुर करमला के जंगलों में अवैध हथियार बनाने का काम चल रहा है और बड़ी मात्रा में हथियार तैयार कर सप्लाई

- **दस साल बाद आया फैसला, आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग की थी**
- **पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में अवैध हथियार भी बरामद किए थे**

किए जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को वर्दी में देखते ही आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की। कुछ देर की कार्रवाई के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। मौके से दो देशी कट्टे और चार जिंदा कारतूस आरोपियों के पास से बरामद किए गए। इसके अलावा हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जैसे धौंकनी, नाल, ड्रिल मशीन, बट बनाने के टुकड़े, संडासी, शिकंजा मशीन, हथौड़ी, आरी, छेनी सहित अन्य सामान भी जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से बड़ी संख्या में अवैध हथियार भी बरामद किए थे, जिनमें 32 बोर की तीन पिस्टल, 12 बोर की पोना दुनाली और सिंगल नाली बंदूकें, 315 बोर की डबल बैरल और सिंगल बैरल बंदूकें, एक 12 बोर का देसी कट्टा, 315 बोर के 9 कट्टे, 35 बोर के 21 कारतूस और 12 बोर के 5 कारतूस शामिल हैं। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चालान पेश किया, जिसके करीब 10 साल बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने साहुन पुत्र इनायत (32) निवासी लहचोड़ी गोवर्धन, शाकिर पुत्र सम्मी (35) निवासी नंदेरा बास कामा और हनफा पुत्र चंदू (60) निवासी हातिया बरसाना को दोषी मानते हुए सजा सुनाई है।

टोल पर धरना दे रहे लोगों के खिलाफ राजकार्य में बाधा का केस दर्ज

श्रीगंगानगर, (निसं)। श्रीगंगानगर-पदमपुर स्टेट हाइवे के 18 बीबी टोल प्लाजा पर टोल संग्रह बंद करने को आंदोलन कर रहे लोगों पर एफआईआर हो गई है। पीडब्लूयूडी पदमपुर के एईएन नितेश बुडानिया की ओर से पदमपुर थाने में टोल संग्रहण रोकने, टेंट लगाकर रास्ता जाम करने और राजकार्य में बाधा डालने के आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज करके जांच एएसआई सुनील बिश्नोई को सौंपी गई है।

- **टोल संग्रहण रोकने, टेंट लगाकर रास्ता जाम करने और राजकार्य में बाधा डालने का आरोप**

उल्लेखनीय है कि टोल पर पांच मार्च से अनेक किसानों की ओर से धरना दिया जाकर टोल वसूली स्थायी रूप से बंद करने की मांग की जा रही है। किसानों की ओर से कहा जा रहा है कि टोल वसूली के बूथ स्थायी तौर पर हटाए जाएं, क्योंकि वसूली का समय पूरा हो चुका है और कंपनी पहले से ही लागत से कहीं ज्यादा की वसूली कर चुकी है। इस संबंध में आंदोलनकारियों के बीच प्रशासन की कई दौर की वार्ताएं भी विफल हो चुकी हैं। दूसरी ओर टोल वसूली रुकने से कंपनी ने स्वयं का आर्थिक नुकसान होना बताकर हाईकोर्ट में अपील दायर की है।

मैसर्स दीपक एंड कंपनी के जोधपुर स्थित अधिवक्ता कमलदीपसिंह बोपाराय ने बताया कि टोल पर 5 मार्च से लोग धरना देकर बैठे हैं। जिला प्रशासन को इसका समाधान करवाने को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन इसका कोई समाधान नहीं हुआ। इस पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल को जवाब पेश करने को कहा है। इसमें कंपनी की ओर से तर्क दिया गया कि पीडब्लूयूडी की ओर से 4 मार्च से 2 जून 2026 तक टोल वसूली का समय बढ़ाया गया था। सड़क निर्माण के लिए हुई निविदाओं में यह शर्त थी कि सड़क बनाने का पूरा खर्च कंपनी वहन करेगी। इसके बाद खर्च किए गए रुपयों को टोल के जरिए वसूला जाएगा। इसके लिए तय किए गए समय में विभिन्न कारणों से तत्कालीन सरकारों ने टोल वसूली रोकी। इस कारण कंपनी का अनुबंध में तय किया गया समय पूरा नहीं हो पाया है और अब फिर से वसूली रोक दी गई है।

132 ग्राम अफीम जब्त, बाइक सहित युवक को पकड़ा

अनूपगढ़, (निसं)। रामसिंहपुर पुलिस ने गांव 13 बीएलडी की रोही में गश्त के दौरान एक युवक को 132 ग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने परिवहन में काम में ली गई बाइक को भी जब्त कर लिया है।

रामसिंहपुर एसएचओ अजय कुमार ने बुधवार को बताया किउनकी टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान गांव 13 बीएलडी की रोही में एक युवक बाइक पर संदिग्ध परिस्थितियों में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर युवक की तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से 132 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी मांगीलाल (28) पुत्र राजाराम निवासी 1 बीएलएम, श्रीविजयनगर को

- **श्रीगंगानगर में भी पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा**

गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अफीम और बाइक जब्त कर आरोपी के खिलाफ रामसिंहपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। एसएचओ ने बताया कि इस मामले की जाँच जैतसर पुलिस थाने के एसएचओ गोविंद राम को सौंपी गई है। इस कार्रवाई में एएसआई सुखवीर सिंह, कॉन्स्टेबल राकेश कुमार, कॉन्स्टेबल जयपाल, कॉन्स्टेबल राकेश और कॉन्स्टेबल दुलीचन्द का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हेरोइन की तस्करी के आरोप में दो युवक गिरफ्तार : श्रीगंगानगर के मीरा चौक चौकी पुलिस ने दो युवकों को हेरोइन की तस्करी के आरोप में पकड़ा है। आरोपियों के पास से 28 ग्राम हेरोइन तथा एक स्कूटी बरामद की गई। चौकी प्रभारी नरेशकुमार की ओर से जवाहरनगर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है। मामले की जांच सेतिया चौकी प्रभारी रामेश्वर बिश्नोई को सौंपी गई है। आरोपियों को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया गया है। कार्रवाई अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि बापूनगर वार्ड 63 निवासी 23 वर्षीय मुकेश बाल्मीकि पुत्र पवन कुमार तथा 22 वर्षीय सौरभ वाल्मीकि पुत्र सोनू को पुरानी शुगर मिल एरिया में संविधान चौक के पास से स्कूटी सहित पकड़ा है।

रेलवे संपत्ति की चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) अजमेर ने रेलवे संपत्ति की चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एसी पाइप चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। लंबे समय से रेलवे परिसर में एसी पाइप चोरी की घटनाएं सामने आ रही थी, जिससे रेलवे प्रशासन भी चिंतित था।

एएसआई जगदीश चन्द्र ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए आरपीएफ ने विशेष टीम का गठन किया और रेलवे परिसर में गश्त व निगरानी बढ़ा दी। टीम ने संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की, जिसके चलते दोनों आरोपियों को धर-दबोचा गया। आरपीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से रेलवे के एसी पाइप बरामद किए गए हैं।

- **आरपीएफ ने आरोपियों के कब्जे से रेलवे के एसी पाइप बरामद किए**

पूछताछ के दौरान आरोपितों ने रेलवे परिसर से एसी पाइप चोरी करने की वारदात को स्वीकार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पकड़े गए आरोपियों में से एक आरोपी के खिलाफ पाली मारवाड़ जंक्शन में भी चोरी के मामले दर्ज हैं। फिलहाल आरपीएफ पुलिस दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इस चोरी के पीछे कोई बड़ा गिरोह तो सक्रिय नहीं है।

जोधपुर में ऑटो चालक और युवती ने आत्महत्या की

जोधपुर, (कास)। जोधपुर में एक ओटो चालक सहित एक युवती ने फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में बोंबे मोटर के पास स्थित हरिराम की बगेची में एक व्यक्ति ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना का पता सुबह चला तब उसकी भाभी खाने के लिए बुलाने गई थी। मृतक अकेला ही रहता था। पुलिस ने दोपहर में शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद परिजन के सुपुर्द किया।

थानाधिकारी गोविंद व्यास ने बताया कि बोंबे मोटर स्थित हरिराम की बगेची में रहने वाले 55 साल के अली खां पुत्र जमाल खां का शव बुधवार सुबह घर में फंदे पर लटका मिला। उसने रस्सी से फंदा लगाकर खुदकुशी की। पड़ौस में रहने वाली उसकी भाभी खाने के लिए बुलाने गई तब फं दे पर लटके होने की जानकारी मिली। बाद में पुलिस को सूचना मिलने पर मौका मुआयना किया गया। प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक समस्या का बताया गया है। वह तीन चार महिनों से बेरोजगार था और अपनी टैक्सी भी नहीं चला रहा था। दोपहर में कार्रवाई कर शव परिजन को सुपुर्द किया गया है। कोई शकसुबह जाहिर नहीं किया गया है, संभवतः उसने रात में या अलसुबह ही फंदा लगाया था।

दूसरी तरफ किराए पर रहने वाली युवती ने फंदा लगाकर दी जान दे दी। शहर के राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र के ठेंगड़ी नगर स्थित वस्त्र मंत्रालय के पीछे किराए पर रहने वाली एक युवती ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। वह मूल रूप से उत्तरप्रदेश की रहने वाली थी औ पिछले पांच साल से यहां पर रह रही थी। बाद में शव हिन्दू सेवा मंडल के सुपुर्द किया गया। हालांकि पिता की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई है।

राजीव गांधी नगर थाना पुलिस ने बताया कि मूलतः उत्तरप्रदेश के रामपुरा जालोन हाल ठेंगड़ी नगर वस्त्र मंत्रालय के पीछे रहने वाली संध्या (36) पुत्री रघुवीर सिंह ने अपने किराए के मकान में गत 24 मार्च को फंदा लगाकर खुदकुशी की थी। वह यहां पर अकेली रहती थी। उत्तरप्रदेश उसके परिजन को सूचना दी गई। परिजन मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। उसके पिता रघुवीर सिंह ने मर्ग में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में बताया कि उसकी बेटी पांच साल पहले ही घर छोड़ दिया था और वह यहां अकेली रहती थी।

कृषि भूमि पर संचालित ईंट-भट्टे पर प्रशासन ने कार्रवाई की

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। कृषि भूमि व मंदिर का रेफरेंस लगी भूमि पर संचालित ईंट-भट्टे पर बुधवार को प्रशासन ने कारवाई करते हुए संचालक को ईंट भट्टे का संचालन नहीं करने को लेकर पाबंद किया है। मामला घटवाड़ा

- **मौके पर प्रशासन ने संचालक को ईंट-भट्टे का संचालन नहीं करने को लेकर पाबंद किया**
- **मानपुरा व घटवाड़ा में कृषि भूमि पर एक दर्जन से अधिक ईंट-भट्टे संचालित हैं**

घटवाड़ा में स्थित ईंट-भट्टे पर प्रशासन के अधिकारियों ने निरीक्षण कर फर्द रिपोर्ट बनाकर सुनाई

स्थित सर्वेश ईंट-भट्टे का हैं। प्रशासन ने यह कार्रवाई कोर्ट के आदेश के तहत की है। हालांकि उक्त भट्टे के आसपास के तीन किलोमीटर के क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक ईंट-भट्टे संचालित हैं और जिनके संचालन पर रोक लगाने के प्रशासन के पास आदेश भी हैं लेकिन बाकी के ईंट-भट्टा पर कारवाई नहीं हो रही हैं।

जानकारी के अनुसार बुधवार को आमेर नायाब तहसीलदार सीताराम, गिरदावर बोदूराम जाट, हल्का पटवारी शिवकुमार गुर्जर घटवाड़ा स्थित सर्वेश ईंट-भट्टे पर पहुँचे और कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए भट्टे का मौका निरीक्षण किया। मौके पर भट्टा संचालक ने करवाई का विरोध भी किया कि सभी भट्टे कृषि भूमि पर संचालित हैं तो एक भट्टे पर ही करवाई क्यों की जा रही है। मौके पर मौजूद नायाब तहसीलदार ने एसीएम कोर्ट का आदेश बताया और कारवाई करने की बात कही। प्रशासन ने ईंट-भट्टे का मौका निरीक्षण कर फर्द रिपोर्ट बनाई और सुनाई। साथ ही भट्टा संचालक को भट्टे को बंद रखने के लिए पाबन्द किया। उक्त ई- भट्टा कृषि भूमि पर संचालित है। भूमि का रूपांतरण भी नहीं करवाया हुआ है साथ ही जमाबंदी में सीताराम जी मंदिर का रेफरेंस नॉट भी लगा हुआ है।जिसको लेकर एसीएम कोर्ट आमेर ने ईंट भट्टे को सीज करने के आदेश प्रशासन को दिए हैं।

गौरतलब है कि मानपुरा माचैड़ी क्षेत्र में संचालित करीबन एक दर्जन से अधिक ईंट भट्टा की आमेर तहसीलदार ने सीज करने के आदेश दे रखे हैं लेकिन ईंट भट्टा बिना रोक टोक के संचालित हो रहे है।क्षेत्र में संचालित अधिकांश ईंट भट्टा कृषि भूमि पर बिना व्यवसायिक रूपांतरण के वर्षो से संचालित हो रहे है।लेकिन प्रशासन कारवाई नही कर रहा है।

करीब तीन महीने पहले आमेर तहसीलदार ने सभी भट्टा की मौका रिपोर्ट लेकर आदेश पारित किया था कि ईंट-भट्टा के संचालन पर रोक लगाई जाए और इस संबंध में सम्बंधित हल्का पटवारी व गिरदावर को निर्देशित करते हुए भट्टा को सीज करने के आदेश दिए थे, लेकिन अभी तक कोई करवाई नहीं की गई। वहीं घटवाड़ा के सर्वेश भट्टा पर बुधवार को हुई कार्रवाई का इसी आधार पर भट्टा संचालक ने विरोध भी जताया है। मानपुरा व घटवाड़ा में अवैध रूप से संचालित एक दर्जन से अधिक ईंट-भट्टे मिट्टी का भी अवैध दोहन कर रहे हैं। ईंट-भट्टे संचालक किसानों की जमीन से मिट्टी खरीदते हैं व बहुत गहराई तक मिट्टी निकालकर दोहन कर रहे हैं जो नियमानुसार अवैध हैं। मिट्टी के अवैध दोहन से क्षेत्र में जगह-जगह गहरे खड्डे नजर आते हैं।

सीताराम चौधरी, नायाब तहसीलदार आमेर का कहना है कि घटवाड़ा स्थित सर्वेश ईंट-भट्टे को कब्जेराज लेने का एसीएम कोर्ट आमेर से आदेश है, जिसको लेकर कारवाई की गई है। साथ ही संचालक को ईंट-भट्टे को संचालित नहीं करने के लिए कहा है व यथा स्थिति बनाए रखने को पाबंद किया है।

हनुमानगढ़ : सादुल ब्रांच नहर में डूबने से दो युवकों की मौत

नहर में पूजन सामग्री विसर्जन के दौरान हादसा हुआ

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन क्षेत्र में बुधवार को सादुल ब्रांच नहर में पूजन सामग्री विसर्जन के दौरान नहर में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार यह घटना बेबी हैप्पी कॉलेज के नजदीक सादुल ब्रांच नहर में हुई। तीनों युवक पूजन सामग्री विसर्जन के लिए नहर पर पहुंचे थे। बताया गया कि संतुलन बिगड़ने से वे नहर में गिर गए और तेज बहाव में बहने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। आपदा प्रबंधन टीम की सहायता से तीनों युवकों को नहर से बाहर निकाला गया। मौके पर एक युवक की हालत सामान्य थी, जबकि दो की स्थिति गंभीर बनी हुई थी। तीनों युवकों को तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने मोहित स्वामी (20) और अमन बाजीगर (19) को मृत घोषित कर दिया। तीसरे युवक मोहित थालौड़ (19) का अस्पताल में इलाज जारी है और उसकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि तीनों युवक सुरेशिया क्षेत्र के निवासी थे। हादसे की सूचना मिलने पर एसडीएम मांगीलाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद बिश्नोई और सदर थाना प्रभारी राकेश सांखला भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण लापरवाही सामने आ रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है।

युवक का शव तालाब में मिला

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर स्थित गुरों का तालाब में एक व्यक्ति का शव मंगलवार को मिला। पहचान के बाद बुधवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सुपुर्द किया गया। वह अपनी पत्नी व बच्चों से अलग ही रहता था। उसने सुसाइड किया या गिरा, इस बारे में फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है। प्रतापनगर थानाधिकारी भवानी सिंह ने बताया कि गुरों का तालाब में एक व्यक्ति का शव मंगलवार को मिला था, जिसकी बाद में पहचान मूलत : ब्यावर हाल संजय गांधी कॉलोनी निवासी सूरज प्रकाश के रूप में की गई।

- **युवक तालाब में गिरा या सुसाइड किया, जांच जारी**

थानाधिकारी ने बताया कि वह अपनी पत्नी व बच्चों से अलग रहता था। मंगलवार को पुजारी गुरों का तालाब की तरफ आए तो वह पानी में पड़ा दिखा। बाद में उसके परिजन भी मौके पर आ गए थे। शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया गया है। वह तालाब में गिरा या सुसाइड किया इस बारे में अग्रिम जांच जारी है।

शव मिला

भरतपुर, (निसं)। अटल बंध थाना क्षेत्र में स्थित बी नारायण गेट के बाहर सीवर टैंक में एक व्यक्ति का शव मिला। घटना की जानकारी मिलते ही सूचना तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना पर कार्रवाई करते हुए एएसआई हरीश चन्द मय पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों की मदद से शव को सीवर टैंक से बाहर निकाला। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत, जयपुर

क्रमांक :-4445 दिनांक :- 23.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 09/2025-26

UBN No.:- NIB Code No.:-

राजरथान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य Renovation of Anicut & Link Chhannel at khole ke Hanumanji Temple District Jaipur जिसकी अनुमानित लागत 127.07 लाख है। वित्त विभाग के नवीन नियमों के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्यूमेन्ट प्रक्रिया हेतु आनलाईन निविदा आमत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 25.03.2026 प्रातः 9.30 से दिनांक 06.04.2026 को 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। निविदा की वित्तीय बिड दिनांक 07.04.2026 को दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी।

निविदा से संबंधित विवरण संबंधित वेवसाईट www.waterresources.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthamgov in, http::/sppp.rajasthan.gov.in से देखी जा सकती है।

UBN No. :- WRD2526WSOB02832

अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन वृत्त, जयपुर

DIPR/C/6229/2026

कार्यालय-सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय, करौली

क्रमांकः-रामेरिसो/ निविदा/2026-27/615 दिनांक :-23.03.2026

ई-निविदा सूचना संख्या 20/2026-27

कार्यालय सामान्य चिकित्सालय करौली में उपयोग हेतु सर्विस प्रदाता ऐजेन्सी से वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुहरबंद ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें, स्पेसिफिकेशन, विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित है। निविदा प्रपत्र एवं संबंधित दस्तावेज वेवसाईट eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देंखे एवं प्राप्त किए जा सकेंगे।

निविदा संख्या	सामान/कार्य का विवरण	अनु. लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बिकी की अंतिम तिथी एवं समय	निविदा जमा कराने की अंतिम तिथी एवं समय	निविदा खोलने की तिथी एवं समय
20/ 2026-27	मैन पॉवर कम्प्युटर ऑपरेटर्स मशीन विद मैन, ब्लड बैंक काउन्सलर (MHS2526SSOB07826)	54.00	1000	02.04.2026 3.00 P.M.	02.04.2026 4.30 P.M.	06.04.2026 12.00 P.M.

नोट :- उक्त निविदा दिनांकों में यदि कोई राजकीय अवकाश / अन्य अवकाश, आकस्मिक रूप से घोषित होता है तो उक्त दिवस से सम्बन्धित निविदा कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पन्न की जायेगी।

सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
सामान्य चिकित्सालय, करौली

DIPR/C/6230/2026

एक सप्ताह में चार 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशनों का संचालन शुरू हुआ

जयपुर में प्रताप नगर जीआईएस, धौला जमवारामगढ़, नागौर में खरनाल तेजाजी तथा बाड़मेर में लूणवा जागीर में नये सब-स्टेशन शुरू किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में सुदृढ़ एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करते हुये राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम द्वारा एक सप्ताह के भीतर चार 132 केवी ग्रिड सब-स्टेशनों का संचालन प्रारम्भ किया गया है। यह कदम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राज्य के किसानों एवं आमजन को बेहतर विद्युत उपलब्ध कराने के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

■ विद्युत प्रसारण निगम के इस कदम से क्षेत्रवासियों को मिलेगी निर्बाध विद्युत आपूर्ति

प्रसारण निगम के प्रबन्ध निदेशक सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि नव स्थापित ग्रिड सब-स्टेशनों में जयपुर के प्रताप नगर (जीआईएस), धौला (जमवारामगढ़), नागौर का खरनाल तेजाजी एवं बाड़मेर का लूणवा जागीर शामिल है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से सम्बन्धित क्षेत्रों में ट्रिपिंग व लो-वोल्टेज जैसी समस्याओं में कमी आयेगी तथा उपभोक्ताओं को स्थिर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। जयपुर के प्रताप नगर (जीआईएस) सब-स्टेशन के संचालन से प्रताप नगर, रामचन्द्रपुरा, एनआरआई कॉलोनी, सेज-प्रथम, प्रताप अपार्टमेन्ट एवं महल फीडर सहित आस-पास के क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इसी प्रकार धौला (जमवारामगढ़) से धौला, ताला, श्यामपुरा, अजबपुरा, बहलोड, रैजर के आस-पास के क्षेत्र लाभान्वित होंगे। बाड़मेर के लूणवा जागीर ग्रिड से रतनपुरा, लूणवा, नवाबपुरा, पीएचईडी फीडर, भेदाना एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुदृढ़ होगी। नागौर के खरनाल तेजाजी ग्रिड सब-स्टेशन से कुमारी, ढिगसरा, तनकना, भेड़, गोधन, ललाप, खरनाल एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

इन चारों परियोजनाओं के माध्यम से विद्युत छीजत में कमी आयेगी एवं राजस्व में वृद्धि होगी। प्रताप नगर (जीआईएस) परियोजना लगभग 102 करोड़ की लागत से पूर्ण हुई है, जिससे प्रति वर्ष 39.20 लाख यूनिट विद्युत छीजत की कमी एवं लगभग 3.75 करोड़ रूपये की राजस्व बचत संभावित है। धौला (जमवारामगढ़) जीएसएस लगभग 31.72 करोड़ की लागत से निर्मित हुआ है, जिससे 31.31 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत में कमी आयेगी तथा लगभग 3 करोड़ रूपये प्रतिवर्ष राजस्व बचत अनुमानित है। लूणवा जागीर (बाड़मेर) लगभग 29 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है, जिससे 67.83 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत की कमी एवं लगभग 6.25 करोड़ रूपये की राजस्व बचत अनुमानित है। वहीं खरनाल तेजाजी (नागौर) परियोजना लगभग 33.67 करोड़ की लागत से पूर्ण हुई है, जिससे 30.56 लाख यूनिट प्रतिवर्ष विद्युत छीजत की कमी एवं 3 करोड़ रूपये की राजस्व बचत का अनुमान है।

8 लाख की शराब के साथ 2 तस्कर दबोचे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नॉकआउट' के तहत दूदू थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 8 लाख रुपए की देशी शराब जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त पिकअप वाहन भी जब्त किया है।

पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा के निर्देशन में मिली गुप्त सूचना पर थानाधिकारी नेहा विश्नोई के नेतृत्व में टीम ने मौजमाबाद रोड स्थित गायत्री विहार कॉलोनी के पास देर रात नाकाबंदी की। इस दौरान संदिग्ध पिकअप को रोककर तलाशी लेने पर उसमें शराब के कार्टून भरे मिले।

पुलिस की जांच में 170 कार्टून में कुल 8160 पव्वे (प्रत्येक 180 एमएल) देशी शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा 1468.8 लीटर और अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने पिकअप में सवार चालक मगन लाल (35) और खलाशी जीतराम (34) निवासी पारली (टोंक) से दस्तावेज मांगे, लेकिन वे कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर दोनों को

आरोपी मगनलाल व जीतराम

गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस अब यह जांच कर रही है कि शराब कहां से लाई जा रही थी और किन क्षेत्रों में सप्लाई की जानी थी। अधिकारियों का मानना है कि इस कार्रवाई से बड़े तस्करी नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध शराब और मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

लेफ्टिनेंट जनरल जैन ने कार्यभार संभाला

जयपुर । लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने बुधवार एक अप्रैल को जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, दक्षिणी कमान के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ का स्थान लिया है, जिन्होंने आज उप सेना प्रमुख का पदभार संभाला है। डिफेंस पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने जानकारी दी कि नेशनल डिफेंस एकेडमी के पूर्व कैडेट लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने जून 1988 में महार रेजिमेंट में कमीशन लिया। लगभग चार दशकों के विशिष्ट सैन्य करियर में उन्होंने विविध संचालनात्मक परिदृश्यों में व्यापक कमांड एवं स्टाफ नियुक्तियों का दायित्व संभाला है। जनरल अधिकारी ने अर्द्ध-विकसित क्षेत्र तथा दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में एक इन्फैंट्री बटालियन को कमान किया है, साथ ही स्ट्राइक कोर में इन्फैंट्री ब्रिगेड, काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स तथा उत्तरी कमान में पिवट कोर की कमान भी की है। उनके संचालनात्मक अनुभव में ऑपरेशन पवन में भागीदारी, इथियोपिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन में सैन्य पर्यवेक्षक के रूप में सेवा तथा नियंत्रण रेखा और पूर्वोत्तर क्षेत्र में उच्च ऊँचाई वाले क्षेत्रों एवं काउंटर इंसर्जेंसी अभियानों में अनेक कार्यकाल शामिल हैं। वह कर्नल ऑफ़ महार रेजिमेंट भी हैं।

जय क्लब में डॉक्टर्स लीग का शुभारंभ

जयपुर । एसआरके हॉस्पिटल डीपीटीएल सीज़न 6 व नवनीत इमेजिंग डीपीपीएल सीजन 1 का बुधवार को जयपुर के जय क्लब में शुभारंभ हुआ। लीग पैट्रन डॉ संदीप निझावन ने बताया कि लीग का शुभारम्भ आयुक्त, कृषि राजस्थान सरकार नरेश गोयल ने किया। जय क्लब के अध्यक्ष डॉ. हरिओम बम्ब, सचिव संजय भंसाली व खेल सचिव डॉ. मनीषा चावला गेस्ट ऑफ़ ऑनर थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एसआरके ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के निदेशक डॉ. राकेश शर्मा, नवनीत इमेजिंग के निदेशक डॉ. नवनीत व लकी हॉस्पिटल के निदेशक डॉ अनिल जैन थे । लीग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में 16 सीनियर व 5 जूनियर टीम भाग ले रही है जिसमें राजस्थान व अन्य राज्य से खिलाड़ी भाग ले रहे है। लीग को-चेयरमैन डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया कि आज के उदघाटन सत्र में हुए मैचेज में टीम राव हॉस्पिटल ने टीम ब्रिक्स को 3-2 से हराया। टीम टूथ सेवियर ने टीम सोमानी स्पन मास्टर को 3-2 से हराया। लीग कॉर्डिनेटर डॉ. सुधांशु शर्मा ने बताया कि 70 प्लस आयु वर्ग में फाइनल में डॉ भास्कर शर्मा ने डॉ आर के वर्मा को 6-4 से हराया। लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. संकल्प अवस्थी ने बताया कि 65 वर्ष आयु वर्ग में डॉ संदीप निझावन ने कर्नल (डॉ.) प्रमोद कुमार को ट्रायब्रेकर में 7-6 से हराया ।

बागडे की फडणवीस से मुलाकात

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की बुधवार को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात हुई। दोनों की यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों पर संवाद किया। इस दौरान फडणवीस ने बुके भेंट कर राज्यपाल बागड़े का स्वागत सत्कार भी किया।

वृंदा कोठारी हुई मीडिया से रूबरू

जयपुर । फिक्की फ्लो जयपुर चैप्टर की नई चेयरपर्सन वृंदा कोठारी ने कहा है कि वर्ष 2026-27 का मुख्य फोकस महिला उद्यिमता और आर्थिक सशक्तीकरण रहेगा। एक मजबूत और सहयोगी महिला समुदाय के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोठारी ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि भारत में महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी अभी भी कम है, जिसे बढ़ाना आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों का जिक्र करते हुए उन्होंने महिला सशक्तीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने फिक्की फ्लो जयपुर ने जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं जैसे लखपति दीदी और नमो ड्रोन दीदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और महिलाओं को उनसे जोड़ने की योजना साझा की। संस्था ने चार प्रमुख क्षेत्रों टेक्सटाइल एवं हस्तशिल्प, कृषि आधारित उद्योग, ग्रीनटेक और पर्यटन पर कार्य करने की बात कही।

एल.पी.जी. कालाबाजारी पर शिकंजा

जयपुर । पुलिस आयुक्तालय जयपुर में एलपीजी गैस की कालाबाजारी और आपूर्ति में अनियमितताओं के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 19 प्रकरण दर्ज कर 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान कुल 461 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि विशेष पुलिस कमिश्नर (ऑपरेशंस) ओम प्रकाश के सुपरविजन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। एलपीजी बुकिंग और सिलेंडर आपूर्ति में देरी से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सभी थाना अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। कार्रवाई के तहत जिला पूर्व में 6 प्रकरण दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 207 सिलेंडर जब्त किए गए। जिला पश्चिम में 7 प्रकरणों में 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर 203 सिलेंडर, जिला उत्तर में 3 प्रकरणों में 1 आरोपी को गिरफ्तार कर 31 सिलेंडर तथा जिला दक्षिण में 3 प्रकरणों में 1 आरोपी को गिरफ्तार कर 20 सिलेंडर जब्त किए गए। पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में स्थित करीब 98 गैस एजेंसियों की लगातार जांच की जा रही है। थानाधिकारी, सीएसटी और डीएसटी टीमों द्वारा नियमित निरीक्षण कर उच्चाधिकारियों को फीडबैक दिया जा रहा है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शोभायात्रा

जयपुर। करतारपुरा स्थित श्री मनसापूरण हनुमान मंदिर में दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव के तहत भव्य कलश यात्रा एवं शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर महंत राधेश्याम लल्लू महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा में श्री मनसापूरण हनुमान जी के चित्र की आकर्षक झांकी और प्रतिमा को रथ में विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। बैण्ड-बाजों और लवाजमे के साथ निकली यात्रा में महिलाएं कलश लेकर मंदिर से रवाना हुईं। श्रद्धालु जयकारे लगाते और भजन-कीर्तन करते हुए यात्रा में शामिल रहे। यह शोभायात्रा करतारपुरा, महेश नगर, 80 फीट रोड और सैनी कॉलोनी होते हुए पुनः मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के बाद मंदिर प्रांगण में सामूहिक रामायण पाठ, 4100 दीपकों के साथ ढोल-ताशों के बीच भगवान की महाआरती की गई तथा बालाजी का विशेष श्रृंगार किया गया। गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव पर सुबह 8 बजे पंचामृत दुग्धाभिषेक एवं रुद्र पाठ का आयोजन होगा। साथ ही हनुमान चालीसा, सुंदरकांड पाठ और भजन-कीर्तन होंगे। शाम को 11 हजार लड्डुओं का भोग लगाकर महाआरती की जाएगी।

108 से अधिक स्थानों पर होगा यज्ञ

जयपुर । चैत्र पूर्णिमा गुरुवार को गायत्री परिवार की ओर से सुबह 7:30 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ एक ही समय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश की सभी शक्तिपीठों, प्रज्ञा केन्द्रों पर बड़े स्तर पर यज्ञ होगा। एक अनुमान के मुताबिक 108 से अधिक स्थानों पर यज्ञ होगा। लोग ऑनलाइन भी यज्ञ से जुड़ सकेंगे। इसमें देश-विदेश के श्रद्धालु घर बैठे ही भाग ले सकेंगे। गायत्री परिवार राजस्थान के मुख्य ट्रस्टी ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि सामूहिक यज्ञ से वातावरण की शुद्धि, मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा का संचार तथा परिवार में सुख-समृद्धि की वृद्धि होती है। गायत्री परिवार जयपुर उप जोन समन्वयक सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि यज्ञ का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को धर्म एवं संस्कारों से जोडऩा है।

प्रो. रमन कुमार दवे कुलगुरु नियुक्त

जयपुर । राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो. रमन कुमार दवे को राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के कुलगुरु पद पर नियुक्त किया है। बागडे ने राज्य सरकार के परामर्श से यह आदेश जारी किया है। कुलगुरु पद पर यह नियुक्ति प्रो. रमन कुमार दवे के कार्यभार संभालने की तिथि से 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

सत्यनारायण व्रत कथा का आयोजन

जयपुर । सी-स्कीम स्थित मंदिर श्री नारायणजी में गुरूवार को पूर्णिमा के उलपक्ष्य में सुबह 9 बजे से भगवान सत्य नारायण कथा होगी। पंडित प्रमोद कुमार शर्मा ने बताया कि, मन्दिर परिसर में श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव भी में मनाया जाएगा। दोपहर 11 बजे से सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ प्रारंभ होगा, भगवान की आरती के बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा।

विद्यार्थियों में संस्कार के बीज शिक्षक बोते हैं : मुख्यमंत्री

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्कूल ही विद्यार्थियों में संस्कार के बीज बोते हैं। शिक्षक विद्यार्थी के जीवन में विद्या दान देकर उन्हें मजबूत बनाते हैं और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श विद्या मंदिर संस्थान केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि समाज में निस्वार्थ सेवा, सहयोग और करुणा भी भावना का विस्तार कर रही है। बच्चों में शिक्षा के साथ यह विद्यालय नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों पर बल देता है। शर्मा बुधवार को आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय, राजापार्क में बहुउद्देशीय सभागार के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवीन सभागार के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति, शिक्षकों और भामाशाहों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभागार उन हजारों सपनों की नींव पर खड़ा हुआ है, जो इस विद्यालय के

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

शिक्षकों, अभिभावकों और दानदाताओं ने मिलकर बुने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक कोई भी बच्चा चाहे शहर में हो या गांव में, शिक्षा की रोशनी से वंचित है, तब तक विकास की बात अधूरी है। हमारी सरकार युवाओं को 4 लाख सरकारी क्षेत्र में एवं 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है।

महंगाई बम ने ढाबे और थड़ी-ठेले वालों की आजीविका को ध्वस्त किया : जूली

जयपुर । नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि सरकार द्वारा कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में की गई 195 रुपए की बेतहाशा वृद्धि ने प्रदेश के छोटे ढाबा संचालकों, थड़ी और ठेले वालों की आजीविका को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। जूली ने कहा कि भीषण महंगाई से जूझ रही जनता पर भाजपा ने एक बार फिर महंगाई का बम फोड़कर अपनी संवेदनहीनता का परिचय दिया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की यह वृद्धि सीधे तौर पर गरीब आदमी की थाली पर वार है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हाल ही में केंद्र ने एक्साइज ड्यूटी कम की गई थी, लेकिन इस कटौती का लाभ आमजन तक पास ऑन ही नहीं किया गया।

'सहायक प्रोफेसर भर्ती-2021 का पूरा रिकॉर्ड कोर्ट में पेश करें'

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट में सहायक प्रोफेसर (स्किन एवं वीडी) की नियुक्ति के मामले पर बुधवार को सुनवाई हुई। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष इस प्रकरण की पहली सुनवाई हुई।

■ हाईकोर्ट की खंडपीठ ने बुधवार को इस प्रकरण की पहली सुनवाई के दौरान आदेश दिए

इस मामले में अदालत ने आर.पी.एस.सी. तथा राज्य सरकार को आदेश दिए कि इस भर्ती से संबंधित पुनः पूरा रिकॉर्ड प्रस्तत करें। आर.पी.एस.सी. की ओर से अदालत में कहा गया कि, उनके पास तुरंत पेश करने के लिए पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है। जिस पर अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 1 मई रखते हुए आदेश दिए कि, इस प्रकरण से संबंधित पूरा रिकॉर्ड पेश किए जाएं।

ज्ञात रहे कि हाईकोर्ट में जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने आर.पी.एस.सी. की भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली का विस्तृत ब्यौरा उजागर किया था। अदालत ने इस भर्ती को लेकर आर.पी.एस.सी. से तलब रिकॉर्ड का आंकलन किया तो पाया था कि, एक्सपर्ट पैनल में विशेषज्ञ डॉक्टरों इंटरव्यू में केवल मौजूद थे, लेकिन अभ्यर्थियों को अंक देने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। पैनल ने किस अभ्यर्थी को कितने अंक देने की सिफारिश की, इसका भी कहीं उल्लेख नहीं था।

हैरानी की बात है कि वर्ष 2022 में राज्य कैबिनेट ने भर्ती परीक्षाओं के इंटरव्यू में अधिकतम 10 प्रतिशत अंक देने का निर्णय लिया था, परंतु आर.पी.एस.सी. सदस्य मनमाने ढंग से अभ्यर्थियों को अंक बांटते रहे। अब अदालत ने पुनः पूरा रिकॉर्ड मांगा है।

स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू

जयपुर । राजस्थान में एक अप्रैल 2026 से नया शैक्षिणक सत्र 2026-27 शुरू हो गया है, जिससे सरकारी स्कूल बच्चों की किलकारियों से गूंज उठे हैं। इस वर्ष से पहली कक्षा में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 6 के बजाय 5 वर्ष कर दी गई है। साथ ही, प्रवेशोत्सव 2026 के तहत शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए घर-घर सर्वे और निःशुल्क पुस्तकें वितरण अभियान एक अप्रैल से 25 अप्रैल तक चलाया जा रहा है।

शिक्षा विभाग ने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर स्कूलों में की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। विभाग की ऑफिशियल एक्स पोस्ट में लिखा गया कि प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में शैक्षिणक सत्र 2026-27 की शुरुआत एक अप्रैल को उत्साहजनक माहौल के साथ हुई। उमंग और उम्मीदों से भरपूर विद्यार्थी सत्र के पहले दिन ही नवीन पाठ्पुस्तकें प्राप्त कर चहक उठे।

शिक्षा विभाग की ओर से निशुल्क पाठ्यपुस्तक योजना के तहत विद्यार्थियों को पहले दिन ही पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करवा दी गईं। सोचिए मत। अपने प्रवेश योग्य बच्चों को राजकीय विद्यालय में प्रवेश

एक अप्रैल के शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ ही स्कूलों में पहुंचे विद्यार्थियों को तिलक लगाकर स्वागत सत्कार किया गया।

दिलवाईये। चलो, राजकीय विद्यालय चलें हम। अब स्कूलों में नया सत्र शुरू होने के साथ ही प्रवेशोत्सव का पहला चरण 1-25 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें ड्रॉपआउट बच्चों को वापस स्कूल लाने पर जोर है।

पहली कक्षा में प्रवेश के लिए बच्चे की न्यूनतम आयु 5 वर्ष कर दी गई है, जिससे हजारों बच्चों को राहत मिली है। 10 साल बाद स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। एक पारी में चलने वाले स्कूल सुबह 7:30 से दोपहर एक बजे तक चलेंगे। बच्चों की पढ़ाई तुरंत शुरू करने के लिए पहली बार सत्र शुरू होते ही निशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की जा रही हैं। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सरकारी स्कूल निजी स्कूलों की तर्ज पर शिक्षा प्रदान कर सकें।

'कांग्रेस 5 लाख नए पदाधिकारी जोड़ेगी'

जयपुर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बुधवार से प्रदेशभर में 'संगठन बढ़ाओ-लोकतंत्र बचाओ' अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत राज्य के सभी नगर निकायों और ग्राम पंचायतों में संगठन को मजबूत करने के साथ बड़े स्तर पर जनजागरण किया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने जयपुर स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस अभियान के जरिए प्रदेशभर में वार्ड और ग्राम पंचायत स्तर पर कांग्रेस कमेटियों का गठन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान करीब 5 लाख नए पदाधिकारियों को संगठन से जोड़ा जाएगा। डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर नगर निकाय और पंचायत राज चुनाव नहीं करा रही है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर एक साल से अधिक समय से चुनाव नहीं हुए हैं और वहां प्रशासक नियुक्त कर दिए गए हैं, जिससे स्थानीय विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ओबीसी आरक्षण आयोग की रिपोर्ट का बहाना बनाकर चुनाव टाल रही है।

निकाय चुनाव जल्द करवाने की तैयारी में सरकार : खर्रा

जयपुर । नगरीय विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि प्रदेश में नगर निकायों के चुनाव जल्दी से जल्दी हों। हम आवश्यक वैधानिकता के साथ चुनाव कराने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि वे चुनावों को लेकर अनर्गल बयानबाजी कर रहे है।। इस तरह की बयानबाजी से पहले वो अपने गिरेबान में झांकें। उन्होंने अपने कार्यकाल में चुनाव को मजाक बना कर रखा था और आज वो अनावश्यक बयान और सलाह दे रहे हैं।

खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने सितम्बर 2025 में ही नगर निकायों के चुनावों के लिए आवश्यक काम पूरा कर लिया था और अधिसूचनाएं प्रकाशित करवा दी थी। खर्रा ने कहा कि हमने इसे लेकर सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अपील दायर की लेकिन निर्णय से पहले ही उच्च न्यायालय ने नोखा नगरपालिका के लिए अपना निर्णय सुनाया। उन्होंने कहा कि, निर्णय में स्पष्ट किया गया है कि राजस्थान नगरपालिका

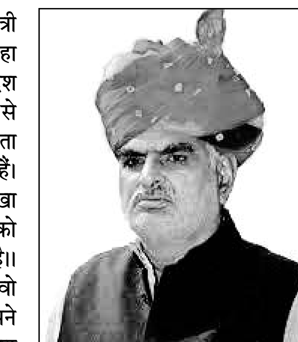

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा

अधिनियम की धारा 10 राज्य सरकार को अधिकृत करती है कि वो नगर निकायों की सीमा में परिवर्तन, पुनर्गठन एवं पुनर्सीमांकन कर सकती है। इस तरह से अब हमारे 309 नगर निकायों में चुनाव को लेकर कोई बाधा नहीं है। राज्यमंत्री ने कहा कि राज्य पिछडा वर्ग आयोग की रिपोर्ट जब तक प्रस्तुत नहीं होती है तब तक हम अन्य पिछडा वर्ग को आरक्षण नहीं दे सकते।

जयपुर डिस्कॉम ने बनाया 26 वर्ष में सर्वाधिक राजस्व संग्रहण का रिकॉर्ड

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के निर्देशन में जयपुर विद्युत वितरण निगम ने विद्युत तंत्र को मजबूत करने, उपभोक्ता सेवाओं को बेहतर करने और शत-प्रतिशत बिलिंग तथा राजस्व अर्जन पर फोकस किया, इसका नतीजा रहा कि जयपुर विद्युत वितरण निगम ने इस बार राजस्व संग्रहण के मामले में अपने पूर्व के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

■ 102 प्रतिशत राजस्व प्राप्त किया, पुराने 559 करोड़ रुपए बकाया भी वसूला

■ पहली बार 10 प्रतिशत से कम हुए एटी एण्ड सी लॉसेस

वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम की कुल राजस्व वसूली 29,462 करोड़ रूपए से अधिक रही। कुल बिलिंग राशि 28,863 करोड़ रूपए से यह 599 करोड़ रूपए अधिक है। इसका तात्पर्य यह है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में निगम ने जितनी बिजली उपभोक्ताओं को दी, उसकी शत-प्रतिशत राशि तो वसूल की ही, बकाया 599 करोड़ रूपए भी पुराने बकायादारों से वसूल कर लिए। इस प्रकार जयपुर डिस्कॉम ने 102 प्रतिशत राजस्व अर्जित करने में सफलता प्राप्त की है। यह निगम के 26 वर्षों के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण है। इससे पूर्व वित्तीय वर्ष 2017-18 में सर्वाधिक 101.02 प्रतिशत राजस्व अर्जित किया गया था।

निगम के तीनों जोन में सर्वाधिक 104.63 प्रतिशत राजस्व भरतपुर जोन ने प्राप्त किया है। इसके बाद कोटा जोन ने 103.64 प्रतिशत तथा जयपुर जोन ने 101.32 प्रतिशत राजस्व अर्जित किया है। भरतपुर जोन में सर्वाधिक वसूली होना अधिक उत्साहजनक इसलिए है क्योंकि, इस जोन के भरतपुर, डीग, धौलपुर, करौली आदि जिलों में राजस्व संग्रहण हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। यहां पीडीसी उपभोक्ताओं से बकाया वसूली तथा विद्युत चोरी के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की गई। लंबे समय से अटके पड़े बिजली चोरी के बकाया प्रकरणों का लोक अदालतों के माध्यम से सहमति के जरिए निस्तारण कराया गया। बकाया बिल जमा नहीं कराने वाले पीडीसी उपभोक्ता किसी अन्य परिजन के नाम से कनेक्शन नहीं ले पाएं। यह व्यवस्था सुनिश्चित की गई। नतीजा यह हुआ कि पीडीसी उपभोक्ताओं ने बकाया चुकाना मुनासिब समझा। बेहतर विद्युत आपूर्ति के साथ-साथ शत-प्रतिशत बिलिंग एवं शत-प्रतिशत वसूली को प्राथमिकता दी गई। इसी का परिणाम रहा कि राजस्व वसूली के लिहाज से ऐसे कठिन जिलों में इस बार लगभग 4 प्रतिशत से अधिक राजस्व संग्रहण हुआ।

निगम के सभी 18 सर्किलों ने इस बार शत-प्रतिशत राजस्व अर्जित किया है। इनमें करौली ने सर्वाधिक 108.80 प्रतिशत, बूंदी ने 105.66 प्रतिशत, कोटा ने 104.08 प्रतिशत, भरतपुर सर्किल ने 103.75 प्रतिशत तथा धौलपुर एवं सवाई माधोपुर सर्किल ने 103.71 प्रतिशत की वसूली की है। इसी प्रकार बारां ने 103.19 प्रतिशत, डीग ने 102.55 प्रतिशत, दौसा ने 102.36 प्रतिशत, जयपुर सिटी साउथ ने 102.05 प्रतिशत, जयपुर सिटी नॉर्थ ने 102 प्रतिशत, टोंक एवं झालावाड ने 101.77 प्रतिशत, अलवर ने 101.46 प्रतिशत, कोटपूतली ने 101.08 प्रतिशत, जयपुर जिला उत्तर ने 101 प्रतिशत, जयपुर जिला दक्षिण ने 100.50 प्रतिशत तथा भिवाड़ी ने 100.52 प्रतिशत राजस्व संग्रहित किया है।

शासन सचिव ने की ग्रामीण विकास योजनाओं पर चर्चा

शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने राजीविका के अफसरों की बैठक ली।

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की गई।

बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं की प्रगति, उनके जमीनी स्तर पर प्रभाव एवं क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली गई। सचिव ने विभाग की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझते हुए योजनाओं के संचालन में आ रही चुनौतियों एवं सुधार की संभावनाओं पर भी चर्चा की। उन्होंने पारदर्शिता, समयबद्धता व गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया, जिससे लाभार्थियों तक योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में योजनाओं के मॉनिटरिंग, समन्वय एवं नवाचारों को बढ़ावा देने हेतु दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए। यह बैठक विभागीय कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा राज्य में समावेशी विकास को गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ARBiT it happens here...

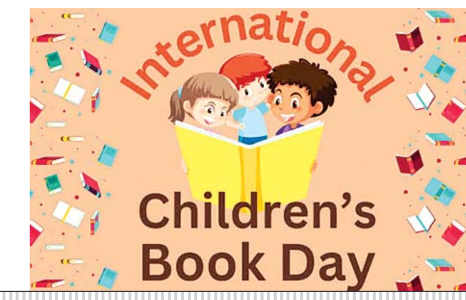

Celebrating the Magic of Stories for Young Minds

Observed every year on April 2, International Children's Book Day celebrates the joy of reading and highlights the importance of books in shaping young minds. The day commemorates the birthday of Hans Christian Andersen, the renowned Danish author known for timeless fairy tales such as *The Little Mermaid* and *The Ugly Duckling*. Established by the International Board on Books for Young People (IBBY) in 1967, the occasion encourages children around the world to develop a love for reading. Schools, libraries, and literary groups mark the day through storytelling sessions, book fairs, and reading activities that inspire creativity and imagination among young readers.

#CLOTHING

Dongri To Dungaree

The Origin of Dungaree : An Indian Textile That Shaped Global Workwear

Dungaree, a word now commonly associated with rugged workwear and casual fashion, has its origins firmly rooted in India, specifically in the western coastal regions of the subcontinent. Long before it became a staple of modern wardrobes, dungaree was a sturdy cotton fabric developed by Indian weavers and exported across the world through maritime trade.

Dungaree: From Dongri to the World

The term 'dungaree' is widely believed to derive from Dongri, a harbor area near Mumbai (then Bombay). During the 17th and 18th centuries, Dongri was an important port under British colonial rule and a hub for textile trade. Indian artisans in this region produced a coarse, thick cotton cloth known locally for its strength and durability. British traders adopted the fabric and anglicized its name to 'dungaree.'

This Indian-made fabric was especially valued for making garments for sailors, dockworkers, and labourers because it could withstand rough use, frequent washing, and harsh working conditions.

Fabric Before Fashion

Originally, dungaree was not a garment but a fabric, a tough, plain-woven or twill cotton cloth, often dyed with natural indigo or left in earthy tones. Indian weavers had centuries of expertise in producing strong cotton textiles, and dungaree was one of many utilitarian fabrics created for everyday use rather than luxury.

The British East India Company exported dungaree fabric to Europe and later to the Americas, where it became popular for making work trousers, uniforms, and protective clothing. Its affordability and resilience made it ideal for labour-intensive environments.

Dungaree and Colonial Trade

By the 18th century, dungaree had become widely used by British sailors and plantation workers. It was also adopted for making clothing for enslaved labourers in the Caribbean and the American South due to its low cost and durability, an uncomfortable but important chapter in its global spread. In the United States, dungaree fabric evolved into a term not just for the cloth, but for work garments themselves, especially loose-fitting overalls and trousers designed for manual labour.

From Indian Fabric to Global Garment

As industrialization expanded in the 19th century, dungaree garments became closely associated with miners, farmers, and factory workers. When combined with innovations such as reinforced stitching and metal rivets, later popularized in denim trousers, dungarees became synonymous with hardworking, practical clothing.

Over time, the word 'dungaree' shifted in meaning. In Britain and parts of Europe, it continued to refer to the fabric, while in the United States, it came to describe workwear garments, including overalls and casual trousers.

Legacy and Cultural Significance

Today, dungarees are worn worldwide as both functional clothing and fashion statements. Yet, their Indian origins are often overlooked. The journey of dungaree, from Dongri's cotton looms to global workwear, reflects India's immense influence on the history of textiles and everyday clothing. Dungaree stands as a reminder that many garments now considered Western staples were born from Indian craftsmanship and global trade networks. What began as a humble cotton fabric in India became the foundation for durable clothing that shaped modern workwear across the world.

#THE WILD

Snakes Can Also Be Cannibals

A Brazilian keelback (Helicops infrataeniatus) cannibalizes another in 2015.

The only major snake group without any records of cannibalism was that of the blind snakes. This group is derived from a fairly old lineage that never evolved the unfused lower jaw that allows most serpents to bite off more than they could necessarily chew, so to speak. This is likely the limiting factor that constrains these snakes from cannibalizing their peers, Entiauspe-Neto says.

A black-headed python in Australia consumes another of its species in a rare event caught on camera in the wild in 2023.

● Verna Mohon

Snakes can inspire fear, fascination and revulsion. Some carry deadly venom while others could squeeze the life out of an adult human and swallow them whole. But new research has uncovered another reason to make people with a snake phobia squirm: widespread evidence of a penchant for cannibalism.

Many snakes will prey on snakes of other species, but cannibalism specifically refers to when an animal eats one of its own. While people have seen the reptiles cannibalize each other on occasion, researchers had never taken stock of how often this happens.

"Going from a few scattered reports to compiling more than 500 documented events was honestly astonishing," says Bruna Falcão, a master's student at the University of São Paulo in Brazil, who conducted the research as an undergraduate at the University of São Carlos. "Each new record reinforced the idea that cannibalism in snakes is not an anomaly or a rare curiosity, but a widespread and ecologically relevant behaviour that we had been systematically underestimating."

During a summer internship in 2022, Falcão came across a preserved Brazilian lancehead viper with a juvenile of the same species in its stomach in a zoological collection. Intrigued, she began combing through literature for reported incidences of cannibalism in snakes. She examined everything from peer-reviewed studies to excerpts of books and magazines; the oldest record dated back to 1892, when a common kingsnake in the United States was described cannibalizing another. The comprehensive review took more than two years.

In research published in November in *Biological Reviews*, Falcão and her team uncovered 503 cases of reported cannibalism in at least 207 snake species. They loosely divided these cases into different types of cannibalism, such as between mating pairs, related individuals or combating males, as well as different types of snakes. The incidents were spread widely, both in terms of geography and taxonomy, suggesting multiple origins of the behaviour.

"Cannibalism may have also arisen independently in the snake evolutionary tree at least 11 times," says study co-author Omar Entiauspe-Neto, a PhD student at the University of São Paulo.

A snake-eat-snake world

Animals that eat snakes are called ophiophagous, with examples among species of lizards, birds and mammals. Cannibalism is a type of ophiophagy among snakes, though ophiophagous snakes often prey on other species.

The only major snake group without any records of cannibalism was that of the blind snakes. This group is derived from a fairly old lineage that never evolved the unfused lower jaw that allows most serpents to bite off more than they could necessarily chew, so to speak. This is likely the limiting factor that constrains these snakes from cannibalizing their peers, Entiauspe-Neto says.

Among the least surprising groups found to eat others of their species were the elapids, a group of snakes that includes cobras and kraits, many of which specialize in preying on other snakes as it is. Elapids were responsible for about 19 per cent of the recorded cannibalism events.

Max Jones, a conservation scientist who is starting a new role at Galápagos Conservancy and wasn't involved in the recent research, has documented this in northern king cobras. In January 2019, his team was monitoring two snakes in northeastern Thailand with implanted tracking devices when the signals intersected. After a time, he says, "both signals happened to move away together." Follow-up fieldwork revealed that a larger male had consumed a smaller female.

Jones, who has studied ritualistic cobra combat, says that while cannibalism is likely not very common in cobras, it could happen when two cobras that meet have a big difference in size. He puts the situation he experienced down to a question of misplaced interest, the season had been uncharacteristically warm, perhaps prompting the female to look for a mate. Then, it suddenly got cold again by the time she encountered the male, so, when he found her, he was probably more in the mood for eating than mating. "It was a shame," Jones says. "We really wanted to track that female."

Sometimes, the opposite happens, with female snakes eating males eager to mate. Green anaconda females are larger than males, and they're polyandrous, meaning several males mate with the same female. Harems of males will congregate in courtship, but sometimes, the female consumes them. Entiauspe-Neto says that this might be an adaptive strategy, where the female eats some of the smaller, inferior males to reduce sperm competition. But it could also just be that she needs additional energy to produce the eggs fertilized by her various suitors.

The most cannibalistic snakes found by the team were in the Colubridae family, the biggest family of snakes, which includes species like venomous boomslangs. Colubrids represented 29 per cent of all cannibalism reports. The authors suggest most of the cases in this family were related to stressors such as a lack of other food sources, since this family doesn't typically prey on snakes.

Snakes in several families are known to partake in maternal cannibalism, which often plays out with the mother consuming some of her own eggs. Entiauspe-Neto says that it's hard to know why they do this, but there could be a couple of reasons. Mothers could be weeding out the bad eggs, especially if they consume eggs selectively. This could be to mitigate disease or reduce the possibility that the smell of dead, rotting eggs could attract predators that would eat the viable eggs, too. "Eating those nonviable offspring could protect the viable offspring," he says. "We found a high proportion of (boa family) snakes doing that, which are usually the ones that exhibit maternal care." Or it could be that the mother gains some energy from eating a few eggs, she may just be hungry.

Cannibalism might take other forms between snakes and their kin. "Siblings may prey on each other to reduce competition," Entiauspe-Neto says, though most of these records were observed in captivity.

That setting could create a bias in the study's findings. Forty-three per cent of cannibalism reports were about snakes in captivity, while the contexts of nearly a third were undetermined. "That dominated a lot of their results; most of them were in these captive settings," says Jones. Just the same, he describes the review as 'comprehensive.'

Falcão adds that some of the older reports, from the late 19th century through the mid-20th century, were dubious ecologically and ethically, dating from a different era in research. Scientists back then would sometimes starve captive snakes to see whether they would cannibalize each other eventually. Or they would put two snakes together with one prey item, she saw a report of one snake swallowing another by accident as they both tried to ingest the same prey in something like the horror story version of *Lady and the Tramp sharing a noodle*. "There were no laws; people weren't talking about animal rights," Falcão says.

These practices raise questions about whether some of the species would be cannibalistic under natural conditions. A majority of the reports regarding vipers, the most cannibalistic snake group in the Americas, according to the study, were in captivity. And the authors suggest that most of the viper cannibalism was due to captivity-related stresses.

Harvey Lillywhite, a retired ecologist at the University of Florida, who wasn't involved in the research, describes the study as 'comprehensive, well executed and generally well written.'

He hesitates to call cannibalism an evolved trait, though. "It seems to be an opportunistic and plastic behaviour that arises in multiple circumstances rather than a genetically 'fixed' character," he says.

Regardless, Falcão says this study is likely just the tip of the iceberg for cannibalism in snakes. "We're very aware that this number is still an underestimate," she says. "There are likely many 'hidden' records in older books, unpublished reports and museum archives, as well as observations from remote regions that are rarely documented in the scientific literature."

rajeshsharma1049@gmail.com

#IMHOTEP

The Remarkable Neuroscience of Ancient Egypt

Imhotep understood the effects of spinal injuries, noting that damage to the spine could cause paralysed legs, that would be recognized by modern science over 3,000 years later

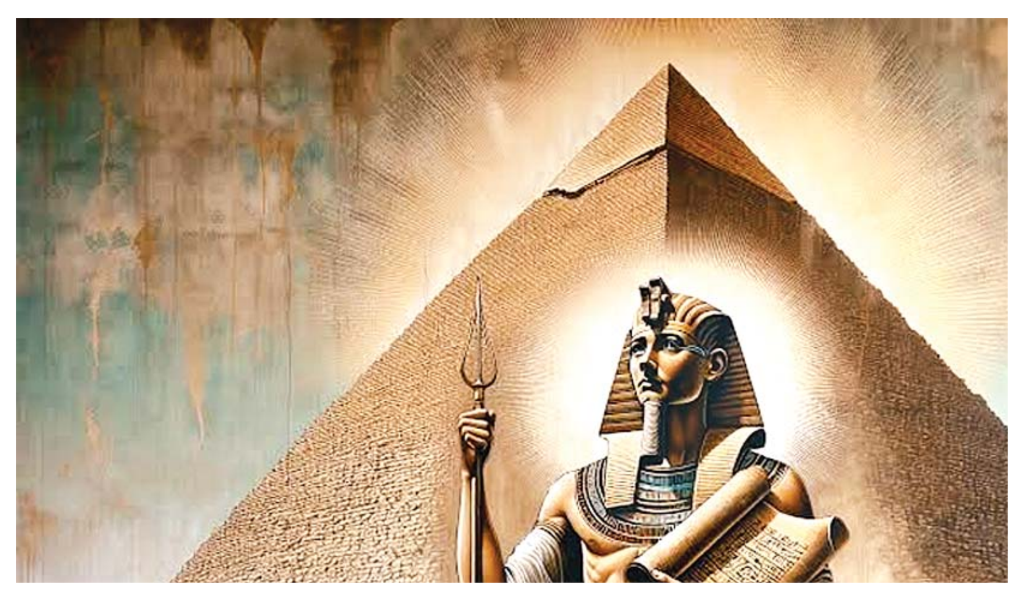

Over 3,600 years ago, long before the advent of modern medicine or neuroscience, the Egyptians were already performing remarkable medical procedures, including brain surgery. At the forefront of this knowledge was Imhotep, the legendary polymath, architect, and physician, whose insights into the human body continue to astonish historians and scientists alike.

Imhotep described the human brain in extraordinary detail: its folds, membranes, and fluid, all without the aid of microscopes, modern imaging, or surgical tools. His observations came purely from careful study, practical experience, and perhaps, the dissection of animals, a testament to his methodical and analytical mind. In addition to describing the brain, Imhotep understood the effects of spinal injuries, noting that damage to the spine could cause paralyzed legs, a conclusion that would be formally recognized by modern neuroscience over 3,000 years later. How he made such accurate correlations without modern anatomy remains a subject of fascination and debate. He also pioneered the use of honey as a treatment for wounds. Today, we know honey kills bacteria and prevents infection, but Imhotep applied it long before the germ theory of disease was conceived, relying on empirical results rather than scientific explanation.

These achievements suggest that ancient Egyptian physicians like Imhotep possessed advanced medical knowledge that was lost for centuries, blending observation, trial, and experience into practices that modern medicine is only now beginning to appreciate. From brain surgery to spinal understanding to natural antiseptics, Imhotep's work reminds us that human ingenuity and curiosity have deep roots.

#BLIGHT

Famous Cursed Families

Legacies which have been marred by losses, mysterious deaths, or patterns of bad luck: the Rockefellers, Guinnesses, Wodeyars, and Kennedys

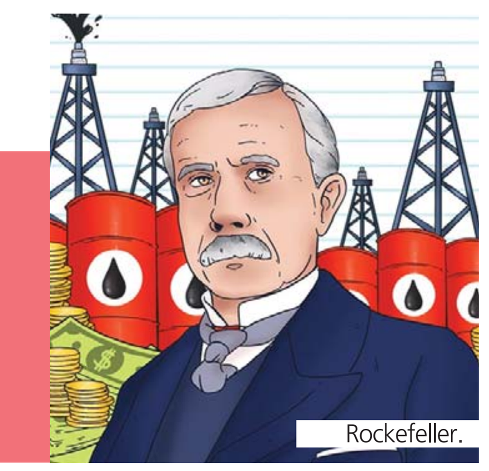

Rockefeller.

From royalty to billionaires, history is filled with stories of wealth, prestige, and tragedy. While success often puts a family in the spotlight, repeated misfortunes have led some to believe that even the most powerful bloodlines might be 'cursed.' Here are four families whose legacies have been marred by unexplained losses, mysterious deaths, or strange patterns of bad luck: the Rockefellers, Guinnesses, Wodeyars, and Kennedys.

1. The Rockefellers: Wealth with a Shadow

America's first billionaire, John D. Rockefeller, built a colossal oil empire and laid the foundation for a dynasty of wealth and philanthropy. Yet, despite their power and prestige, the Rockefeller family has faced an unsettling series of tragedies.

- In 1951, Michael Rockefeller, the 23-year-old son of New York Governor Nelson Rockefeller, disappeared in New Guinea while collecting tribal art. He was presumed dead, and rumoured to have been killed by cannibals, though his fate remains a mystery.
- Nelson Rockefeller himself died in 1979 under controversial circumstances, reportedly during an affair, leading to a media scandal.
- In 2014, 65-year-old Richard Rockefeller died in a plane crash near Westchester County, NY.
- In 2019, David Rockefeller Jr.'s daughter, Meile, was found dead after a drug overdose, another reminder that money can't shield a family from heartbreak.

While there's no confirmed 'curse,' the pattern of early deaths and high-profile scandals continues to surround America's original elite family.

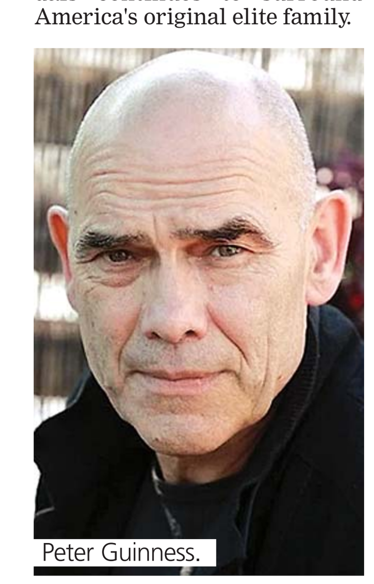

Peter Guinness.

Wodeyars.

2. The Guinnesses: Beer, Fortune, and Misfortune

The Guinness family, founders of the world-famous brewery in Dublin, Ireland, built one of the most recognizable beverage brands in the world. But their private lives have been marked by mental illness, addiction, and a string of tragedies that have sparked whispers of a 'Guinness Curse.'

- Tara Browne, heir to the Guinness fortune, died at age 21 in a car crash in 1966. He inspired the Beatles' song 'A Day in the Life.'
- Several members of the family, including Hon. Walter Guinness and Lady Henrietta Guinness, died by suicide.
- Others, like Patrick Guinness, struggled with depression and addiction.

Despite the wealth and status, the Guinness family's personal history is punctuated by misfortunes that seem to strike each generation, lending credibility to the idea of a hereditary curse, or at the very least, the isolating impact of high society.

3. The Wodeyars: A Royal Curse in Mysore

The Wodeyars, the royal family of the erstwhile princely state of Mysore, are said to have been cursed by a queen in the early 17th century, a curse that supposedly continues to this day.

- Legend says that Queen Alamelamma, the wife of a defeated regional chieftain, cursed the Wodeyar dynasty before throwing herself into a river in 1612. Her curse reportedly declared: "May Talakadu become a barren land, Malangi turn into a whirlpool, and the Wodeyars never have children!"
- Interestingly, almost every generation of Wodeyars has faced the issue of male heirs dying young or childlessness, often requiring adopted successors.
- The current scion, Yaduveer Krishnadatta Chamaraja Wodeyar, is an adopted son, continuing the 400-year-old tradition.

Whether by coincidence or fate, the Wodeyars' repeated succession struggles and uncanny alignment with the ancient curse have added a mystical dimension to one of South India's most respected dynasties.

4. The Kennedys: America's Royal Curse

No modern family is more famously associated with tragedy than the Kennedys, often dubbed 'American royalty.' With a legacy of political power, glamour, and charisma, the family has also endured more than its share of early deaths, assassinations, and misfortune, feeding talk of the 'Kennedy Curse.'

- Joseph P. Kennedy Jr. died in World War II; Kathleen "Kick" Kennedy died in a plane crash in 1948.
- John F. Kennedy, the 35th U.S. President, was assassinated in 1963. His brother Robert F. Kennedy was assassinated five years later.
- Ted Kennedy survived a plane crash and was involved in the infamous Chappaquiddick incident, where a young woman died.
- John F. Kennedy Jr. died in 1999 in a plane crash with his wife and sister-in-law.
- In 2020, Maeve Kennedy McKean and her 8-year-old son drowned in a canoe accident.

The sheer scale of tragedy in the Kennedy family, spanning over 80 years, has made the term 'Kennedy Curse' almost synonymous with the family name.

Coincidence or Curse?

Whether it's superstition, generational trauma, or the intense scrutiny that comes with fame, the idea of a 'family curse' still grips the imagination. The Rockefellers, Guinnesses, Wodeyars, and Kennedys, though vastly different in culture and origin, all illustrate how wealth and power offer no immunity from suffering.

As with most curses, the truth likely lies somewhere between legend and lifestyle.

THE WALL

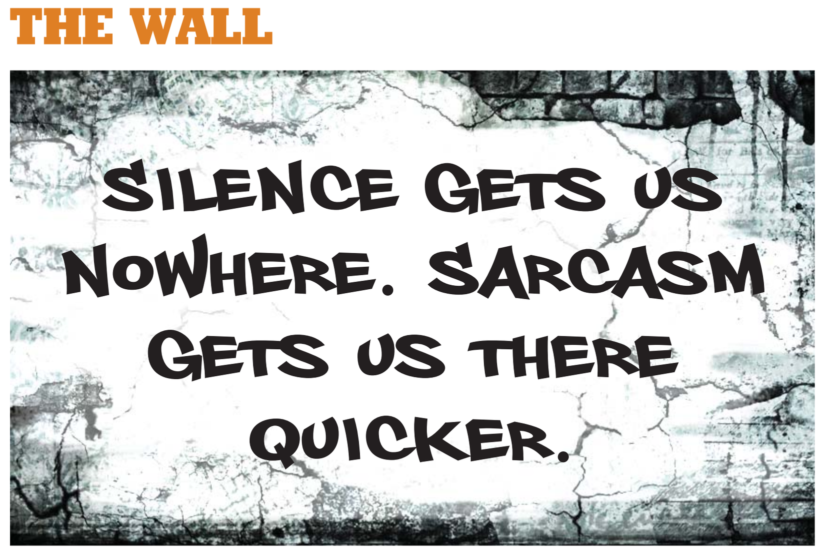

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

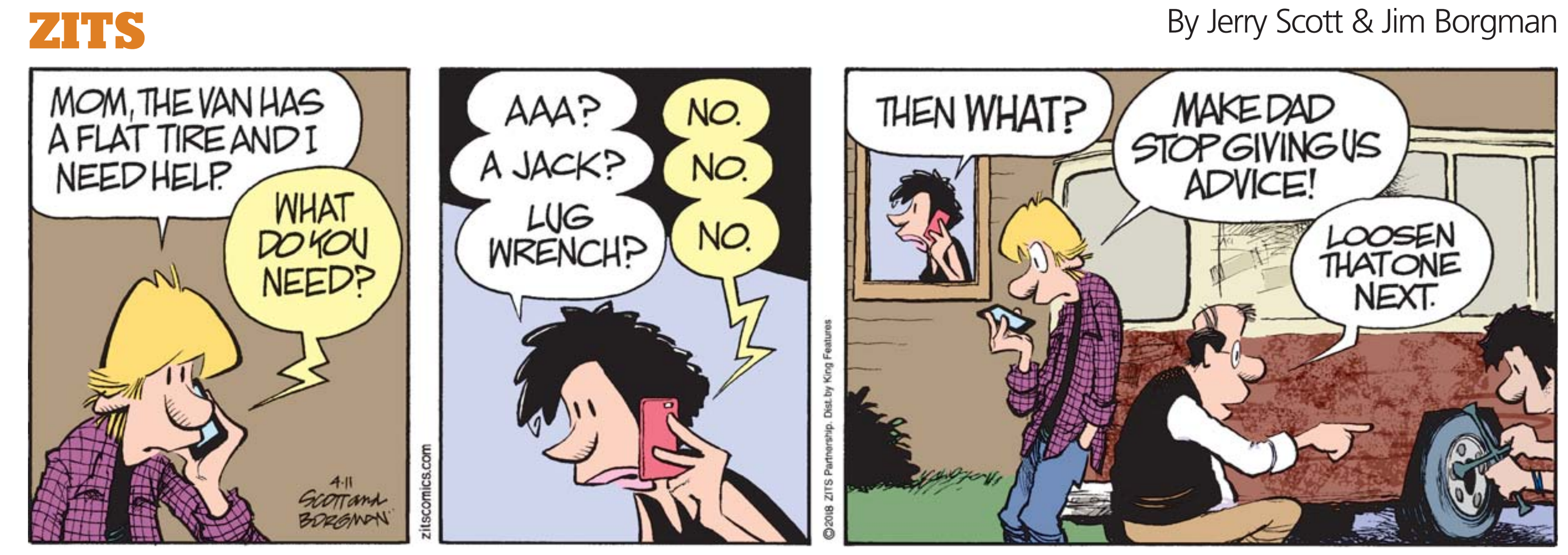

राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी पर फावड़े से वार करने वाले पति की सजा घटाई

'अचानक हुए झगड़े में बिना किसी पहले से बने इरादे के किया हमला हत्या की श्रेणी में नहीं आता'

- राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने यह भी ध्यान में रखा कि बच्चों ने अपनी मां को खो दिया है, यदि पिता को लंबी सजा होती है तो वे पिता के प्यार और सुरक्षा से भी वंचित हो जाएंगे
- कोर्ट ने आरोपी पिंटू उर्फ प्रवीण सिंह की दोषसिद्धि को आईपीसी की धारा 304 भाग-प्रथम से बदलकर धारा 304 भाग-द्वितीय कर दिया और उसे सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने पत्नी की हत्या के एक महत्वपूर्ण मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले में बड़ा बदलाव करते हुए रिपोर्टेबल आदेश दिया है। जस्टिस फरजंद अली और जस्टिस संदीप शाह की खंडपीठ ने साफ कहा कि अचानक हुए झगड़े में बिना किसी पहले से बने इरादे के किया गया हमला हत्या की श्रेणी में नहीं आता। कोर्ट ने दोनों अपीलों पर अंतिम फैसला सुनाते हुए आरोपी पिंटू उर्फ प्रवीण सिंह की दोषसिद्धि को आईपीसी की धारा 304 भाग-प्रथम से बदलकर धारा 304 भाग-द्वितीय कर दिया और उसे सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

जानकारी के अनुसार 23 जुलाई 2005 को परिवादी उम्मेद सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी किरण की 8-9 साल पहले पिंटू उर्फ प्रवीण सिंह से शादी हुई थी और दो नाबालिग बच्चे थे। एक दिन वह ससुराल में गंभीर रूप से घायल और बेहोश हालत में मिली। पूछताछ पर एक नाबालिग बच्चे ने बताया कि पिता ने मां के सिर पर फावड़े से वार किया था। शुरू में केस धारा 307 के तहत दर्ज हुआ, लेकिन किरण की इलाज के दौरान मौत हो जाने पर इसे धारा 302 में बदल दिया गया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (फास्ट ट्रैक) प्रतापगढ़ ने इस केस में आठ मार्च 2007 को फैसला सुनाया। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को धारा 302 (हत्या) और धारा 498-ए (क्रूरता) के आरोपों से बरी कर दिया, लेकिन धारा 304 भाग-प्रथत (मारने के इरादे से की गई गैर-इरादतन हत्या) के तहत दोषी ठहराया। इस फैसले के खिलाफ राज्य सरकार और आरोपी ने हाईकोर्ट में अलग-अलग अपील दायर की थी।

दोनों पक्षों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने पूरे रिकॉर्ड का गहन अध्ययन किया। कोर्ट ने पाया कि यह घटना पति-पत्नी के बीच अचानक हुए सामान्य विवाद का नतीजा थी। कोई पूर्व नियोजन नहीं था, और न ही आरोपी कोई हथियार लेकर आया था। उसने मौके पर पड़े फावड़े से केवल एक ही वार किया और उसके बाद भी उसने अपनी हावी होने की स्थिति का फायदा उठाते हुए कोई दूसरा वार नहीं किया। कोर्ट ने कानून की व्याख्या करते हुए कहा कि हत्या के लिए इरादा जरूरी है, जो इस मामले में मौजूद नहीं था। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर जैसे नाजुक अंग पर फावड़े जैसे भारी हथियार से वार करने पर किसी भी समझदार व्यक्ति को इस बात का स्पष्ट ज्ञान होता है कि इससे मौत होने की प्रबल संभावना है। इसलिए कोर्ट ने इसे मौत हो सकती है की श्रेणी में रखते हुए धारा 304 भाग-द्वितीय (बिना इरादे के गैर-इरादतन हत्या) का मामला माना।

कोर्ट ने मौत हो सकती है और मौत होने की संभावना के बीच का अंतर स्पष्ट करते हुए इसे धारा 304 पार्ट-द्वितीय के अंतर्गत मारने के इरादे के बिना गैर-इरादतन हत्या का मामला माना। धारा 498ए के तहत क्रूरता पर कोर्ट ने माना कि यह एक ही दिन की घटना थी और निरंतर उत्पीड़न का कोई ठोस साक्ष्य नहीं था, इसलिए ट्रायल कोर्ट द्वारा इस धारा में बरी करने का फैसला बिल्कुल सही था। सजा तय करते समय खंडपीठ ने दंड के निवारक, प्रतिशोधात्मक, निरोधात्मक और सुधारात्मक सिद्धांतों पर विस्तार से चर्चा की। कोर्ट ने जोर दिया कि न्याय सिर्फ पीड़ित के लिए नहीं, बल्कि आरोपी के सुधार और समाज के हित के लिए भी होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी ध्यान में रखा कि बच्चों ने अपनी मां को खो दिया है, यदि पिता को लंबी सजा होती है तो वे पिता के प्यार और सुरक्षा से भी वंचित हो जाएंगे। इन सभी मानवीय एवं कानूनी पहलुओं को देखते हुए हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी और आरोपी की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए उसे सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई।

दूध-मावा फैक्टरी से निकलने वाले बदबूदार पानी से आमजन परेशान

घटवाड़ा में दूध-मावा फैक्टरी से निकलने वाले दुर्गंधयुक्त पानी को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया।

- दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे की घठवाड़ा पुलिया के पास आम रास्ते में फैक्टरी से निकलने वाला बदबूदार पानी जमा रहता है

मानपुरा माचैड़ी, (निसं)। दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस हाइवे की घठवाड़ा पुलिया के पास गुर्जरों की ढाणी की ओर जा रहे आम रास्ते में पास ही स्थित एक दूध मावा फैक्टरी से निकलने वाला बदबूदार पानी जमा रहता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी हो रही है। इसको लेकर बुधवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की हैं।

स्थानीय निवासी जगदीश प्रसाद यादव, रामचंद्र मुडान, सीताराम यादव, आदि ने घटवाड़ा पुलिया के पास दूध मावा पनीर बनाने की एसएस नाम से एक फेक्ट्री संचालित हैं बताया कि यह भू राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार खसरा नंबर 110में कृषि भूमि पर संचालित है जिसमें दुध से मावा पनीर बनाया जाता है।जिसका अपशिष्ट जल नाले में इकट्ठा हो रहा है। और बदबू दे रहा है। नाले से मात्र 15 मीटर दूरी पर सरकारी स्कूल व आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हो रहा है । जिससे नन्हे -मुन्ने बच्चों सहित आवागमन करने वाले ग्रामीण लोग परेशान हो रहे हैं। जिसकी जांच की जाकर सरकार से समस्या समाधान करवाने के लिए मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया है।

शाहपुरा की बाल पर्यावरण योद्धा श्रेया कुमावत पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनेगी

श्रेया कुमावत

- ''ग्रीन लिटिल बेबी'' के नाम से प्रसिद्ध बाल पर्यावरण योद्धा श्रेया कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाई है
- श्रेया कुमावत के कार्यों की गूंज अब केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रही, बल्कि राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है

शाहपुरा, (निसं)। शाहपुरा की लाडली बेटी और ''ग्रीन लिटिल बेबी'' के नाम से प्रसिद्ध बाल पर्यावरण योद्धा श्रेया कुमावत ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अपने समर्पण, मेहनत और जुनून से एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके कार्यों की गूंज अब केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रही, बल्कि राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है। इन्हीं उल्लेखनीय और प्रेरणादायक उपलब्धियों को ध्यान में रखते हुए अब श्रेया कुमावत के जीवन और उनके पर्यावरणीय कार्यों पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। यह फिल्म समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ नई पीढ़ी को प्रेरित करने का कार्य करेगी।

झारखंड के धनबाद फिल्म सिटी से फिल्म निर्माता-निर्देशक शत्रुघ्न महतो एवं उनकी टीम शीघ्र ही शाहपुरा पहुंचकर फिल्म की शूटिंग प्रारंभ करेगी। इसके लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। श्रेया कुमावत पर बनने वाली यह फिल्म न केवल उनके उत्कृष्ट कार्यों को उजागर करेगी, बल्कि पूरे क्षेत्र और राज्य का नाम भी रोशन करेगी तथा देश की युवा पीढ़ी को एक नई दिशा प्रदान करेगी।

प्रकाश चंद्र रेगर, अतिरिक्त जिला कलैक्टर, शाहपुरा ने इस गौरवपूर्ण पहल में सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपनी सहभागिता निभाते हुए शहर की इस प्रतिभाशाली बेटी को सहयोग एवं आशीर्वाद प्रदान करें, ताकि यह प्रेरणादायक संदेश देश-विदेश तक पहुंच सके।

मांगों को लेकर टंकी पर चढ़े बुजुर्ग को उतारा

सूरतगढ़, (निसं)। एसडीएम कार्यालय के पास स्थित जलदाय विभाग की टंकी पर चढ़े 62 वर्षीय वृद्ध को गत रात नौ बजे सौलह घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षित नीचे उतार लिया। वार्ड-37 निवासी राजेंद्र शर्मा मंगलवार सुबह करीब पांच बजे टंकी पर चढ़ा था। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सिटी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और राजेंद्र शर्मा को नीचे उतरने के लिए लगातार समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन वह अपनी मांगों पर अड़े रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल डिफेंस की टीम को भी बुलाया गया, जिन्होंने टंकी के आसपास जाल लगाकर सुरक्षा व्यवस्था की। राजेंद्र शर्मा अपने साथ तेजाब की बोतलें, माइक और लाउडस्पीकर लेकर टंकी पर चढ़े थे, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। वह पंचायत समिति द्वारा जब्त किए गए सामान को वापस दिलाने, टूटे मकान का मुआवजा देने और बदले में जगह उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे थे।

राजेंद्र शर्मा का आरोप है कि पंचायत समिति कार्यालय के पीछे उनका वर्षों पुराना मकान था। 30 मई 2019 को वह मजदूरी पर गये हुए थे, तभी पंचायत समिति के तत्कालीन विकास अधिकारी ने जेसीबी से उसका मकान तुड़वा दिया। कार्रवाई के दौरान उसका घरेलू सामान और कुछ नकदी भी जब्त कर ली गई, जो आज तक वापस नहीं मिली। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उसने कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत दी और राष्ट्रपति तथा मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन भेजा, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

उल्लेखनीय है कि राजेंद्र शर्मा इससे पहले 29 सितंबर 2023 को भी इसी पेयजल टंकी पर चढ़कर विरोध जता चुके हैं। दिनभर चली समझाइश के बाद आखिरकार पुलिस ने रणनीति बनाकर उन्हे सुरक्षित नीचे उतार लिया। इस दौरान सब इंस्पेक्टर सुभाष बरोला और कॉन्स्टेबल महेश यादव की विशेष भूमिका रही।

बिना गिट्टी के मिट्टी पर डामर बिछाकर बनाई सड़क उखड़ी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के वल्लभनगर क्षेत्र की माल की टूस पंचायत में मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत बनी सड़क की घटिया गुणवत्ता का मामला सामने आया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के इंजीनियरों द्वारा बनाई गई यह सड़क कुछ ही दिनों में उखड़ने लगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि डामर के नाम पर कच्चे रास्ते पर सिर्फ पतली परत बिछा दी गई जो हाथ-पैर के हल्के दबाव से ही उखड़ रही है। परत हटते ही नीचे मिट्टी साफ दिखाई दे रही है।

ग्रामीणों के अनुसार 29 लाख रुपए के बजट में घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर ऐसी सड़क बनाई गई है जो जल्द ही पूरी तरह उखड़कर साफ हो जाएगी। उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों से तुरंत संज्ञान लेते हुए दोषी इंजीनियरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इधर घटिया निर्माण को लेकर एक्सईएन अचल गुप्ता का कहना है कि डामर की पतली परत उखड़ने का जो वीडियो आया है, वह श्मशान घाट के अंदर का हिस्सा है। यह क्षेत्र मूल 2 किलोमीटर के टेंडर में शामिल नहीं था। ग्रामीणों की बार-बार मांग पर हमने श्मशान तक डामर सड़क बनवाई थी। बाकी जो एरिया टेंडर में है वहां ऐसी स्थिति नहीं है।

अजमेर दरगाह क्षेत्र में दो पक्षों में विवाद, दो युवक घायल

- पुराने पारिवारिक विवाद को सुलझाने की कोशिश में विवाद हो गया था

अजमेर, (निसं)। दरगाह थाना क्षेत्र में देर रात एक पुराने पारिवारिक विवाद को सुलझाने की कोशिश उस समय हिंसक झगड़े में बदल गई, जब बातचीत के दौरान दो पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से हथियार निकल आए और एक-दूसरे पर हमला कर दिया गया। इस खूनी संघर्ष में दोनों पक्षों से एक-एक युवक घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार खादिम मोहल्ला छोटा चैक निवासी सैयद अदिमुल हसन अपने भाई सैयद नदिमूल हसन के साथ बाबा हाउस स्थित रिश्तेदार सैयद सलमान चिश्ती के घर पुराने विवाद को सुलझाने पहुंचे थे। प्रारंभ में बातचीत सामान्य रही, लेकिन कुछ ही देर में कहासुनी बढ़ गई और माहौल तनावपूर्ण हो गया। देखते ही देखते विवाद झगड़े में बदल गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। झगड़े के दौरान दोनों पक्षों ने हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसमें सैयद नदिमूल हसन और सैयद अमान चिश्ती घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दरगाह थाना प्रभारी दिनेश जीवनानी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों घायलों को तत्काल जवाहरलाल नेहरू अस्पताल (जेएलएन अस्पताल) पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार और मेडिकल कराया गया। घटना के बाद अस्पताल में भी माहौल तनावपूर्ण हो गया। घायल सैयद नदिमूल हसन को गंभीर हालत में देखकर परिजन आक्रोशित हो उठे और उन्होंने सोनोग्राफी कक्ष की खिड़की तोड़ दी। इस दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और माहौल शांत कराया। दरगाह थाना प्रभारी दिनेश जीवनानी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह मामला आपसी कहासुनी का प्रतीत हो रहा है, जो बाद में हिंसक रूप ले बैठा।

दुपहिया वाहन चार्जिंग के दौरान दुकान में आग लगी

अजमेर, (निसं)। शहर के पहाड़गंज रोड स्थित सीता गौशाला के पास बुधवार को एक दुकान में इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहन चार्जिंग के दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह दुकान मुन्ना अहमद की बताई जा रही है, जहां एक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन को चार्ज किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते वाहन में आग भड़क उठी। आग की लपटें उठते ही आसपास मौजूद लोगों में हडक़ंप मच गया और लोग तुरंत मौके पर एकत्र हो गए।

एएसआई रणवीर सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। उनकी सूझबूझ और प्रयासों के चलते दमकल के पहुंचने से पहले ही आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया।

धारदार हथियार से बड़े भाई पर हमला किया

- जमीनी विवाद में छोटे भाई ने हमला किया, घायल का जिला अस्पताल में इलाज जारी

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र स्थित बुवेला गांव में जमीन विवाद को लेकर एक छोटे भाई ने अपने बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में बड़ा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुवेला निवासी भोगीलाल पुत्र हाजा डामोर और उसके छोटे भाई छोटेलाल डामोर के बीच पैतृक जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई छोटेलाल ने अपने बड़े भाई पर हमला कर दिया।

घटना के समय भोगीलाल अपने घर से लगभग आधा किलोमीटर दूर स्थित खेत पर गया था। तभी छोटेलाल वहां पहुंचा और धारदार हथियार से भोगीलाल के सिर के पिछले हिस्से पर वार कर दिया। हमले के बाद भोगीलाल वहीं गिर पड़ा और उसके सिर से खून बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल भोगीलाल को तुरंत एक निजी वाहन से डूंगरपुर जिला अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए तत्काल प्राथमिक उपचार शुरू किया। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल भोगीलाल के बयान दर्ज किए। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर आरोपी छोटे भाई के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लापता व्यक्ति का शव नाले में मिला

बीकानेर, (निसं)। शहर के अंबेडकर सर्किल के पास बिजली विभाग कार्यालय के नजदीक बुधवार सुबह नाले में संदिग्ध हालत में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पीबीएम अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रैफिक थाने के मोड़ के सामने सुबह नाले में एक शव पड़ा दिखाई दिया। राहगीरों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। शव करीब 5 से 6 दिन पुराना होने की आशंका है। इतने दिनों तक नाले में डूबे रहने के कारण शव पूरी तरह सड़-गल चुका था। हालत इतनी खराब थी कि शरीर के कई अंग गायब थे। सहायक उप निरीक्षक महेंद्र सिंह की निगरानी में काफी मशक्कत के बाद शव को नाले से बाहर निकाला जा सका। दुर्गंध और गंदे पानी के कारण शव को बाहर निकालने में काफी परेशानी हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सूरतगढ़ निवासी पेमाराम पुत्र लखूराम के रूप में हुई है।

''बापजी : महाराजा आफ मारवाड़ जोधपुर : दी किंग हू वुड बी मैन'' पुस्तक का लोकार्पण

मुंबई के नेशनल सेंटर फॉर दी परफॉर्मिंग आर्टस में पुस्तक का लोकार्पण समारोह आयोजित हुआ।

- गज सिंह के जीवन की उल्लेखनीय व असाधारण यात्रा पर आधारित है पुस्तक

जोधपुर, (निसं)। गज सिंह की असाधारण व उल्लेखनीय जीवन यात्रा पर आधारित पुस्तक ''बापजी : महाराजा आफ मारवाड़ जोधपुर : दी किंग हू वुड बी मैन '' का मुंबई नरीमन प्वाइंट स्थित देश के प्रमुख सांस्कृतिक केंद्र नेशनल सेंटर फॉर दी परफॉर्मिंग आर्ट्स में गज सिंह द्वारा लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर महारानी हेमलता राज्ये जी भी उपस्थित थी।

यह पुस्तक लेखक अमननाथ व योगी वैद्य द्वारा लिखी गई है। लोकार्पण समारोह के अवसर पर गज सिंह ने कहा कि उनके बारे में पुस्तक लेखन का लेखक अमननाथ व योगी वैद्य द्वारा अच्छा व सराहनीय प्रयास किया गया और उनकी जीवन यात्रा के बारे में पुस्तक लिखी गयी भी है। उन्होंने कहा कि मुश्किल समय में अपनी विरासत को संभालना और उसे दुनिया भर में पहचान देना ''द किंग हू वुड बी मैन'' की सच्ची कहानी है। पुस्तक में उनके व राजपरिवार के बारे में लिखा गया है। अनेक दुर्लभ चित्र इसमें लगाए गए हैं जो पहले कही प्रकाशित नहीं हुए। अनेक नए चित्र भी शामिल किए गए हैं। उनके जन्म से लेकर अब तक की जीवन यात्रा के बारे में इसमें बेहतर तरीके से उल्लेख किया गया है। राज परिवार के बारे में उल्लेख किया गया है। राज परिवार का जनता से सीधे जुड़ाव का उल्लेख किया गया है। यह पुस्तक पढ़ने योग्य व सांस्कृतिक महत्व की पुस्तक है। उन्होंने कहा कि जोधपुर राज परिवार की विरासत का प्रभाव रहा है। इस विरासत में एक आदमी की छवि बसी हुई है और वह है बाप जी। जो चार वर्ष की उम्र में ही राजा बने फिर सामाजिक व सांस्कृतिक रूप से मारवाड़ की आत्मा से गहराई से जुड़ गए। मारवाड व जोधपुर के लोगों का उनके प्रति सम्मान ही उनकी पूंजी है, जिसे हमेशा संजोये रखे हुए हैं। बदलाव के बावजूद जोधपुर के लोगों का प्यार व सम्मान बना हुआ। उन्होंने कहा आप जो भी कार्य करें उसे पूरे समर्पण के साथ करें, अपनी विरासत को बचाकर रखें, इस समाज में लीडरशिप की भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि उनके जीवन को अच्छे तरीके से आकार देने, कार्य करने में, सांस्कृतिक मूल्यों में दादा उम्मेद सिंहजी, पिता हनवन्त सिंहजी, मां कृष्णा कुमारी जी का काफी प्रभाव रहा। साथ ही बहिने शैलेश कुमारी व चंद्रेश कुमारी, पत्नी महारानी हेमलता राज्ये, पुत्र शिवराज सिंह, पुत्री शिवरंजनी राज्ये व बहू युवरानी गायत्री राज्ये सभी का सहयोग रहा है। उन्होंने इस अवसर पर दोनों लेखकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

समारोह को पुस्तक के लेखक अमननाथ व योगी वैद्य ने संबोधित किया और पुस्तक के प्रकाशन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर राजस्थान के लंगा बंधुओ ने ''रंग-ए-थार'' राजस्थानी लोकगीतों व धुनो की लोक वाद्य यंत्रों के साथ शानदार प्रस्तुतियां दी। खड़ताल पर जाकिर खान, ढोलक पर सादिक खान, सारंगी पर आसीन खान लंगा ने बेहतरीन प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर नेशनल सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स के ट्रस्टी निर्मल भोगीलाल, सीईओ अविड लर्निंग एण्ड क्यूरेटर ऑफ़ द रॉयल ओपेरा हाउस मुंबई असद लालजी, मल्लिका साराभाई पब्लिशर मैपिंग पब्लिशिंग, डायरेक्टर जोधपुर रिफ फेस्टिवल दिव्य भाटिया, रेवंत साराभाई, प्रियंका राजा, डॉ. मधु भोजवानी, उज्बेकिस्तान के वाणिज्य दूतावास के मानद कॉंसिल विजय गोवर्धन दास कलंत्री, नफीशा चिनाय, डॉ. उर्वशी, डॉ. सुजाता जादव, डॉ. रूपिन शाह, महेंद्र के सांघी, दुर्गा जसराज सहित कला, साहित्य, संस्कृति से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बीकानेर जिले में नहीं हुआ बजरी क्ले का रॉयल्टी ठेका, तीन बार निविदा भी जारी

बोली नहीं लगने के कारण रॉयल्टी वसूली का नया ठेका नहीं हो पाया है

- खान निदेशालय ने 22 जनवरी को निविदा जारी की, जिसमें रिजर्व प्राइस 181 करोड़ रुपये थी

बीकानेर, (निसं)। खान निदेशालय ने बीकानेर जिले में बजरी क्ले का रॉयल्टी ठेका देने के लिए तीन बार निविदा जारी की, लेकिन किसी भी व्यवसायी ने रुचि नहीं ली। बोली नहीं लगने के कारण रॉयल्टी वसूली का नया ठेका नहीं हो पाया है। अब खान विभाग को नाके लगाकर रॉयल्टी वसूलनी होगी, जबकि खानों से ओवरलोड भरी गाड़ियां अभी से सड़कों पर दौड़ने लगी है।

जिले में क्ले बजरी की रॉयल्टी वसूली के लिए खान विभाग के अधिकारियों ने 1.81 अरब रुपए की राशि तय की थी। उसके बाद खान निदेशालय ने तीन बार बिड जारी की और तीनों बार एक भी व्यवसायी ने बोली नहीं लगाई। निदेशालय ने 22 जनवरी को निविदा जारी की, जिसमें रिजर्व प्राइस 181 करोड़ रु. थी। ठेका नहीं होने पर खनि अभियंता ने नियमानुसार दो बार 10-10 प्रतिशत राशि कम कर प्रस्ताव भेजे, जिस पर निदेशालय ने 19 फरवरी को जारी निविदा में रिजर्व प्राइस 162.85 करोड़ रुपये और 15 मार्च को जारी निविदा में 146.65 करोड़ रुपये रखी गई। तीनों बार बोली नहीं लगने से ठेका नहीं हुआ। बीकानेर जिले में बजरी क्ले की रॉयल्टी वसूली का वर्तमान ठेका लगभग 164.59 करोड़ रुपए में चल रहा है, जिसकी अवधि 31 मार्च की रात को 12 बजे खत्म हो गई। इसे देखते हुए अवैध परिवहन करने वाले सक्रिय हो गए हैं। बजरी के ओवरलोड ट्रक खानों से निकलकर सड़कों पर दौड़ने लगे हैं।

गौरतलब है कि जिले में बॉल क्ले, बजरी, कंकर, मुर्रम, सिलिका सैंड के 307 खनन पट्टे हैं। इन सभी खनिजों का एक ही रॉयल्टी ठेका होता है। खनि अभियंता ने चौथी बार निविदा जारी करने के लिए प्रस्ताव बनाकर निदेशालय को भेजे हैं, लेकिन इस बार रिजर्व प्राइस कम नहीं की गई है। रिजर्व प्राइस पूर्व की तरह ही 146.65 करोड़ रु. ही रखी गई है।

रॉयल्टी वसूली के लिए 25 पुलिसकर्मी, 100 बॉर्डर होमगार्ड, अतिरिक्त स्टाफ मांगा : एक अप्रैल से क्ले बजरी व अन्य खनिजों की रॉयल्टी वसूली खान विभाग को करनी होगी। इसके लिए नाके लगेंगे, जगह-जगह वाहनों की चेकिंग करनी होगी, अवैध खनन पर नजर रखनी होगी और रॉयल्टी वसूली का पूरा हिसाब-किताब करना होगा। इसके लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी, स्टाफ और अधिकारियों की जरूरत होगी। इसे देखते हुए खनि अभियंता एमपी पुरोहित ने एसपी, खान निदेशक सहित अन्य उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा है। रॉयल्टी वसूली के लिए 25 पुलिसकर्मी, गाड़ियों सहित ड्राइवर, 100 बॉर्डर होमगार्ड मांगे हैं। उच्चाधिकारियों को अन्य कार्यालयों से अभियंता, भूवैज्ञानिक, खनि कार्यदेशक, नाकेदार, खनि रक्षक, मंत्रालयिक कर्मचारी सहित अन्य स्टाफ प्रतिनियुक्ति या कार्य व्यवस्था के लिए उपलब्ध कराने के लिए कहा है। वाहन भी मांगे गए हैं।

जिला कलेक्टर ने राजगढ़ सीएचसी में व्यवस्थाएं जांची

जिला कलक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने राजगढ़ क्षेत्र के दौरे पर रहकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ एवं रैणी के ग्राम पाटन स्थित प्राचीन बावड़ी का निरीक्षण किया।

- उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि प्राचीन जल संरक्षण के रूप में अवस्थित बावड़ी का पुनरूद्धार कार्य शीघ्र कराया जावे

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने राजगढ़ क्षेत्र के दौरे पर रहकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ एवं रैणी के ग्राम पाटन स्थित प्राचीन बावड़ी का निरीक्षण कर बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं एवं बावड़ी के पुनरूद्धार करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने ओपीडी, इमरजेंसी, ऑपरेशन थियेटर, लेबर रूम, दवा वितरण केंद्र, पर्ची काउंटर आदि का निरीक्षण कर सीएचसी प्रभारी को निर्देश दिये कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पडे, इसके लिए सभी व्यवस्था पुख्ता रखे। उन्होंने लेबर रूम, प्रसूति वार्ड का निरीक्षण कर निर्देश दिये कि सीएचसी में एनेस्थिसिया व गोयनोलॉजिस्ट चिकित्सक उपलब्धता है।

इसलिए सिजेरियन डिलीवरी की स्थिति में सीएचसी स्तर पर ही सिजेरियन डिलीवरी की जाए, ताकि गर्भवती महिलाओं को स्थानीय स्तर पर ही सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा मिल सके। उन्होंने निर्देश दिये कि सीएमएचओ को निर्देश दिये कि ट्रॉमा सेंटर एवं ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के निर्माण कार्य को गति प्रदान करते हुए गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप में पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें, ताकि एक्सप्रेस-वे सहित अन्य राजमार्गों पर दुर्घटना की स्थिति में मरीजों को त्वरित उपचार एवं स्थानीय स्तर पर चिकित्सा का विस्तार हो सके।

उन्होंने निर्देश दिये कि चिकित्सालय में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जावे। उन्होंने उन्होंने पर्ची काउंटर के पास डिस्प्ले, एमओटी में हाफ कटर व गेट पर पर्दे लगाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत लू एवं तापघात से प्रभावित मरीजों के लिए उपचार की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने गर्मी के मौसम में सीएचसी पर मरीजों के लिए शीतल पेयजल, छाया, बैठक, पंखे, कुलर आदि व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के निर्देश दिये। उन्होंने मरीजों से बातचीत कर सीएचसी की सुविधाओं एवं उपचार के संबंध में फीडबैक लिया, जिस पर मरीजों ने सीएचसी की सभी सुविधाओं को बेहतर बताया। जिला कलक्टर ने रैणी के ग्राम पाटन स्थित प्राचीन बावड़ी का निरीक्षण कर कहा कि जल संरक्षण संरचनाओं के रूप में प्राचीन बावडियों का ऐतिहासिक महत्व रहा है। इसी के दृष्टिगत उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को निर्देश दिये कि प्राचीन जल संरक्षण के रूप में अवस्थित बावड़ी का पुनरूद्धार कार्य शीघ्र कराया जावे, ताकि जल संरक्षण के साथ-साथ भू-जल स्तर में वृद्धि हो सके। उन्होंने आसपास की ग्रामीणों से संवाद कर वर्षा जल संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने उपखंड अधिकारी और विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव में 100-100 वर्षा जल स्ट्रक्चर का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करें, ताकि इस बरसात में ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके। इस मौके पर उपखण्ड अधिकारी राजगढ सीमा मीना, उपखण्ड अधिकारी रैणी हरकेश मीना, सीएमएचओ डॉ. योगेंद्र शर्मा, विकास अधिकारी सुनीता मीणा, सीएचसी प्रभारी डॉ. रमेश मीना, मुकेश सोनी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त

सेवड़ माता मंदिर में दानपात्र तोड़ा

मानपुरा माचैड़ी। दिल्ली अजमेर एक्सप्रेस हाईवे पर मानपुरा माचैड़ी के पास स्थित सेवड़ माता मंदिर में बुधवार तड़के अज्ञात चोरों ने मंदिर का दानपात्र तोड़कर करीब दो लाख रुपये की नकदी सहित अन्य सामान चोरी कर लिया।बुधवार सुबह जब पुजारी मंदिर पहुंचे तो दानपात्र के ताले टूटे हुए मिले। सूचना पर चंदवाजी थाना प्रभारी नितिन चौधरी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उनके साथ साइबर सेल के सीआई हीरालाल सैनी, डीएसटी के एसआई सुहेल खान व टीम के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया कि मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में एक संदिग्ध व्यक्ति कैद हुआ है, जिसकी पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और आरोपियों को पकड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी हैं। इस घटना के बाद ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी मंदिर में दो बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई भी आरोपी पकड़ा नहीं गया है। ग्रामीणों ने मंदिर कमेटी की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं कि बार बार चोरी की घटनाओं के बावजूद मंदिर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं की गई है। वही घटना ने हाईवे पर पुलिस गश्त की भी पोल खोल दी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

हिरनोदा में पीएम गति-शक्ति कार्गो टर्मिनल शुरू

फुलेरा। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल ने लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए हिरनोदा रेलवे स्टेशन पर पीएम गति-शक्ति कार्गो टर्मिनल की सफलतापूर्वक स्थापना कर इसे संचालन में ला दिया है। उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अमिताभ के कुशल नेतृत्व एवं जयपुर मंडल रेल प्रबंधक रवि जैन के निर्देशन में विकसित इस टर्मिनल का संचालन मेसर्स हस्ती पेट्रो केमिकल एंड शिपिंग लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। टर्मिनल की कार्यकुशलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 31 मार्च 2026 को यहां से पहली ही रेक का सफल लोडिंग एवं संचालन किया गया। इस दौरान 40 बीएलसी वैगनों के माध्यम से 688.42 टन माल का परिवहन हुआ, जिससे रेलवे को 11 लाख 21 हजार 770 रुपए की आय प्राप्त हुई। यह शुरुआत इस परियोजना की आर्थिक संभावनाओं और उपयोगिता को दर्शाती है।

अंबेडकर जयंती की तैयारी को लेकर बैठक

किशनगढ़ बास। डॉ भीमराव अंबेडकर जन कल्याण समिति की बैठक अंबेडकर भवन भूर पहाड़ी पर हुई। बैठक समिति अध्यक्ष छुट्टन लाल की अध्यक्षता आयोजित की गई। इस बैठक में 14 अप्रैल को बाबा साहब की जयंती भव्य मनाने का निर्णय लिया गया। 14 अप्रैल को विशाल बाइक रैली, आकर्षक झांकियां,सांस्कृतिक कार्यक्रम, जादूगर सो व भंडारे का आयोजन करने का निर्णय लेते हुए तैयारियों को लेकर अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति के प्रदीप सगवैया ने बताया कि इस बैठक में समाज के गोरा सिंह जी, धीर सिंह, विजय सिंह,जयराम चौहान, सुखीराम, ताराचंद बाबूजी,किशन चंद, सतवीर, चंद, प्रदीप, हेतराम सरपंच, कमल सिंह, हरद्वारी, देवी सिंह, सुरेंद्र,तरुण,राहुल,जगदीश, आदि मौजूद रहे।

पानी के 2 टैंकर उपलब्ध करवाये

कोटपूतली। कांग्रेस एससी विभाग के जिलाध्यक्ष, कांग्रेस नेता, पूर्व पार्षद व समाजसेवी तारा पूतली द्वारा कस्बे के डाबला रोड़ सूरदासवाली ढ़ाणी स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में आयोजित विशाल भंडारा एवं जन्मोत्सव के अवसर पर "जल सेवा" मिशन के तहत बुधवार को 02 पानी के टैंकर उपलब्ध करवाये गये।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

सांवरिया सेठ मंदिर पहुंचने की आसान सुविधा

देवली। लंबे इंतजार के बाद बुधवार को प्रात: 5:00 बजे देवली शहर से रवाना हुई सांवरिया सेठ के लिए बस सेवा। यह है कि चित्तौड़ जिले मैं स्थित सांवरिया सेठ के देवली दर्शनार्थियों के लिए एक अप्रैल का दिन बेहद खास रहा। लंबे समय से प्रतीक्षित देवली से चित्तौड़गढ़ स्थित सांवरिया सेठ (मंडफिया) के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा बुधवार से विधिवत रूप से शुरू हो गई है। देवली रोडवेज बुकिंग के प्रभारी राकेश शर्मा के अथख प्रयासों से बूंदी से सांवरिया सेठ जाने वाली बस सेवा का लाभ देवली शहर वासियों को आखिरकार मिल गया है। उल्लेखनीय की कई वर्षों से देवली शहर से सांवरिया सेठ जाने वाली बस यात्रा कि सुविधा उपलब्ध नहीं थी। ऐसे मे देवली रोडवेज इंचार्ज राकेश शर्मा के प्रयासो से यहां नियमित प्रतिदिन सुबह 5 बजे राजस्थान रोडवेज बस की सेवा प्रारंभ हो गई है। इस उपलक्ष पर बस स्टैंड पर पहुंची बूंदी डिपो की इस बस को फूल-मालाओं से सजाया गया। इस दौरान सांवरिया सेठ के भक्त एवं शहर के गणमान्य नागरिक मौजूद भी रहें।

गौशाला में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ पूर्णाहुतियों के साथ संपन्न

- घर में गोपालन से विशेष लाभ- कथा वाचक संत सुभाष जी महाराज
- युग निर्माण के नारों से गूंज उठी यज्ञशाला

मनोहरपुर। निकटवर्ती ग्राम मिश्रावास परिसर में महाराज नारायण दास कृष्ण गौशाला संस्थान परिसर में 28 मार्च से अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार के तत्वावधान में नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ पूर्णाहुतियों के साथ संपन्न हुआ। यज्ञ में 34 यजमान जोड़ो द्वारा नियमित एवं अन्य लोगों ने भी विभिन्न सत्रों के माध्यम से पूर्णाहुति के अवसर पर आहुतियां अर्पित कर स्वयं परिवार देश एवं विश्व के समग्र कल्याण की कामना की गई।

गायत्री मंत्र महामृत्युंजय आदि मंत्रोच्चार से यज्ञ शाला गूंजायमान थी। आसपास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में यज्ञ के दर्शन किए। यज्ञ के दौरान शांतिकुंज हरिद्वार से आए टोली नायक राधेश्याम गामी सहनायक रामेश्वर रावतिया या दौलत राम गामी गोवर्धन प्रोफेसर अजय भारद्वाज दिनेश पुरोहित द्वारा यज्ञ संपन्न करवाया गया।

यज्ञ के दौरान प्रतिदिन श्रद्धालुओं की मौजूदगी में विभिन्न घरों से महिलाएं 5-5 दीपक लाकर दीप यज्ञ किया जाता था। यज्ञ समाप्ति पर भंडारा का आयोजन किया गया। इस दौरान शांति कुंज हरिद्वार से यज्ञ करवाने आए टोली के नायक राधेश्याम गामी ने दीक्षा संस्कार करवाते हुए राम शर्मा आचार्य के जीवन परिचय देते हुए उनके कठोर अनुशासन

जीवनकाल में 24-24 लाख के 24 महापुरश्चरण (कुल 57.6 करोड़ से अधिक) गायत्री मंत्र के जप किए थे।

उन्होंने तीन दशकों तक कठोर अनुशासन में रहकर इन मंत्रों का जाप किया, जो उनके अटूट गायत्री साधना समर्पण को दर्शाता है। उन्होंने दीक्षा का अर्थ बताते हुए कहा कि दीक्षा लेने बाद अपनी इच्छाओ को युग ऋषि के चरणों में डाल कर उनके समर्पित होकर अपनी इच्छा जीना इससे हमारा जीवन सुगंधित हो जाता है।

इस दौरान प्रतिदिन गौ माता मंदिर ट्रस्ट आनंद नगर वृंदावन मथुरा के कथावाचक एवं गौ पुराण ग्रंथ के लेखक सन्यासी संत सुभाष महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि गाय सत्य है सात्विक के सनातन है इसलिए वह धर्म की जननी कही गई है धर्म गौ माता के अंदर निवास करती है। जिस धरती पर गाय खड़ी होती है वह धरती गौ माता की शरीर के माध्यम से पवित्रता और धर्म को अपने अंदर धारण करती है फिर उस धरती माता के अंदर पापों को शमन करने की शक्ति और जीवन को धारण करने की शक्ति उत्पन्न हो जाता है इसलिए गौ माता की विशेष महत्व है और हमारे धर्म शास्त्र में इसीलिए कहा गया यह धरती और धर्म गाय माता पर टिकी हुई है। रोग प्रतिरोधक विभिन्न प्रकार के रोग मंदबिष नष्ट हो जाता है।

हनुमान जन्मोत्सव पर आज होंगे कई धार्मिक अनुष्ठान

निवाई। हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान मंदिरों में गुरूवार को पूजा अर्चना सहित कई धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। बावडी वाले बालाजी मंदिर पुजारी पं. शैलेंद्र शर्मा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर बावड़ी वाले बालाजी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव पर गुरूवार को सुबह 6 बजे बालाजी की प्रतिमा का पंचगव्य व पंचामृत से महाभिषेक कर चोला चढाया जाएगा। विशेष पोशाक के साथ फूल-बंगले की झांकी सजाकर महाआरती की जाएगी। दोपहर 3 बजे धार्मिक अनुष्ठान के साथ 51 आसनों पर सामूहिक सुन्दरकाण्ड के पाठ का आयोजन होगा। इसी प्रकार प्राचीन मोरिया वाले बालाजी, कुंजबिहारी आश्रम, दादूदयाल आश्रम, संकट मोचन हनुमान मंदिर, चिंताहरण हनुमान मंदिर, बूढला बालाजी, बस स्टेण्ड के बालाजी, मंशापूर्ण बालाजी जमात, गौरीशंकर महादेव मंदिर, लुहारा बालाजी गांव दादिया में स्थित बीड वाले बालाजी मंदिर सहित सभी हनुमान मंदिरों में धूमधाम से हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

रक्तदान शिविर में 57 यूनिट रक्त संग्रहित

पडितपुरा में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

पावटा। सामाजिक सरोकारों की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रेखा यादव के जन्मदिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत भवन, पडितपुरा में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में युवाओं एवं आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 57 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष इंद्राज गुर्जर ने अपने संबोधन में कहा कि रक्त किसी फैक्ट्री या दुकान में तैयार नहीं किया जा सकता, यह केवल मानव शरीर से ही प्राप्त होता है। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि यह जरूरतमंदों को नया जीवन प्रदान करता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए।

इस अवसर पर यादव महासभा जिलाध्यक्ष रामनिवास गिरदावर, पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव, पूर्व प्रधान महादेव यादव, जनसेवक महेश यादव, रामनिवास यादव नेताजी, जगदीश मीणा, तेजराज यादव, बजरंग यादव, विकास यादव, गोपाल अग्रवाल, महावीर चावला, रामसिंह भाटोटिया, सरपंच प्रहलाद माठ, पूर्व सरपंच मुकेश सैनी, मालीराम बाडीगर, मालीराम यादव, करण, राजेंद्र, श्रीराम डाबड, कृष्ण भाटोटिया, किशन गुर्जर, ममता सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं युवा उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

'आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी'

खैरथल। बुधवार को जिले जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने जिला कलेक्टर खैरथल तिजारा का विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने जिला कलेक्ट्रेट में सभी उपखंड अधिकारियों, तहसीलदारों एवं अधिकारियों के साथ परिचयात्मक चर्चा की और जिले में चल रही योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता रहेगी तथा प्रत्येक अधिकारी अपने क्षेत्र में नियमित मॉनिटरिंग कर जनहित के कार्यों को गति देगें। उन्होंने जिले के समग्र विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, विद्युत और स्वच्छता जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की बात कही। शिक्षा के क्षेत्र में स्कूलों की गुणवत्ता सुधार तथा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने पर जोर देने की बात कही। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी कदम उठाने की बात कही।

युवाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर मिल सकें। औद्योगिक क्षेत्र के विकास के लिए निवेश को आकर्षित करने, उद्योगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने की भी बात कही।

जिला कलेक्टर ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। इसके लिए योजनाओं की नियमित समीक्षा कर पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाया जाएगा।

भारतीय किसान संघ का औषधीय फसलों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

कृषि उपज मंडी समिति उनियारा में भारतीय किसान संघ द्वारा जैविक एवं औषधीय खेती का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

टोंक। कृषि उपज मंडी समिति उनियारा में भारतीय किसान संघ द्वारा जैविक एवं औषधीय खेती का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें औषधीय फसलों की खेती के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण मोहनलाल नागर द्वारा दिया गया।

प्रशिक्षण में किसानों को सीमपुष्टि अश्वगंधा, सफेद मूसली, स्टीविया, मोरिंगा, शतावरी, सर्पगंधा, चिया सीड, तुलसी, अकरकरा, कालमेघ, काली हल्दी, कैमोमाइल, कोलियस आदि औषधीय एवं जैविक फसलों की वैज्ञानिक खेती, कम लागत में अधिक उत्पादन एवं बाजार व्यवस्था की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के बाद किसानों को गुरु कृपा हर्बल फार्म, कनक होटल के पास उनियारा-अलीगढ़ रोड पर ले जाकर औषधीय फसलों का प्रत्यक्ष निरीक्षण कराया गया, जहां किसानों ने खेत पर जाकर खेती की तकनीक, रोपण विधि, सिंचाई व्यवस्था और फसल प्रबंधन को समझा।

किसानों ने औषधीय खेती को भविष्य के लिए लाभकारी बताते हुए इसे अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि वर्तमान समय में पारंपरिक फसलों की लागत बढ़ने और उत्पादन घटने के कारण किसानों को औषधीय एवं जैविक खेती की ओर बढ़ना होगा, जिससे कम पानी और कम लागत में अधिक आय प्राप्त की जा सकती है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगे।

पंचायतों के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

अलवर। उमरैण पंचायत समिति के प्रधान दौलतराम जाटव ने अपने क्षेत्र की सभी पंचायतों में किए गए विकास कार्यो की समीक्षा की और मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों की मांगों को जाना एवं ग्रामीणों की सभी न्यायोचित मांगों को 15 दिन के अल्प समय में पूरा कराने का आश्वासन दिया है। उमरैण प्रधान दौलत राम जाटव केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की कार्यशैली से इतने ज्यादा प्रभावित है कि उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के निर्देशों का पालन करते हुए अपने क्षेत्र के उन सभी विकास कार्यो को अंजाम दिया और उनका निरीक्षण भी किया उनके अनुसार कुछ पंचायतों में काम पूरे हो चुके है तो कुछ पंचायतों में विकास कार्य अभी प्रगति पर है वही कुछ पंचायतों में निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने अन्य काम भी उन्हें बताए है जिन्हे उन्होंने आगामी 15 दिनों में पूरा करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि आज जटियाना, ठेकडा, कस्बा डेहरा,शाहपुर हाजीपुर आदि पंचायतों का दौरा किया।

खोया पाया

2/618 मालवीय नगर जयपुर जिसका, मूल अलोटमेंट, डिक्लेरेक्शन कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें। 7742631298

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :- 28 दिनांक :- 01/04/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में फ्लैट संख्या E1/0/04 (LIG), (एरिया 16.350 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री रेवड़ मल मीना पुत्र श्री मूलाराम को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 1314 दिनांक 10.05.2022 को जारी किया गया। श्री रेवड़ मल मीना की मृत्यु दिनांक 02.10.2025 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती तारा देवी पत्नी स्व. श्री रेवड़ मल मीना द्वारा उक्त फ्लैट को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया हैं। अतः उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही हैं, श्रीमती तारा देवी पत्नी स्व. श्री रेवड़ मल मीना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853

क्रमांक-960 दिनांक-30/03/26

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर आवास संख्या 3/6 मालवीय नगर जयपुर, 240.00 वर्ग मीटर का नियमितिकरण पत्र एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 3481 दिनांक 28/03/1997 श्री गौरी शंकर शर्मा पुत्र स्व. श्री बालाबक्स शर्मा के पक्ष में जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम मे दिनांक 30/03/1997 को करवाया गया। श्री गौरी शंकर शर्मा की मृत्यु दिनांक 22/08/2025 को हो जाने के कारण श्रीमती अरुणा शर्मा पुत्री स्व. श्री गौरी शंकर शर्मा पत्नी श्री कन्हैया लाल शर्मा के द्वारा आवेदन पत्र के साथ जमा प्रशासनिक शुल्क की छाया प्रति, शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं रजिस्टर्ड वसीयतनामा की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम से करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती अरुणा शर्मा पुत्री स्व. श्री गौरी शंकर शर्मा पत्नी श्री कन्हैया लाल शर्मा के पक्ष में आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक :- 22 दिनांक :- 01/04/26

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास/फ्लैट संख्या 173/302 (LIG) का आवंटन श्रीमती भगवती देवी पत्नी श्री दिनेश कुमार को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4068 दिनांक 31.12.2003 को जारी किया गया। तत्पश्चात श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री ग्यारसी लाल द्वारा आवासन मण्डल में नजदिकी रिस्तेदार के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर मण्डल रिकार्ड में इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 176 दिनांक 15.04.2004 के द्वारा इनका नाम दर्ज किया गया। जिसका भौतिक कब्जा दिनांक 21.07.2004 को प्राप्त किया गया। श्री दिनेश कुमार की मृत्यु दिनांक 08.12.2009 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती भगवती देवी पत्नी स्व. श्री दिनेश कुमार द्वारा आवासन मण्डल मे पंजीकृत हक त्याग के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती भगवती देवी पत्नी स्व. श्री दिनेश कुमार का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)

व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 2258/26

विषय : उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

प्रार्थी-नाम आयूषी वशिष्ट पुत्री स्व. श्री विजय कुमार निवासी - बी-190 ब्रज विहार जगतपुरा जयपुर (राज.)

मृतक श्री विजय कुमार वशिष्ठ की सम्पत्ति के विषय में।

पेशी दिनांक 05.05.2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम विजय कुमार वशिष्ठ पुत्र रामकरण निवासी 70 कल्याण नगर तृतीय सीताबाड़ी, सांगानेर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावे। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 05 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

आज दिनांक 27 माह 03 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।

पप्रार्थीया ने मृतक विजय कुमार के नाम प्रार्थना पत्र में वर्णित राशियों की प्राप्ति बाबत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहा है।

आज्ञा न्यायालय से
मोहर वरिष्ठ मुंसरिम जिला एवं सैशन न्यायालय जयपुर महानगर प्रथम

नाम परिवर्तन

मैंने अपने पुत्र का नाम आयुष्मान सिंह मल्होत्रा से बदलकर विद्वान मल्होत्रा (Vidvan Malhotra) पुत्र श्री जोगेंद्र सिंह मल्होत्रा रख लिया है, भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये। पता- B-411, मोती डूंगरी रोड, नायला हाऊस, जयपुर

मै सृष्टि शर्मा, पुत्री श्रीमती तृप्ति कैलाश शर्मा, निवासी जगतपुरा, जयपुर (राजस्थान) की रहने वाली हूं। वर्तमान में मेरा नाम सृष्टि सुरेश शर्मा है तथा इसे परिवर्तित कर सृष्टि शर्मा करना है जो की सही है। मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना जाऐ।

I army no 15776771F Ex Hav vikram singh yadav resident of village kanwarpura post Gordhanpura tehsil Kotputli district Jaipur that i want to change name of my daughter from PREETI to PREETI YADAV vide affidavit 1 apr 2026 before sub divisional magistrate Jaipur city Jaipur

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना

(साधारण प्रारूप)

व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4

न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-7 जयपुर महानगर द्वितीय

नेमी चन्द वगै. विरूद्ध सतीश चन्द वगै.

वाद/प्रार्थना पत्र....

प्रार्थना-पत्र संख्या CIS No. CRA 18/2024 (CRA 3/2024) सन्

नाम सतीश चन्द शर्मा पुत्र स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर शर्मा जाति ब्राह्मण पता-निवासी-प्लाट नम्बर-37, लालपुरा कॉलोनी, वनस्थली मार्ग, जयपुर

उक्त अपीलार्थीगण/वादीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि.....

अतः अपाको चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के विरुद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 09 माह 04 सन् 2026 को 10.30 AM पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने मे असफल रहेगें तो उक्तआदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा यह आज ता. 01 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत
रीडर ग्रेड प्रथम
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम संख्या-7, जयपुर महानगर द्वितीय

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1576 चूंकि प्रार्थी श्री AKHILESH KUMAR GUPTA, A-427 RAMNEGARIYA JAGATPURA JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास RAJASTHAN BALIKA SHIKSHA SAMITI, A-37 CHANDER GUPT NAGAR JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 10.06.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1857 चूंकि प्रार्थी श्री रामवश चौबे LAVENDER 106, MANGALAM ANANDA, NEAR SANGANER RAILWAY STATION, SANGANER, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास प्रभु फाउण्डेशन सोसायटी JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 24.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 02.06.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1752 चूंकि प्रार्थी श्री GAURAV VIJAY, B-32 TIRVANI NAGER GOPALPURA BYE PASS JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास AMG Foundations, 55 BHAGWAI NAGER I KARTARPURA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 10.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 21.05.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन, नगर निगम जयपुर

क्रमांक :- जसअ / 2025 / 573 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक : 30.03.2026

सिविल लाईन जोन नगर निगम स्तर पर नियुक्ति समिति की बैठक में मृत्तक कर्मचारी के निम्न आश्रित को उनके नाम के आगे अंकित पद पर अनुकम्पात्मक नियुक्ति दिये जाने की कार्यवाही की जानी है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	मृतक कर्मचारी का नाम	पद	मृत्यु दिनांक	आश्रित का नाम	मृत्तक से संबंध	निवास
1.	स्व0 श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री लल्लू	स.क.	21.03.2019	श्रीमती बेबी देवी	पत्नी	5 आजाद कालोनी हरिजन बस्ती सीकर हाउस नाहरी का नाका शास्त्री नगर जयपुर

उपरोक्तानुसार अनुकम्पा नियुक्ति दिये जाने से पूर्व इस संबंध में सार्वजनिक सूचना के जरिये सभी जनसामान्य को मृतक के स्थान पर नियुक्ति चाहने वाले व्यक्ति के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के सात दिवस के अन्दर-अन्दर निम्न अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अपनी आपत्ति लिखित में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि में आपत्ति प्राप्त न होने की दशा में नियमानुसार नियुक्ति संबंधी कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। राज.संवाद/सी/26/79

उपायुक्त, सिविल लाईन जोन

संक्षिप्त

प्रतिभाओं का सम्मान

लालसोट। क्षेत्र के विद्यालयों में नए शैक्षिणक सत्र की शुरुआत उत्साह और सम्मान के साथ हो रही है। इसी क्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय राजोली में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। वहीं दूसरी ओर पीएम अशोक शर्मा राजकीय माध्यमिक विद्यालय में भी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रिंसिपल मदन पारीक द्वारा विद्यालय के होनहार छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। साथ ही 1 अप्रैल से प्रारंभ हुए नए शैक्षिणक सत्र के अवसर पर नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का भी तिलक लगाकर एवं सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। इस दौरान विद्यालय में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

ज्ञापन सौंपा

निवाई। भगत सिंह कॉलोनी में उत्पाती बंदरों ने आतंक मचा रखा है। बंदरों से परेशान कॉलोनी वासियों ने अधिशासी अधिकारी मनोहरलाल जाट को ज्ञापन सौंपकर उक्त समस्या का समाधान करवाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया कि वाटर वर्क्स के पीछे वाली गली में बंदरों का जमावडा रहता है। बंदर आए दिन महिलाओं एवं छोटे बच्चों पर हमला कर रहे हैं। हाल ही में कॉलोनिवासी निर्मला देवी को बंदर ने बुरी तरह काटकर घायल कर दिया। कॉलोनीवासियों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलोनी में बंदर घरों में घुसकर सामान खा जाते हैं और कपडे फाड देते हैं। सडक पर चलने वाले राहगीरों को भी निशाना बना रहे हैं। कॉलोनीवासियों ने नगरपालिका प्रशासन से मांग की है कि कॉलोनी में मौजूद करीब 30-40 उत्पाती बंदरों को अतिशीघ्र पकडवाकर उन्हें प्राकृतिक स्थानों पर छोडा जाए ताकि किसी बडी जनहानि को रोका जा सके। ज्ञापन देने वालों में चेतनकुमार जैन, अंजना, मनीष, रेखा, राजकुमारी कुमावत, शांति, मंजू, विनीता, उत्तम कुमावत, पूजा कुमावत, नीलेश, गीता, वैष्णव, सुमन, शशि देवी, उर्मिला, मीनाक्षी, अनिता, अनिता जैन, मुन्नी जैन व निर्मला सहित कई कॉलोनीवासी मौजूद थे।

बेनीवाल सहकारी समिति लिमिटेड का डायरेक्टर मनोनीत

मनोहरपूर। बहुत उद्देश्य ग्राम सेवा सहकारी समिति लिमिटेड मनोहरपुर की विशेष आमसभा का आयोजन किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इसमें अलग - अलग मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ एवं मनोहरपुर से नई पृथक ग्राम सेवा सहकारी समिति उदावाला को उसका हिस्सा राशि देख करके अलग सहकारी समिति का सफल संचालन करने का एवं साथ ही पूरणमल जी बेनीवाल और राम प्रकाश नाई को सहकारी समिति लिमिटेड का डायरेक्टर मनोनीत किया गया यह प्रस्ताव सहकारी समिति की आमसभा में सर्वसम्मति से लिया गया साथ ही सभी ने उनके निर्वाचन पर बधाई और शुभकामनाएं दी।

कार ने बाईक के मारी टक्कर

निवाई/दतवास। बुधवार की दोपहर में एनएच 11 ए एक्सटेंशन पर दत्तवास मोड पर एक कार ने बाइक के टक्कर मार दी। जिससे बाईक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर दत्तवास पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एम्बुलेंस से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चाकसू में भर्ती करवाया। दतवास थानाधिकारी हीरालाल वर्मा ने बताया कि बुधवार की दोपहर करीब12.30 बजे एक बाइक पर सवार होकर दो जने दत्तवास जा रहे थे। इसी दौरान कौथून की ओर जा रही एक कार ने उनकी बाइक के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाईक सवार देवनारायण पुत्र जयकिशन गुर्जर निवासी हिंगोनिया बुजुर्ग व अजय पुत्र रामखिलाडी गुर्जर निवासी श्रीरामपुरा थाना कानोता जयपुर गंभीर घायल हो गए।

प्रायोगिक परीक्षा 2 से

लालसोट। राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय लालसोट में बी ए, बी एस सी, प्रायोगिक परीक्षा 2 अप्रैल से शुरू होगी। प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया ने बताया कि स्नातक सेमेस्टर कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षा 2 अप्रैल से प्रारंभ होगी। परीक्षार्थी महाविद्यालय समय में उपस्थित होकर संबंधित विषय के प्रोफेसर से जानकारी प्राप्त कर नियत समय पर परीक्षा हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

किशनगढ़ बास में हनुमान भक्तों ने झांकी का पुष्पेवर्षा कर स्वागत किया

किशनगढ़ बास। शहर के पुराना बाजार स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर को हनुमान जी महाराज के जन्म उत्सव पर रोशनी एवं फूलों से सजाया गया है। सायं डीजे व बैंड तथा ढोल बाजे के साथ 25 सुंदर सुंदर झांकी निकाली गई। जगह-जगह हनुमान भक्तों ने झांकियां का पुष्प वर्षा कर स्वागत कर प्रसाद लोगों में बांटा गया। हनुमान जी महाराज के जन्म उत्सव पर सुबह से अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ किया गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर झांकी में सड़क पर पैदल चलते हनुमानजी व नंगे बदन पर राम-राम का नाम लिखें नाचते छोटे छोटे बालक।

- **जगह-जगह रास्तों में पुष्पवर्षा व प्रसाद वितरण कर किया गया स्वागत, झांकी देखने घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर पहुंची महिलाएं व बच्चे पुरुष की रही भीड़**

हनुमान मंदिर से निकाली गई झांकी की शुरुआत मंदिर के महंत पंडित कालूराम शर्मा ने विधि-विधान से पूजन कर की। इस दौरान उपस्थित अतिथि विधायक दीपचंद खेरिया, प्रधान पंचायत समिति बीपी सुमन, नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि सतीश सिंघल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश बटवाडा, बने सिंह नरूका, सरपंच जनेश भूटानी, पुलिस थाना अधिकारी बनवारी लाल मीणा सहित अनेक गणमान्य लोगों आरती कर पूजा अर्चना की।

इस अवसर पर मंदिर समिति के मदनलाल अग्रवाल, विनय गोयल, नवीन जैन, नरेश कांत वशिष्ठ, घीरज सोनी, चंद्र प्रकाश शर्मा, पंकज सोनी सहित सदस्यों ने अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। हनुमान जी महाराज के जन्म उत्सव पर निकाली गई भव्य झांकी में सड़क पर पैदल पैदल चलते हनुमानजी व नंगे बदन राम-राम का नाम लिखें नाचते आगे चल रहे छोटे छोटे बालक, इसी प्रकार झांकी में सड़कों पर नाचते भोलेशंकर व आग के गोले छोड़ते सहयोगी कलाकार आकर्षण का केंद्र रहे।

सायं 6 बजे मंदिर से शुरू हुई झांकी मुख्य बाजार संत कंवर राम हरि मंदिर के सामने से खैरथल रोड से गंज रोड होते हुए काले खान बाग, अलवर रोड, तोप सर्किल, पुराने पंचायत भवन के सामने से घंटा घर के सामने से होते हुए देर रात मंदिर पर पहुंची। इस दौरान पूरे रास्ते झांकी देखने वाले श्रद्धालु भक्त महिलाएं बच्चे पुरुष की भारी भीड़ सड़कों पर रहीं। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं ने हनुमान जन्मोत्सव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दी गई शुभकामनाओं का ऑडियो चलाकर दिए गए संदेश को सुनवाया।

मंदिर समिति के विनय गोयल व नवीन जैन ने बताया है 2 अप्रैल गुरुवार को अखंड रामायण पाठ समापन पर सुबह हवन यज्ञ होगा उसके पश्चात भंडारा शुरू कर पंगत में बैठाकर प्रसादी ग्रहण कराई जाएगी।

दीपिका ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त किये

देवली। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा मंगलवार को जारी 12 वीं के परीक्षा परिणाम में देवली शहर की ट्राई होम कोचिंग इंस्टिट्यूट संस्थान के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। ट्राई ओम इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर राहुल राय ने बताया किसंस्थान के होनहार छात्रा दीपिका कंवर ने 97प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया है ।छात्रा दीपिका कवर ने ट्राईओम कोचिंग संस्थान में दिए जाने वाली शिक्षा और देश की सेवा करने का जज्बा रखने की इच्छा पर यह सफलता प्राप्त की है। दीपिका कंवर ने अपने माता-पिता सहित पूरे क्षेत्र और ट्राई ओम कोचिंग संस्थान को गौरवान्वित कर दिया है। इसी प्रकार संस्थान की भावना चौधरी ने 96.40 प्रतिशत, प्रिंस महावर ने 91.20 प्रतिशत, साक्षी बलसोरा ने 91प्रतिशत, अंशु जांगिड़ ने 90प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

तारबंदी योजना से किसानों को फसल सुरक्षा में 60 प्रतिशत तक अनुदान

भरतपुर (निस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में किसानों की फसलों की सुरक्षा एवं उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से तारबंदी योजना संचालित की जा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य नीलगाय एवं निराश्रित पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाना है। संयुक्त निदेशक कृषि विभाग राधेश्याम मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा कृषकों को अनुदान के तहत 400 रनिंग मीटर तक तारबंदी स्थापित करने पर लघु एवं सीमान्त किसानों को लागत का 60 प्रतिशत अथवा अधिकतम 48 हजार रुपये (जो भी कम हो) तथा सामान्य कृषकों को लागत का 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 40 हजार रुपये (जो भी कम हो) का अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सामुदायिक आवेदन के तहत 10 या अधिक किसानों के समूह द्वारा न्यूनतम 5 हेक्टेयर क्षेत्र में तारबंदी करने पर लागत का 70 प्रतिशत अथवा अधिकतम 56 हजार रुपये (जो भी कम हो) तक अनुदान देय है। परिधि के आधार पर तारबंदी करने पर प्रोराटा बेसिस पर अनुदान देने का प्रावधान किया गया है। प्रति कृषक अधिकतम 400 रनिंग मीटर तक अनुदान दिया जाएगा। योजना की पात्रता के संबंध में उन्होंने बताया कि इसका लाभ सभी श्रेणी के कृषकों को दिया जाएगा। व्यक्तिगत एवं समूह आवेदन के लिए आवेदक के पास न्यूनतम 1.5 हेक्टेयर भूमि एक ही स्थान पर होना आवश्यक है। वहीं अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में जोत का आकार कम होने के कारण न्यूनतम 0.5 हेक्टेयर भूमि एक ही स्थान पर होना पर्याप्त होगा। सामुदायिक आवेदन के लिए 10 या अधिक किसानों का समूह होना तथा न्यूनतम 5 हेक्टेयर भूमि एक ही निर्धारित परिधि में होना अनिवार्य है।उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिला भरतपुर को 2 लाख 50 हजार 50 मीटर का भौतिक लक्ष्य प्राप्त हुआ था, जिसमें से अब तक 1लाख 45 हजार 154 मीटर की उपलब्धि हासिल की जा चुकी है। कृषि विभाग ने अधिक से अधिक किसानों से योजना का लाभ उठाकर अपनी फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है।

- **योजना का मुख्य उद्देश्य नीलगाय एवं निराश्रित पशुओं से फसलों को होने वाले नुकसान से बचाना है**

पीएम स्कूल दूनी में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

टोंक। जिले की दूनी तहसील मुख्यालय स्थित पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान शहरी संकुल प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य कैलाश वर्मा ने बताया कि पीएम विद्यालय दूनी का परीक्षा परिणाम हर वर्ष की भांति श्रेष्ठ रहा है। बोर्ड कक्षा 5,8,10,12 में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त 20 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का माला,साफा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया।

सभी प्रतिभागियों को विद्यालय परिवार एवं विकास समिति द्वारा माला साफा और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर एसएमसी एसडीएमसी सदस्य, विद्यालय स्टाफ, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पावटा में हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान जी की भव्य शोभायात्रा निकाली

पावटा। क्षेत्र के पावटा कस्बा किला ऊपर स्थित हनुमान जी मंदिर में हनुमान जी जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर निकली हनुमान जी की शोभायात्रा में भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। जय बजरंग मेला कमेटी द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा ने पूरे कस्बे को 'राममय' कर दिया। शोभायात्रा का शुभारंभ किला धाम बालाजी मंदिर से हुआ, जहाँ भक्तों का हुजूम उमड़ा।

शोभायात्रा में निकले भक्तों के सिर पर 'राम नाम' की पट्टी और हाथों में लहराते केसरिया ध्वज अटूट आस्था का परिचय दे रहे थे। भजनों की मधुर धुनों के बीच जब जय बजरंगी, जय हनुमान के नारे लगे, तो राहगीर भी ठिठक कर इस दृश्य का हिस्सा बन गए। जय बजरंग मेला कमेटी अध्यक्ष भीमसिंह चौधरी के नेतृत्व में यह शोभायात्रा किला धाम बालाजी मंदिर से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से होते हुए वापस बालाजी मंदिर पहुंच महाआरती के बाद संपन्न हुई। पुरुषों के साथ-साथ बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी इस यात्रा का हिस्सा बने।

- **जय बजरंग मेला कमेटी द्वारा आयोजित इस शोभायात्रा ने पूरे कस्बे को 'राममय' कर दिया**

शोभायात्रा का शुभारंभ किला धाम बालाजी मंदिर से हुआ।

यात्रा के दौरान भक्तों ने प्रभु राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चरणों में अपनी हाजिरी लगाई। यह आयोजन केवल एक शोभायात्रा नहीं, बल्कि हनुमान जी के अपने आराध्य प्रभु राम के प्रति अटूट प्रेम का प्रतीक है।जय बजरंग मेला कमेटी उपाध्यक्ष योगेश सैनी, कोषाध्यक्ष रामनिवास यादव, सचिव नवीन आर्य, दिनेश आर्य,संजय आर्य, हरि सिंह चौधरी, मोहनलाल गढ़वाल, प्रदीप सक्सेना, पुजारी महंत अशोक शर्मा व बंटी शर्मा ने बताया कि

रात्रि में भव्य जागरण का आयोजन किया गया, जिसके लिए प्रसिद्ध गायक कलाकार लव स्टार एंड पार्टी द्वारा बालाजी महिमा का गुणगान किया गया। मेला समिति द्वारा हर वर्ष की भांति मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक माहौल का अनुभव हो सके। वहीं 02 अप्रैल को मेले का आयोजन होगा जिसमें दोपहर 3 बजे से दंगल एवं धमाल पार्टी का आयोजन किया जाएगा जिसमें आसपास के क्षेत्रों से पहलवानों व कलाकारों के शामिल होने की संभावना है।

परशुराम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

कोटपूतली। कस्बे के भगवान परशुराम मन्दिर प्रांगण में बुधवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव आयोजन की तैयारियों को लेकर तहसील ब्राह्मण सभा (ब्राह्मण समाज) व जन्मोत्सव आयोजन कार्य समिति की बैठक अध्यक्ष नवरत्न शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें आम सहमति से निर्णय लिया गया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव पखवाड़ा हर साल की भाँति हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को भगवान परशुराम पंचामृत अभिषेक, शिव रूद्राभिषेक, पोशाक धारण, फूल माला सजावट, भोग, भगवन नाम संकीर्तन, संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

वहीं आगामी 26 अप्रैल को सांय 04 बजे भगवान परशुराम शोभा यात्रा व नगर भ्रमण, झाँकी व सजावट, भजन संध्या आदि कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

बैठक में भगवान परशुराम जन्मोत्सव को व्यवस्थित रूप से कार्यान्वित करने व प्रचार प्रसार के लिए अलग अलग टोलियों का गठन किया गया, जो शहर व तहसील के विभिन्न गांवों एवं ढ़ाणियों में सघन प्रचार प्रचार कर ज्यादा से ज्यादा विप्र बंधुओं को भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर घर जाकर प्रेरित करेगी।

- **बैठक में निर्णय लिया गया कि अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को भगवान परशुराम पंचामृत अभिषेक किया जायेगा**

महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि बैठक में ब्राह्मण समाज संरक्षक पं. किशोरी लाल शर्मा, पं. सूर्यकांत शर्मा, पं. मूलचंद शर्मा, मन्दिर कमेटी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा गिरदावर, सुभाष शर्मा, बृजभूषण कौशिक, अनिल शर्मा, वैध नागेन्द्र शर्मा, प्रभुदयाल शर्मा, रविराय शर्मा, ऋषि भारद्वाज, जगदीश शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा, किषनलाल शर्मा, मिथलेश शर्मा, नरेश शर्मा निशु, मनोज भारद्वाज, विक्रम शर्मा, राजेंद्र शर्मा, रमाकांत शर्मा, सतीश शर्मा, केशव शर्मा, ललित शर्मा, दिनेश कौशिक, बालकृष्ण शर्मा, मयंक शर्मा, राजकुमार शर्मा समेत अन्य मौजूद रहें।

हनुमान जन्मोत्सव पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ

फुलेरा। कस्बे में हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रमों की धूम देखने को मिल रही है। न्यू गार्ड कॉलोनी स्थित श्रीरामेश्वर मंदिर के साथ-साथ कूकू बाबा की बगीची, हलवाई बाजार में भी भव्य आयोजनों की तैयारियां की गई हैं। न्यू गार्ड कॉलोनी स्थित रामेश्वर मंदिर में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। महेश शर्मा गार्ड ने बताया कि बुधवार को सुबह 7 बजे विशाल कलश यात्रा एवं झांकी निकाली गई, जो श्रीशिव मंदिर स्कूल की ढाणी से रवाना होकर न्यू गार्ड कॉलोनी स्थित मंदिर तक पहुंची, शाम 7 बजे सुंदरकांड पाठ होगा। गुरुवार को शाम 5 बजे से सत्यानारायण भगवान की कथा एवं शाम 7 बजे भोजन प्रसादी का आयोजन रखा गया है।

- **न्यू गार्ड कॉलोनी स्थित श्रीरामेश्वर मंदिर के साथ-साथ कूकू बाबा की बगीची, हलवाई बाजार में भी भव्य आयोजनों की तैयारियां की गई**

हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल कलश यात्रा एवं झांकी निकाली ।

वहीं कूकू बाबा की बगीची, हलवाई बाजार में 21वें भव्य हनुमान जन्मोत्सव महोत्सव का आयोजन जय बजरंग मानस मंडल द्वारा किया जा रहा है। संजीव गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के तहत सुबह 9:15 बजे हनुमान जी का अभिषेक एवं पूजा-अर्चना होगी। इसके बाद दोपहर 3:15 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा। रात्रि 8 बजे से श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा।

इसके अलावा फुलेरा कस्बे के मिश्र कॉलोनी के पास स्थित लोको वाले बालाजी का तृतीय 108 संगीतमय हनुमान चालीसा पाठ 2 अप्रैल को सुबह 8 बजे ध्वज यात्रा के साथ आयोजित होगा। संयोजक गणपत लाल कुमावत ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर प्रातः 7 बजे लोको वाले बालाजी से मिश्रेशवर महादेव मंदिर तक ध्वज यात्रा निकाली जाएगी। 108 सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।

पावटा की राठी कॉलोनी में सांडों का संग्राम

पावटा। कस्बे की राठी कॉलोनी में बुधवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो सांडों के बीच जबरदस्त लड़ाई छिड़ गई। करीब 15 मिनट तक चले इस संग्राम में आसपास खड़े तीन वाहन क्षितग्रस्त हो गए, वहीं लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बुधवार सुबह करीब 7.30 बजे कॉलोनी में घूम रहे दो सांड अचानक आमने-सामने आ गए और देखते ही देखते भिड़ गए। सांडों की भिड़ंत इतनी उग्र थी कि आसपास मौजूद लोगों ने लाठी-डंडों से उन्हें अलग करने की कोशिश की, लेकिन सांड और आक्रामक हो गए और लोगों की ओर दौड़ पड़े। इसके बाद वे फिर से आपस में लड़ने लगे। घटना स्थल पर कई वाहन पार्किंग में खड़े थे। सांडों की लड़ाई के दौरान वे बार-बार गाड़ियों से टकराते रहे, जिससे तीन कारें बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गईं। घटना के दौरान कॉलोनी में हड़कंप मच गया और लोग जान बचाकर इधर-उधर भागते नजर आए। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस क्षेत्र में यह घटना हुई, वहां गलियों में छोटे-छोटे बच्चे अक्सर खेलते रहते हैं।

सार-समाचार

धार्मिक आयोजन एकजुटता को मजबूत करते हैं - रत्ना कुमारी

विराटनगर। विराटनगर क्षेत्र के ग्राम घेवता में आयोजित भोमिया जी महाराज के विशाल मेले एवं भंडारे का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर भाजपा नेत्री रत्ना कुमारी शाहपुरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। रत्ना कुमारी शाहपुरा ने मेले में पहुंचकर भोमिया जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मेले में उमड़े अपार जनसमूह की आस्था और भक्ति को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और इसे क्षेत्र की धार्मिक एकता और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बताया। उन्होंने आयोजन समिति एवं समस्त ग्रामवासियों को इस भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद दिया। साथ ही, उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

मेधावी विद्यार्थियों का जुलूस निकाला

पावटा। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा के 10वीं व 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का नगर में भव्य जुलूस निकालकर सम्मान किया गया। इस दौरान पूरे कस्बे में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों ने मेधावी विद्यार्थियों का जगह-जगह स्वागत किया। विद्यालय परिसर से शुरू हुआ यह जुलूस मुख्य बाजार, बस स्टैंड सहित विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः विद्यालय पहुंचा। जुलूस के दौरान छात्र-छात्राएं बैंड-बाजों के साथ खुले वाहन में सवार होकर निकले, जहां नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। वही विद्यालय परिसर में आयोजित विद्यार्थी सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु भामाशाह संग्राम सिंह गणपति सोलर सॉल्यूशन टीम पावटा द्वारा विशेष सहयोग दिया गया। भामाशाह संग्राम सिंह द्वारा छात्रा सीमा को 10वीं में 92.67 प्रतिशत व छात्रा फ्रूटी स्वामी को 12वीं कला संकाय में 92. 20 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर दोनो छात्राओं को स्कूटी भेंट की गई, वहीं 10वीं व 12वीं में 85 से 90 प्रतिशत अंक प्राप्त अंक प्राप्त करने वाले तीन छात्र छात्राओं को पीसी टैबलेट व 80 से 85 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 11 छात्र छात्राओं को भामाशाह द्वारा 2100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर जेवीवीएनएल एआरओ मनीष अग्रवाल , गणपति सोलर सॉल्यूशन टीम पावटा मुकेश यादव, हरिसिंह यादव, प्रधानाचार्य मनीष कुमार गोयल, सुरेंद्र सिंह राठौड़, मंच संचालन वीरेंद्र अग्रवाल, चिरंजीलाल गुर्जर, मनमोहन मीणा, मोहनलाल यादव, अशोक यादव, रमेश वशिष्ठ, रवि गुर्जर, माली कुमारी, संजौली शर्मा, सुभिता डागर, शंभूदयाल गढ़वाल सहित विद्यालय स्टाफ व विद्यार्थी मौजूद रहे।

विदाई समारोह आयोजित

पावटा। बजरंगपुरा विराटनगर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निमली में सोमवार को प्रधानाचार्य दुर्गादत्त भारद्वाज के सेवानिवृत्ति अवसर पर एक गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार, ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने मिलकर उन्हें श्रद्धा, सम्मान और आत्मीयता के साथ विदाई दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता बजरंगपुरा पीईईओ ओमप्रकाश इंदौरिया ने की, जबकि मंच संचालन शिक्षक राजेंद्र गुप्ता द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया। समारोह की शुरुआत छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई, जिसने पूरे वातावरण को भावनात्मक बना दिया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य दुर्गादत्त भारद्वाज को पुष्पमालाएं पहनाकर, अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह स्वरूप छाता, कलम व डायरी भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित ग्रामीणों व शिक्षकों ने उनके लंबे सेवा काल की सराहना करते हुए उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में ओमप्रकाश इंदौरिया ने कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जहां व्यक्ति अपने अनुभवों की अमूल्य विरासत समाज को सौंपता है। दुर्गादत्त भारद्वाज ने अपने पूरे कार्यकाल में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सरल स्वभाव का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस दौरान उनकी पत्नी हेमलता शर्मा, कैलाश शर्मा, सुरेश शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, शंकरदत्त भारद्वाज, विष्णुदत्त, खेमदत्त, भुनेश शर्मा, हरिशंकर शर्मा, गोपाल शर्मा, वैभव शर्मा, प्रद्युम्न शर्मा, दिनेश शर्मा, हरि सैनी, विनोद शर्मा, गिरधारी शर्मा, शैलेश शर्मा, चेतन शर्मा सहित छात्र छात्रा व ग्रामीण मौजूद रहे।

राजकीय विधालय में नामांकन वृद्धि के लिए जनसम्पर्क किया

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम सरूण्ड स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के तहत प्रधानाचार्य दीपक कुमार द्वारा नामांकन वृद्धि के लिये बुधवार को ग्राम खेड़ा निहालपुरा का दौरा कर जनसंपर्क किया गया। वहीं बोर्ड परीक्षा के श्रेष्ठ परिणाम देने वाले बालकों का विद्यालय स्टॉफ एवं जनप्रतिनिधि सुमन कुमार वर्मा ने माला व साफा पहनाकर सम्मान किया। साथ ही प्रधानाचार्य दीपक कुमार का भी सम्मान किया गया। अध्यापक रतिराम वर्मा ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 10 वीं में प्रथम स्थान के साथ ऋषभ नारनौलिया ने 90.33 प्रतिशत, द्वितीय स्थान पर अशोक मीणा ने 86.67 प्रतिषत व तृतीय स्थान पर नाचिका आर्य ने 85.33 प्रतिषत अंक हांसिल किये। इसी प्रकार कक्षा 12 वीं में प्रथम स्थान पर मोनिका मीणा ने 87. 20 प्रतिषत, द्वितीय स्थान पर राहुल कुमार बांयला ने 85.40 प्रतिषत तथा तृतीय स्थान पर सुमन तंवर ने 83.80 प्रतिषत अंक प्राप्त किये। गार्गी पुरूस्कार हेतु 14 बालिकाओं का चयन हुआ। इस दौरान पूर्व उप सरपंच जसवंत सिंह, कैलाश चंद शर्मा, रामवीर सिंह, कृष्ण शर्मा, रामसिंह तंवर, इंद्राज, दाताराम नारनौलिया, रामबुल सिंह, राजवीर बायला, कृष्णा कुमारी मीणा, राधा वर्मा, काजल तंवर समेत अन्य मौजूद रहें। इसी प्रकार प्रधानाचार्य दीपक कुमार ने पीईईओ गुंडकावाली में भी नामांकन वृद्धि हेतु जनसंपर्क किया। इस दौरान पप्पूराम यादव प्रधानाध्यापक व जितेंद्र कुमार भी मौजूद रहे।

गंभीर नदी पर बनाई जा रही पुलिया में घटिया सामग्री का उपयोग

भरतपुर। रूपवास क्षेत्र के गांव देवरी व नया गांव स्थित गंभीर नदी पर बनाई जा रही पुलिया में घटिया सामग्री का उपयोग किए जाने पर ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए इसकी जांच करवाएं जाने की मांग की है। सरपंच झम्मन सिंह, सरपंच गिरधर सिंह, जनक सिंह, देवेन्द्र सिंह ने बताया कि गंभीर नदी की सपाट कई वर्षों से टूटी हुई थी। जिस पर पुलिया का निर्माण शुरू किया गया। पुलिया के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का उपयोग किए जाने की जानकारी मिलने पर काफी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। निर्माण कार्य देखा तो उसमें मिट्टी की परत के साथ निर्माण कार्य के लिए बनाए गए ब्लाक में अभी से दरारें पड़ी हुई थी। जिस पर ग्रामीणों ने घटिया सामग्री से किए जा रहे निर्माण कार्य को बंद करवाने का प्रयास किया। लेकिन संवेदक ने कार्य बंद नहीं किया। जिस पर ग्रामीणों ने प्रशासन व विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि इस पुलिया में गुणवत्ता पूर्ण सामग्री का उपयोग करवा बनाया जाए। साथ ही जो निर्माण कार्य कर दिया गया है उसकी जांच करवाई जाए।

खेल जगत

मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने उन्हें आक्रामक खेलने की सलाह दी थी जबकि वह कप्तान श्रेयस अय्यर से भी सीखने को बेताब हैं। कॉनोली ने 44 गेंद में नाबाद 72 रन बनाकर पंजाब को जीत दिलाई।
- कूपर कोनोली

पंजाब किंग्स के बल्लेबाज, रिकी पोंटिंग के बारे में बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने इस सत्र में अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मंगलवार को अपने टूर्नामेंट कार्यक्रम को कम करने का फैसला किया। उन्होंने 2026 में केवल दो ग्रैंड शतरंज टूर टूर्नामेंट में खेलने का विकल्प चुना है ताकि वह अपने खिताब की रक्षा के लिए ट्रेनिंग और तैयारी को प्राथमिकता दे सकें। "अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने के लिए मेरी टीम और मैंने यह फैसला किया है कि अगले कुछ महीनों तक मुझे थोड़ी कम तीव्रता के साथ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। इसलिए हमें लगता है कि मेरे हित में यही होगा कि मैं घर से दूर होने वाले लंबे टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लें।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने अपना पहला टी-20 मैच 2006 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हराया, रिजवी की फिफ्टी

लखनऊ, 1 अप्रेल। आईपीएल के पांचवें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ 141 रनों पर ऑलआउट हो गई थी। 142 रनों के मामूली लक्ष्य को दिल्ली कैपिटल्स ने 17 गेंद शेष रहते 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ही ओवर में कप्तान ऋषभ पंत आउट हो गए। उसके बाद एक-एक करके नियमित अंतराल में विकेट गिरते रहे और लखनऊ की टीम 18.4 ओवर में 141 रनों पर ऑलआउट हो गई।

दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से सभी गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। लुंगी एनगिडी और टी नटराजन ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि कुलदीप यादव को 2 विकेट मिले। 1 विकेट अक्षर पटेल ने लिया, जबकि ऋषभ पंत रन आउट हुए। मुकेश कुमार ने कोई विकेट नहीं लिया लेकिन काफी किफायती रहे और तीन ओवर में सिर्फ 17 रन ही खर्चे। लखनऊ की तरफ से अब्दुल समद से सर्वाधिक 36 जबकि मिचेल मार्श ने 35 रन बनाए। एडेन मार्करम ने 11, मुकल चौधरी ने 14 और शहबाज अहमद ने 15 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को भी नहीं छू सका।

142 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में मोहम्मद शमी ने केएल राहुल को पवेलियन भेज दिया। राहुल खाता भी नहीं खोल सके। उसके बाद मोहसिन खान ने नीतीश राणा को स्पिप में कैच करा दिया। वे 17 गेंदों में 15 रन बनाकर पवेलियन लौटे। पारी का पांचवां ओवर डालने आए प्रिंस यादव ने एक ही ओवर में पथुम निसांका और कप्तान अक्षर पटेल को पवेलियन भेज दिया। दिल्ली कैपिटल्स बुरी स्थिति में फंस चुकी थी। उसके 26 रन के स्कोर पर ही चार प्रमुख बल्लेबाज आउट हो चुके थे। लेकिन इसके बाद युवा बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी ने पारी को संभाला और शतकीय पारी के माध्यम से टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। रिजवी ने 47 गेंदों में 5 चौके और 4 छक्के की मदद से 70 रन बनाए, वहीं ट्रिस्टन स्टब्स ने 32 गेदों में 39 रनों की जिम्मेदारी पूर्ण पारी खेली। इन दोनों के बीच 76 गेंदों में 119 रनों की साझेदारी हुई और दमदार बल्लेबाजी के दम पर 17.1 ओवर में ही 142 रनों के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

एसबीएस एकेडमी सीकर व केएमआर एकेडमी जीते

जयपुर, 1 अप्रेल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में एस बी एस एकेडमी सीकर ने एस एम एस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को 9 विकेट से हराया तथा दूसरे मैच में के एम आर एकेडमी ने योवर डेंटिस्ट एकेडमी को 8 विकेट से हराया।आर जे 14 ग्राउंड पर एस एम एस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तिलक राज के 20 रन, रियांश अग्रवाल के 21 रन व अर्जुन प्रताप के 27 रनो से 25 ओवर में 96 रन बनाकर आउट हो गई। एस बी एस एकेडमी सीकर के लिए लवमीत गुर्जर ने घातक गेंदबाजी करते हुए 9-2-26-8 विकेट लिए तथा रोनित ने 23 पर 2 विकेट लिए।जवाबी पारी में एस बी एस एकेडमी सीकर ने अंकित पिलानिया के 49 रन नाबाद व मयूर शर्मा के 39 रन नाबाद से 12.4 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाकर मैच जीत लिया। दूसरे मैच में बारवाल ग्राउंड पर यौवर डेंटिस्ट एल वी एस एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुएपरशुराम के 30 रन, आयुष शर्मा के 18 रन, आदित्य प्रधान के 35 रन व सारंग के 17 रनो से 35.1 ओवर में 132 रन बनाए। के एम आर एकेडमी के लिए मोहित ने 36 पर 3, जीतू ने 29 पर 3, हर्ष पांडे, कृष्णा व आरव ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी में के एम आर एकेडमी की टीम ने माधव गोपाल के 62 रन नाबाद, जीतू के 28 रन, वीर के 15 रन नाबाद से 14.4 ओवर में 2 विकेट पर 134 रन बनाकर मैच जीत लिया।

विजय के दो गोल से ब्रदर यूनाइटेड ने जेरठी क्लब को 3-2 से हराया

जयपुर, 1 अप्रेल। राजस्थान फुटबॉल संघ व पूर्णिमा यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आर लीग ए डिवीजन फुटबॉल लीग में बुधवार को तीन मुकाबले खेले गये। प्रथम मैच में जिंक फुटबॉल अकादमी ने ए स ल फुटबॉल क्लब को 3-0 से हराया। जिंक फुटबॉल अकादमी के विशाल ने मैच के तीसरे मिनट में गोल करके अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जबकि संदीप ने मैच के 19 वे मिनट में गोल किया। मैच के 79 मिनट में जंग मिथान के गोल से अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। द्वितीय मुकाबले में जयपुर सिटी फुटबॉल क्लब ने रिहान फुटबॉल क्लब को 6-0 से हराया। जयपुर सिटी की तरफ से आशीष के 3 गोल, महिपत सिंह के 2 गोल, जबकि अल्ताफ ने एक गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। तृतीय अंतिम मुकाबला फुटबॉल क्लब ब्रदर्स यूनाइटेड और जेरठी फुटबॉल क्लब के बीच काफी रोमांचकारी हुआ। मध्यांतर से पहले दोनों टीमों ने गोल करने के भरसक प्रयास किया जिसमें प्रथम हाफ के अतिरिक्त मिनट में फुटबॉल क्लब ब्रदर यूनाइटेड के विशाल ने गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। मैच के 57 मिनट में जेरठी क्लब के कृष्णा ने गोल करके स्कोर बराबर किया। जेरठी क्लब के देवराज ने 65 में मिनट में गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिलाई। ब्रदर यूनाइटेड के विजय ने लगातार दो गोल करके अपनी टीम को विजय बनाया। इस तरह ब्रदर यूनाइटेड ने जेरटी फुटबॉल क्लब को 3-2 से मात दी। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत के अनुसार, 20 मार्च से शुरू हुई इस लीग में कुल 42 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के तहत 4 अप्रैल को तीन और मुकाबले खेले जाएंगे।

खेलों इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 : कुश्ती में राजस्थान का दमदार प्रदर्शन, चार पदक जीते

जयपुर, 1 अप्रेल। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 की कुश्ती प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन किया है। विभिन्न भार वर्गों में मुकाबला करते हुए खिलाड़ियों ने कुल चार पदक अपने नाम किए, जिसमें तीन सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। प्रतियोगिता में अमित कुमार मीणा ने 125 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। वहीं राकेश कुमार मीणा (65 किग्रा) और दिनेश सोलंकी (60 किग्रा) ने भी अपने-अपने वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किए। महिला वर्ग में बलकेश कुमारी मीना ने 68 किलोग्राम में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया।

समृद्धि व्यास एवं राधिका सोनी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया

जयपुर, 1 अप्रेल। गांधीधाम (कच्छ), गुजरात में आयोजित यूटीटी 87वीं इंटर स्टेट सब जूनियर एवं कैडेट नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 में राजस्थान (जयपुर) की बेटियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया। अंडर-15 गर्ल्स डबल्स स्पर्धा में राजस्थान की प्रतिभाशाली जोड़ी समृद्धि व्यास एवं राधिका सोनी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन तालमेल, तकनीक एवं संघर्षशीलता का परिचय देते हुए फाइनल तक का सफर तय किया।

नारायणा क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 1 अप्रेल। चंबल स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित अंडर 16 स्टेट लेवल भारती कंवर मेमोरियल वनडे क्रिकेट लीग का मुकाबला नारायणा क्रिकेट ग्राउंड पर संस्कार क्रिकेट अकादमी व नारायणा क्रिकेट अकादमी के मध्य खेला गया। जिसमें नारायणा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 264/8 रन बनाए। जिसमें आदित्य ने 70 रन व सचिन मालावत ने 37 रन व लोकेश बजडोलिया ने 27 रनों की पारी खेली। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में जपनूर सिंह, पुलकित माथुर, गर्वित शर्मा ने दो-दो विकेट लिए।

तमिलनाडु रहा ओवरऑल चैम्पियन, राष्ट्रीय रिबाउंडरबॉल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

जयपुर, 1 अप्रेल। राजस्थान में आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय रिबाउंडरबॉल चैंपियनशिप बड़े ही भव्य एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, जिसमें देशभर की विभिन्न टीमों ने भाग लेकर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में तमिलनाडु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया तथा विभिन्न आयु वर्गों में अपना दबदबा कायम रखा। जूनियर वर्ग (अंडर-17 एवं अंडर-14) में तमिलनाडु ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया, जबकि राजस्थान ने दोनों वर्गों में रजत पदक हासिल किया। अंडर-17 वर्ग में हरियाणा तीसरे स्थान पर रहा, वहीं अंडर-14 वर्ग में दिल्ली तीसरे स्थान पर रही। सीनियर वर्ग में भी मुकाबले अत्यंत रोमांचक रहे, जहां महिला वर्ग में राजस्थान ने स्वर्ण पदक जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, पुरुष वर्ग में दिल्ली ने रजत पदक प्राप्त किया तथा महिला वर्ग में हरियाणा ने रजत पदक हासिल किया।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने चनमारी एफसी के खिलाफ महत्वपूर्ण घरेलू मुकाबले में 2-0 से जीत दर्ज की

जयपुर, 1 अप्रेल। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन फुटबॉल लीग के सीज़न (स्टेज 1) के अपने छठे मैच में चनमारी एफसी के खिलाफ 2-0 की जीत दर्ज की। यह मुकाबला प्रतिष्ठित विद्याधर नगर स्टेडियम में खेला गया।

पहला हाफ कड़े मुकाबले के साथ समाप्त हुआ, जिसके बाद राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने 53वें मिनट में बढ़त हासिल की, जब पंगाम्बम नाओबा मैतेई ने शानदार फिनिश के साथ गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया और घरेलू टीम को बढ़त दिलाई। इस बढ़त को आगे बढ़ाते हुए अमादौ सूकौना ने 60वें मिनट में दूसरा गोल दागकर टीम की जीत सुनिश्चित की। उल्लेखनीय रूप से, सूकौना के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें इस सीज़न में चौथी बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जो टीम के लिए उनके लगातार प्रभाव को दर्शाता है। यह जीत स्टेज के दूसरे अंतिम घरेलू मुकाबले में राजस्थान यूनाइटेड एफसी के लिए बेहद महत्वपूर्ण रही, जिससे टीम का आत्मविश्वास और लय दोनों मजबूत हुए हैं, खासकर अंतिम घरेलू मैच से पहले।

मुख्य अतिथियों में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी और क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव प्रसाद महांकर शामिल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान राज्य खेल परिषद के अध्यक्ष एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीडब्ल्यूडी और युवा मामले/खेल) प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अन्य गणमान्य अतिथियों में राजस्थान यूनाइटेड एफसी की प्रबंध निदेशक रोशनी टाक, हेरिटेज राजस्थान की पूर्व महापौर कुसुम यादव, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक एवं संरक्षक राम प्रसाद, व्यवसायी एवं समाजसेवी प्रमोद शर्मा, राजस्थान यूनाइटेड एफसी के अध्यक्ष के.के. टाक, भाजपा जयपुर शहर के उपाध्यक्ष अजय यादव, भाजपा राजस्थान महिला मोर्चा की अध्यक्ष राखी राठौड़ तथा राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत शामिल रहे।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी के अध्यक्ष के.के. टाक ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, टीम ने शानदार चरित्र और दृढ़ता का प्रदर्शन किया है। इस तरह के प्रदर्शन पर्दे के पीछे की मेहनत को दर्शाते हैं। हम इस ऊर्जा को अगले मैच में भी जारी रखने के लिए तत्पर हैं। राजस्थान यूनाइटेड एफसी अब 7 अप्रैल को होने वाले अपने आगामी मुकाबले में गोकुलम केरल एफसी का सामना करेगा, जो इस चरण का अंतिम घरेलू मैच भी होगा। टीम अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए अपने समर्थकों के सामने मजबूती से समापन करना चाहेगी।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा, अभिषेक टॉप पर काबिज

नई दिल्ली, 1 अप्रेल। भारत के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन आईसीसी टी20 खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग में टॉप पर काबिज हैं। अभिषेक 875 अंक के साथ शीर्ष पर जबकि ईशान किशन 871 अंक के साथ दूसरे नंबर पर बने हुए हैं। तिलक वर्मा छठे और भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव सातवें स्थान पर हैं। वहीं इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर आठवें और न्यूजीलैंड के टिम सीफर्ट नौवे स्थान पर हैं। साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज कोनोर एस्टरहुइजेन ने इस रैंकिंग में जबरदस्त छलांग लगाई है। जिसके बाद पहले वह शीर्ष सौ से बाहर थे लेकिन अब वह 39वें नंबर पर हैं। गेंदबाजों में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान टॉप पर हैं जबकि भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती दूसरे और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें स्थान पर हैं। हरफनमौलाओं की सूची में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा टॉप पर हैं जबकि हार्दिक पंड्या दूसरे स्थान पर हैं। 24 वर्षीय विकेटकीपर- बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में खेले गए टी20 सीरीज में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करते हुए प्रभाव छोड़ा। एस्टहुईजन ने पूरे सीजन में कुल 200 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। वहीं गेंदबाजों की लिस्ट में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान टॉप पर बने हुए हैं। वहीं भारतीय स्पिनरों में वरुण चक्रवर्ती और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पांचवें स्थान पर हैं।

टीम इंडिया टी-20 सीरीज के लिए जुलाई में करेगी जिम्बाब्वे का दौरा

नई दिल्ली, 1 अप्रेल। बीसीसीआई ने बुधवार, 1 अप्रैल को टीम इंडिया के जिम्बाब्वे दौरे के शेड्यूल का ऐलान किया। टीम इंडिया इस साल जुलाई में 3 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के दौरे पर जाएगी। सीरीज की शुरुआत 23 जुलाई को होगी जबकि तीसरा और आखिरी मैच 26 जुलाई को होगा। टीम इंडिया ने इससे पहले 2024 में जिम्बाब्वे का दौरा किया था, जहां उसने 5 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले थे।बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जिम्बाब्वे दौरे के शेड्यूल का ऐलान किया। इस दौरे पर तीनों ही टी20 इंटरनेशनल मैच हरारे में ही खेले जाएंगे। पहला मुकाबला 23 जुलाई, दूसरा 25 जुलाई और तीसरा मुकाबला 26 जुलाई को खेला जाएगा। वहीं जिम्बाब्वे टीम भी अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेगी। जहां जनवरी 2027 में भारत तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए जिम्बाब्वे की मेजबानी करेगा।

चंबल स्पोर्ट्स व राजीव गांधी क्लब जीते, भूमि व रोशले यादव के शतक

जयपुर, 1 अप्रेल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग में आज खेले गए मैचों में चम्बल स्पोर्ट्स ने यूनियन क्रिकेट क्लब को 23 रन से हराया तथा राजीव गांधी क्लब ने सुराना एकेडमी को 109 रन से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में चम्बल स्पोर्ट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भूमि के नाबाद 105 रन ,(129 गेंद, 13 चौके), अर्शील के 73 रन, निशा गुर्जर के 23 रन व सी जे भाटी के 32 रनो से 45 ओवर में 3 विकेट पर 256 रन बनाए। यूनियन क्लब के लिए अनन्या वर्मा, निधि सैनी व नंदिनी कुमावत ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में यूनियन क्लब ने रोशले यादव के 108 रन (108 गेंद, 14 चौके) , मेधावी गौड़ के 61 रन से 45 ओवर में 8 विकेट पर 233 रन बना सकी। चंबल स्पोर्ट्स के लिए अर्चना योगी ने 25 पर 4, भाविनी व रितिका भाटी ने एक - एक विकेट लिया। दूसरे मैच में सोनी ग्राउंड पर राजीव गांधी क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तनवी वर्मा के 25 रन, साक्षी नाथावत के 24 रन,ज्योति चौधरी के 64 रन व ए वी श्रीमाली के 25 रनो से 40 ओवर में 6 विकेट पर 212 रन बनाए। सुराना एकेडमी के लिए गंगा ने 24 पर 3, भूमिका व आरती नं एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराना एकेडमी की टीम गंगा के 15 रन, भूमिका जांगिड़ के 17 रन व आरती ने 11 रनो से 30. 3 ओवर में 103 रनो पर सिमट गई। राजीव गांधी क्लब के लिए इशिता चौधरी ने 23 पर 4 व धरती माथुर ने 13 पर 2 विकेट लिए।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केकेआर के स्पिनरों को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली, 1 अप्रेल। अपने पहले मैच में हार का सामना करने वाली कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के गुरुवार को होने वाले मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेंगी। इन दोनों टीम की बल्लेबाजी काफी मजबूत है और ऐसे में गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन निर्णायक साबित हो सकता है। केकेआर की टीम अपने स्पिनरों की फॉर्म में वापसी को लेकर उत्सुक होगा जबकि सनराइजर्स को भी अपने गेंदबाजी विभाग में काफी सुधार करना होगा। यह मुकाबला तीन बार के चैंपियन केकेआर के लिए घरेलू मैदान पर होने वाले महत्वपूर्ण दौर की शुरुआत भी है, जिसे आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यहां सात दिन में तीन मैच और फिर 19 अप्रैल को एक और मैच खेलना है। विधानसभा चुनाव के कारण कोलकाता में लगभग एक महीने तक कोई मैच नहीं खेला जाएगा। केकेआर को इसके बाद चार मैच दूसरी टीमों के घरेलू मैदान पर खेलने हैं। उसका अपने घरेलू मैदान पर अगला मैच 16 मई को होगा और ऐसे में उसकी टीम इस चरण में लय हासिल करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। ईडन गार्डन्स केकेआर का गढ़ रहा है, जिसने 2008 से यहां खेले गए 95 मैचों में से 54 मैच जीते हैं। कुछ प्रमुख गेंदबाजों के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। हर्षित राणा और आकाश दीप बाहर हो चुके हैं जबकि मथीशा पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलना बाकी है। इसके अलावा 25.20 करोड़ रुपये में खरीदे गए कैमरन ग्रीन फिलहाल केवल बल्लेबाज के रूप में उपलब्ध हैं। केकेआर के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में स्पष्ट तौर पर नजर आई जहां उसकी टीम 220 रन का बचाव नहीं कर सकी थी। पॉवेल ने टी20 विश्व कप में 147.52 के स्ट्राइक रेट से 149 रन बनाए। उन्होंने भारत के खिलाफ इसी मैदान पर सुपर आठ के मैच में 19 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाए थे। केकेआर इस मैच के लिए टर्निंग विकेट तैयार करने के बारे में सोच रहा है लेकिन तब भी 200 का स्कोर औसत माना जाएगा। केकेआर का कप्तान अजिंक्य रहाणे की अच्छी शुरुआत से हौसला बढ़ा होगा लेकिन उनका बीच के ओवरों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना चिंता का विषय होगा।

आरसीए एडहॉक कमेटी जिलों में क्रिकेट सुविधाओं को करेगी विकसित : डॉ. मोहित

आरसीए एडहॉक कमेटी जयपुर में आईपीएल के आयोजन हेतु राजस्थान रॉयल्स को देगी पूर्ण सहयोग

जयपुर 1 अप्रेल। आरसीए की नवगठित आरसीए एडहॉक कमेटी ने पदभार ग्रहण करते ही राज्य के युवा प्रतिभावान खिलाडियों के हितों व राज्य में खेल के विकास व विस्तार को उच्च स्तर पर लाने के लिए एक्शन मोड़ में। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया की हमारी एडहॉक कमेटी के सभी सदस्य श्री धनंजय सिंह खींवसर, आशीष तिवाड़ी, अर्जुन बेनीवाल, अरिष्ट सिंघवी ने मुख्य रूप से राज्य के सभी जिलों में खेल के विकास व विस्तार, बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र -2026 -27 की पूर्व राज्य के युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय खेल सुविधा उपलब्ध करा तैयारियों के लिए आवश्यक प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है व हमारी कमेटी ने आरसीए की खेल गतिविधियों की रुपरेखाव सहयोग के लिए एडहॉक कमेटी सदस्य अरिष्ट सिंघवी को जिम्मेदारी दी है। संयोजक के अनुसार आज आरसीएएडहॉक कमेटी की मीटिंग में विशेष रूप से आगामी दिनों में राजस्थान क्रिकेट संघ के सभी जिला केन्दोंपर आगामी 15 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के दौरान अंडर 14, अंडर 16 , अंडर 19 (पुरुष) व अंडर 15 , अंडर 19 (वीमेन) ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया। डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया की एडहॉक कमेटी के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन हेतु आरसीए द्वारा सभी जिला क्रिकेट संघोको दिए जाने वाले मानदेय को 40000 रूपये चालीस हजार) से बढाक 100000 (रूपये एक लाख) कर दिया है जिससे राज्य के युवा प्रतिभावान खिलाडियों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविरों में न केवल अतिरिक्त उच्च स्तरीय सुविधा प्राप्त हो साथ ही प्रशिक्षण शिविरों के सफल आयोजन के लिए जिला संघोको आवश्यक सहायता मिले व ग्रीष्मकालींनप्रशिक्षण शिविरों के आयोजन को सफल बनाया जाये। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव ने बताया की आज दोपहर राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष ने आरसीए एडहॉक कमेटी से आरसीए अकादमी में मुलाकात कर जयपुर में आयोजित होने वाले आईपीएल मैचों के आयोजन को लेकर गहन व सार्थक चर्चा की। एडहॉक संयोजक ने बताया की हमारी समस्त एडहॉक कमेटी ने राजस्थान रॉयल्स को पूर्ण रूप से आश्वस्त किया है की हमारी कमेटी राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य में खेल के विकास व विस्तार के लिए कटिबद्ध है व हम राजस्थान रॉयल्स को आश्वस्त करते हैं की हमारी कमेटी जयपुर में हमेशा आईपीएल के आयोजन में बीसीसीआई, राजस्थान रॉयल्स को हर स्तर पर पूर्ण सहयोग देंगे व जल्द ही हमारी कमेटी बीसीसीआई से संपर्क कर जयपुर में आईपीएल के सफल आयोजन के लिए आरसीए द्वारा पूर्ण सहयोग व सहभागिता हेतु अवगत कराएगी।

Post Graduate Institute of Veterinary Education and Research
A Centre of Excellence for Higher Veterinary Education)
(Rajasthan University of Veterinary and Animal Sciences),
N.H.-11, Agra Road, Jamdoli, Jaipur – 302031

F.6 ( ) /PGIVER/Purch/2026/2633 Date :- 25/03/2026

ई-बोली समयावृद्धि संशोधन सूचना-02/2025-26

संस्थान के पशु चिकित्सा संकुल (VCC- ICU STRENGTHENING) के लिए उपकरणों के क्रय जारी ई-बोली-02 / 2025-26 पत्रांक 2559 दिनांक 11.03.2026 में अन्तिम तिथी 25.03.2026 को अपरिहार्य कारणों से बढा कर दिनांक 04.04.2026 को 4.00 बजे तक प्राप्त कर। तकनीकी बोली दिनांक 06.04.2026 11.30 बजे ई-प्रोक पार्टल पर खोली जायेगी। अन्य सभी शर्ते बोलीनुसार रहेगी।

UBN:- 1. VAU2526GLOB00147, E-Tender ID 2026_RAJUV_545494_1

राज.संवाद/सी/26/10 अधिष्ठाता

राजस्थान-सरकार

कार्यालय नगरपरिषद चूरू (राज0)

राजकीय डेडराज भरतिया अस्पताल के पास, चूरू :- 331001

दूरभाष :- 01562-250318 ई-मेल :- npchuru@gmail.com

क्रमांक :- न.प.चूरू / विकास शाखा / 2025-26 / 21303048 दिनांक :- 27.03.2026

ई-निविदा सूचना 118 वर्ष 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, द्वारा 04 कार्यो की निविदा आईडी नम्बर DLB2526B3661 आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है।

UBN Code :- DLB2526WSOB40706, 40707, 40708, 40709

राज.संवाद / सी / 26 / 64 आयुक्त, नगरपरिषद, चूरू

Office of the SE & PM, WCDC, Zila Parishad Dausa

No. :- (10)/WCDC/DAU/PMKSY 2.0/2025-26/3508 Date :- 27/03/2026

NOTICE INVITING BID

Bids for NRM works under MJSA 2.0 in Block Baswa District Dausa of estimated value INR of Projects as per below table are invited from interested bidders up to 05.04.2026. Other particulars of the bid may be seen on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state and **https://watershed.rajasthan.gov.in** website.

Sr. No.	NIT No.	NIB No.	Name of Block	Estimated Value	UBN No.
1	28/2025-26	WSC2526 A1982	Baswa	14784000/-	WSC2526 WSOB03294

अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबन्धक डब्ल्यूसीडीसी
जिला परिषद, दौसा

राज.संवाद/सी/26/55

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com

क्रमांक : न.प.क. / वि0 / 2026 / 6521 दिनांक: 25.03.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली निम्न कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	WORK OF TEMPERARY LIGHTING SYSTEM IN NAGAR PARISHAD AREA KARAULI. (ARC)
निविदा की लागत	20.00 लाख
धरोहर राशि	लागत का 2 प्रतिशत
निविदा शुल्क	1000 /- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500 /-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने / डाउनलोड की तारीख	दिनांक 30.03.2026 5:00 पीएम से 15.04.2026 समय 6:00पीएम0 तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	15.04.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	16.04.2026 समय 03.00 पीएम0 पर
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य की समयावधि	ARC
UBN. -	DLB2526WSOB40614

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 83 नगरपरिषद, करौली

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com

क्रमांक : न.प.क. / वि0 / 2026 / 6350 दिनांक: 25.03.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि)के शहर करौली निम्न कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.sppp.raj.gov.in & www.eproc.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कार्य का नाम	कैलाश कश्यप के मकान से उम्मेद मीना के मकान तक सीसी सडक निर्माण कार्य
निविदा की लागत	18.72 लाख
धरोहर राशि	लागत का 2 प्रतिशत
निविदा शुल्क	1000 /- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500 /-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	दिनांक 28.03.2026 5:00 पीएम से 11.04.2026 समय 6:00पीएम0 तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	11.04.2026 समय 6:00 पीएम0 तक
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	13.04.2026 समय 03.00 पीएम0 पर
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	03 वर्ष
कार्य की समयावधि	04 माह
UBN. -	DLB2526WSOB40558

आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 86 नगरपरिषद, करौली

रामजल सेतु लिंक परियोजना की डीपीआर का तकनीकी परीक्षण पूरा हुआ- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने परियोजना के वित्त पोषण के लिए पीआईबी नोट शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए

जयपुर, 1 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना की डीपीआर का तकनीकी परीक्षण केन्द्रीय जल आयोग द्वारा कर लिया गया है। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के वित्त पोषण के लिए पीआईबी नोट को शीघ्र अंतिम रूप देने और इसके लिए केन्द्र

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने परियोजना के अंतर्गत बीसलपुर से मोर सागर (अजमेर), ईसरदा से बंध बारैठा (भरतपुर), ईसरदा से रामगढ़ (जयपुर), खुरा चैनपुरा से जयसमंद (अलवर) एवं ब्राह्मणी बैराज के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली।**

सरकार से आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने अधिकारियों को परियोजना के विभिन्न घटकों में तेजी लाने और मिशन मोड पर काम करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्बती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना) के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने परियोजना के पूर्ण एवं प्रगतिरत कार्यों की जानकारी लेते हुए, शेष कार्यों को निश्चित समयावधि में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। साथ ही, परियोजना के माध्यम से पेयजल आपूर्ति शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने बीसलपुर से मोर सागर (अजमेर), ईसरदा से बंध बारैठा (भरतपुर), ईसरदा से रामगढ़ (जयपुर), खुरा चैनपुरा से जयसमंद (अलवर) एवं ब्राह्मणी बैराज के कार्यों की विस्तृत जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। शर्मा ने परियोजना के विभिन्न घटकों के अलाइनमेंट की जानकारी भी ली और परियोजना से संबंधित समस्त कार्यों का सघन पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। रामगढ़ बैराज एवं महलपुर बैराज के काफर डेम एवं डेनेज फीडर का कार्य पूरा कर लिया गया है। उन्होंने नवनेरा बैराज से मेज एनीकट के डूब क्षेत्र तक फीडर निर्माण एवं चम्बल एक्वाडक्ट के निर्माण कार्य, मेज एनीकट से गलवा बांध के डूब क्षेत्र तक फीडर ड्रेन, गलवा बांध से ईसरदा डूब क्षेत्र और बीसलपुर डूब क्षेत्र फीडर निर्माण की प्रगति से भी अवगत कराया। इस दौरान जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार सहित, संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रामजल सेतु लिंक परियोजना के संबंध में आयोजित बैठक में अधिकारियों को मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिये।

निशिकांत दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी

नई दिल्ली/भुवनेश्वर, 01 अप्रैल। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बुधवार को नेहरू-गांधी परिवार के बारे में अपनी टिप्पणी पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियों का गलत अर्थ निकाला गया और अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो मैं बिना शर्त माफी चाहता हूं।

यह विवाद निशिकांत दुबे की 27 मार्च की टिप्पणी से उपजा है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि 1962 में चीन के साथ हुए युद्ध के दौरान जवाहरलाल नेहरू ने अमेरिकी धन और सीआईए एजेंटों के सहयोग

- **बीजू पटनायक पर टिप्पणी को लेकर उठे विवाद के बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सफाई दी और माफी मांगी।**

से युद्ध लड़ा था, तथा ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक ने अमेरिकी सरकार, सीआईए और नेहरू के बीच कड़ी का काम किया था।

इस दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री और भारत के अग्रणी नेताओं में शुमार बीजू पटनायक के संदर्भ में बोली गईं मेरी बातों का गलत मतलब निकाला गया।

यह मेरा व्यक्तिगत बयान है। नेहरू जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू पटनायक के ऊपर समझा गया।

निशिकांत दुबे ने कहा बीजू बाबू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के नेता रहे हैं और रहेंगे।ष

मेरे वक्तव्य से अगर किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो मैं उसके लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं।

'उपासना सैन्ट्रिक' बिल्डिंग के निर्माण में भारी लापरवाही, बिल्डर से जवाब तलब

हाईकोर्ट ने इस बिल्डिंग के निर्माण से परेशान अधिवक्ता हेमंग कुमावत द्वारा याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वे के आदेश दिये

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 1 अप्रेल। बिल्डरों द्वारा रिहायशी इलाकों में ऊंची इमारतें बनाते समय आसपास पड़ोस में रह रहे निवासियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य की जिस तरह अनदेखी की जाती है वह वर्तमान में गंभीर मुद्दा बनता जा रहा है। इसी मुद्दे को उठाते हुए अधिवक्ता हेमंग कुमावत ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। दरअसल हेमंग टोंक रोड़ पर गांधी नगर मोड़ पर ए-1 कृष्णा नगर के निवासी हैं और उन्हीं के घर से संलग्न उपासना बिल्डर द्वारा "उपासना सैन्ट्रिक" नामक मल्टी स्टोरी का निर्माण किया जा रहा है। उनके द्वारा दायर याचिका में बताया गया कि जैसे-जैसे बिल्डिंग की ऊंचाई बढ़ती गई वैसे-वैसे ही उनके मकान में बिल्डिंग कन्स्ट्रशन का मलबा गिरने लगा। उनके द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने जेडीए को कठोर आदेश दिये हैं कि 2 अप्रेल गुरुवार सुबह 11 बजे सर्वे किया जाये और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उसकी रिपोर्ट अगले 2-3 दिन में ही अदालत में पेश की जाये।

- **अधिवक्ता हेमंग कुमावत ने याचिका में बताया कि बिल्डिंग निर्माण के दौरान उसके घर पर मलबा गिर रहा है, जिससे उसके घर को नुकसान हुआ है।**
- **अदालत ने जेडीए को भी फटकारा क्योंकि उसके आदेश के बावजूद उक्त क्षेत्र की सर्वे रिपोर्ट पेश नहीं की गई ताकि यह पता लगाया जा सके कि बिल्डर द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए क्या कदम उठाये गये।**
- **अदालत ने अगले 2-3 दिन में ही सर्वे रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये।**

याचिकाकर्ता ने बताया कि उसने कई बार बिल्डर व कॉन्ट्रैक्टर से संपर्क करा ताकि किसी दिन गंभीर मामला ना हो जाये। परंतु कोई सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने याचिका में बताया कि 18 फरवरी 2026 को एक बिल्डिंग की छत से भारी भरकम मलबा उनके मकान पर गिरा जिससे घर में नुकसान हुआ और घर की खिड़कियां भी टूट गई। उन्होंने इस वारदात की शिकायत और उनके घर में हुई क्षति के बारे में ज्योति नगर थाना में सूचना दी और जेडीए में भी इसकी शिकायत दर्ज की थी। जिस पर प्रतिक्रिया करते हुए बिल्डर ने अपनी भूल मानी और क्षमा भी मांगी। परंतु इसके बावजूद बिना किसी सुरक्षा के बिल्डिंग का कार्य निरंतर चलता जा रहा है और आये दिन अधिवक्ता हेमंग कुमावत के मकान पर मलबा गिर रहा है।

इस मामले में सुनवाई करते हुए न्यायाधीश गणेश मीणा ने 16 मार्च को जेडीए व उपासना ग्रुप और ग्लोबल कंन्स्ट्रशन को भी नोटिस जारी करे थे। और कहा था कि कंस्ट्रक्शन कंपनियां बिना सुरक्षा व्यवस्था के निर्माण कार्य कर रही हैं जिससे याचिकाकर्ता के मकान को नुकसान हो रहा है। उन्होंने जेडीए को आदेश दिये थे कि वह मौका मुआयना करे और यह सुनिश्चित करे कि कैसे सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी निर्माण कंपनियों द्वारा। न्यायाधीश गणेश मीणा ने सर्वे की रिपोर्ट सुनवाई की अगली तारीख तक कोर्ट में प्रस्तुत करने के आदेश दिये थे। हैरानी की बात है कि जेडीए ने कोर्ट के आदेश अनुसार कोई कार्यवाही नहीं की। बुधवार को सुनवाई के दौरान न्यायाधीश समीर जैन ने जेडीए के खिलाफ कठोर टिप्पणी करते हुए कहा कि गुरुवार सुबह 11 बजे सर्वे किया जाये और उसकी रिपोर्ट अगले 2-3 दिन में ही अदालत में पेश की जाये।

अमरावती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिल में उन किसानों से किए गए वादों को पूरा करने के लिए समय-सीमा तय होनी चाहिए थी, जिन्होंने अमरावती को राजधानी बनाने के लिए अपनी ज़मीनें दी थी।

प.बंगाल, तमिलनाडु, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कांग्रेस और माकपा झूठे, मनगढ़ंत और भ्रामक दावे कर रहे हैं। ये संशोधन किसी धर्म या संगठन के खिलाफ नहीं हैं। चुनावों को देखते हुए विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है।

इस समय चल रहे खाड़ी संघर्ष और आगामी राज्य चुनावों के अभियान के बीच, सरकार ने 25 मार्च को चुपचाप एफसीआरए संशोधन विधेयक पेश किया था। इस विधेयक के तहत, केन्द्र सरकार को हजारों संगठनों की विदेशी अंशदान से निर्मित परिसंपत्तियों, जैसे स्कूल, अस्पताल और पूजा स्थल, पर व्यापक अधिकार मिल जाते। खासकर केरल में विपक्षी दलों ने इसका कड़ा विरोध किया है। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर इस विधेयक को वापस लेने की मांग की। वाम दलों और कांग्रेस दोनों ने आरोप लगाया है कि यह विधेयक अल्पसंख्यक संगठनों को निशाना बनाने के लिए तैयार किया गया है। राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया कि यह कानून आरएसएस को लाभ पहुंचाएगा। राज्य सरकारें भी चिंतित हैं, क्योंकि यदि यह कानून लागू होता है तो एफसीआरए से जुड़ी सभी जांचों पर केन्द्र को वीटो पावर मिल जाएगी, जिससे राज्यों की भूमिका पूरी तरह दरकिनार हो जाएगी। विपक्षी नेताओं का कहना है कि यदि यह विधेयक पारित हुआ, तो केन्द्र गैर-भाजपा शासित राज्यों में धार्मिक और अल्पसंख्यक संस्थानों की संपत्तियां जब्त कर सकता है। गौरतलब है कि इन संशोधनों में स्वतंत्र अपीलीय निकाय का भी प्रावधान नहीं है, और सभी फैसले कार्यपालिका द्वारा नियुक्त अधिकारी के हाथ में होंगे।

सबसे महत्वपूर्ण प्रस्तावित बदलाव "डेज़िग्नेटेड अथॉरिटी" का गठन है, जिसे किसी संगठन का पंजीकरण रद्द होने, समर्पित (सरेन्डर) होने या समाप्त होने पर विदेशी फंड से बनी संपत्तियों पर नियंत्रण लेने का अधिकार होगा।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय पर बम धमाका

खालिस्तानी आतंकी सुखजिंदर सिंह सोशल मीडिया पोस्ट में इस हमले की जिम्मेवारी ली

चंडीगढ़ , 01 अप्रैल। चंडीगढ़ स्थित पंजाब भाजपा कार्यालय के बाहर बुधवार की शाम हुए बम धमाके की जिम्मेदारी एक खालिस्तानी आतंकी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए ली है। इस बीच चंडीगढ़ पुलिस के अलावा पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स, एनआईए तथा सेना के अधिकारियों ने घटनास्थल की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर 37 स्थित भाजपा कार्यालय की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया है। इसके अलावा यूटी चंडीगढ़ , पंजाब के मोहाली तथा हरियाणा के पंचकूला की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को सील कर दिया गया है, तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

- **पुलिस को घटना का एक सीसी टीवी फुटेज मिला है जिसमें एक युवक ग्रेनेड से पिन निकालते हुए और ग्रेनेड फेंक कर भागते हुए दिख रहा है।**

बुधवार की शाम पांच बजे के करीब सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर जोरदार धमाका हुआ। धमाके के कारण पार्किंग में खड़े कई वाहन तथा इमारत की खिड़कियों के शीशे टूट गए। घटना की सूचना मिलने के बाद चंडीगढ़ पुलिस की कई टीमें जांच के लिए मौके पर पहुंची। इसी दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से एक वीडियो मिला है। जिसमें एक युवक ग्रेनेड का पिन निकालकर फैंकते हुए दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह पंजाबी में गालियां देते हुए भाग जाता है। हमलावरों की संख्या दो होने की आशंका जताई जा रही है।

पुलिस जांच अभी चल रही ही रही थी कि खालिस्तानी आतंकी सुखजिंदर सिंह बब्बर ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। पुलिस ने इस सोशल मीडिया पोस्ट की जांच के लिए साइबर सैल को निर्देश जारी कर दिए हैं। आतंकी की तरफ से लिखा गया है कि सुखजिंदर सिंह बब्बर 1 अप्रैल 2026 को चंडीगढ़ सेक्टर-37 में हुए ग्रेनेड हमले की जिम्मेदारी लेता है। हम भारतीय सिस्टम को बताना चाहते हैं कि उसके पास पंजाब के सिख युवाओं को खत्म करने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है।

इस बीच चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चंडीगढ़ पुलिस के ऑपरेशन सैल, सीएफएसएल की टीमों तथा एनआईए की टीमों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स, सेना के अधिकारी भी सहयोग कर रहे हैं।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरान का ड्रोन अटैक

कुवैत सिटी, 01 अप्रैल। कुवैत के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने बुधवार को बताया कि कुवैत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रोन से हमला किया गया। इससे फ्यूल स्टोरेज टैंकों में भीषण आग लग गई। इस हमले में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

गल्फ न्यूज के दुबई कार्यालय से साझा की गई रिपोर्ट के अनुसार, सिविल एविएशन अथॉरिटी के आधिकारिक प्रवक्ता अब्दुल्ला अल राजही ने कहा कि यह हमला ईरान और उसके समर्थक सशस्त्र समूहों ने किया। उन्होंने इसे हवाई अड्डे पर "खुला हमला" बताया। उन्होंने बताया कि ड्रोन ने कुवैत एविएशन फ्यूल कंपनी के फ्यूल टैंकों को निशाना बनाया। इससे उस जगह पर भीषण आग लग गई। हालात को नियंत्रण में करने के लिए तुरंत आपातकाल बलों को भेजा गया। शुरुआती रिपोर्ट से पता चला है कि नुकसान सिर्फ सामान का ही हुआ है।

प्र.मंत्री ने कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की विशेष बैठक बुलाई

नई दिल्ली, 01 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को 7 लोक कल्याण मार्ग पर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की एक विशेष बैठक की, जिसमें पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच विभिन्न मंत्रालयों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। यह इस मुद्दे पर दूसरी विशेष बैठक थी।

प्रधानमंत्री ने आम लोगों की जरूरतों की उपलब्धता की समीक्षा की और कहा कि इस वैश्विक संकट का असर नागरिकों पर न पड़े, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोगों तक सही जानकारी पहुंचे, ताकि अफवाहों को रोका जा सके। अंत में, प्रधानमंत्री ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे इस स्थिति से प्रभावित लोगों और क्षेत्रों की समस्याओं को कम करने के लिए हर जरूरी कदम उठाएं।

कैबिनेट सचिव ने बताया कि पेट्रोलियम उत्पादों, खासकर एलपीजी और एलएनजी, की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं। एलपीजी और एलएनजी अब अलग-अलग देशों से मंगाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी के दाम अभी स्थिर हैं और कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए नियमित कार्रवाई की जा रही है।

पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन बढ़ ाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। गर्मियों में बिजली की कमी न हो, इसके लिए गैस आधारित

- **बैठक में पश्चिम एशिया संकट के दौरान देश में एलपीजी पैट्रोल-डीज़ल की आपूर्ति सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई**

बिजली संयंत्रों को कुछ छूट दी गई है और थर्मल पावर स्टेशनों तक ज्यादा कोयला पहुंचाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

कृषि, नागरिक उड्डयन, शिपिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे अन्य क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों से निपटने के उपायों पर भी चर्चा हुई। खाद की उपलब्धता बनाए रखने के लिए यूरिया उत्पादन जारी रखा जा रहा है और डीएपी/एनपीके खाद के लिए विदेशों से समन्वय किया जा रहा है। राज्यों से कहा गया है कि वे खाद की कालाबाजारी और जमाखोरी पर सख्ती से नजर रखें। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, पीयूष गोयल, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जेपी नड्डा, अश्विनी वैष्णव, मनोहर लाल खट्टर, प्रल्हाद जोशी, के राममोहन नायडू और हरदीप सिंह पुरी समेत कई मंत्री शामिल हुए। इनके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पीके मिश्रा और शक्तिकांत दास तथा कैबिनेट सचिव टीवी सोमनाथन भी बैठक में मौजूद थे।

सहायक निदेशक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सचिव नरेश गोकलानी ने सहायक निदेशक (प्रशिक्षण) विकास जैफ को नोटिस जारी करते हुए 7 दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

इस नोटिस में विकास जैफ से तीन बिंदुओं पर जवाब मांगा गया है। उनसे पूछा गया है कि, क्या बायोफ्यूल प्राधिकरण में पदस्थापन के लिए विकास जैफ ने कोई आवेदन किया था? यदि आवेदन किया था तो कब और किस माध्यम से अथवा सीधे ही बायोफ्यूल प्राधिकरण में आवेदन किया था? क्या उन्होंने आवेदन से पूर्व कौशल नियोजन एवं उद्यमिता विभाग से इस संबंध में प्रशासनिक अनुमति प्राप्त की थी?

इन तीनों बिंदुओं पर विकास जैफ को 7 दिन में जवाब प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं, इसके बाद ही अनुशासनात्मक कार्रवाई के संबंध में निर्णय होगा।

छह वर्ष की बालिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह किराए के मकान में रहकर रेस्तरां में काम करता है, जहां अभियुक्त भी उसके साथ काम करता है। सुबह वह अपने दोनों बच्चों को लेकर रेस्तरां पर काम करने आया था। दोपहर के समय अभियुक्त उसकी साढ़े छह साल की बेटी को उसके किराए के मकान की ओर ले गया था। जब काफी देर तक बेटी नहीं लौटी, तो उसने उसे आसपास तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। इस पर उसने अभियुक्त से सख्ती से पूछताछ की। इस दौरान अभियुक्त ने बताया कि उसने बच्ची से दुष्कर्म किया और बाद में उसकी हत्या कर लाश को प्लास्टिक के कट्टे में रखकर छत पर छोड़ आया। जब उसने छत पर जाकर देखा तो कट्टे में उसकी बेटी की लाश मिली। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

लिएंडर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की। खेल और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका जुनून सचमुच सराहनीय है। प्रधानमंत्री के इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिएंडर पेस ने भी 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, ऊर्जा और राष्ट्र के प्रति उनके जुनून से अभिभूत हूं। आपकी टीम का हिस्सा बनकर और आपके मार्गदर्शन में देश की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात है। जय हिंद, जय भारत।

बुरी तरह निराश, "घायल" ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। ट्रंप ने गलती से वेनेज़ुएला को बाकी दुनिया के लिए एक मॉडल मान लिया था।

दूसरी ओर, ईरान भी उतना ही मुखर है कि वह युद्धविराम नहीं करेगा और लड़ाई जारी रखेगा। ईरान यह भी कह रहा है कि उसके नेता सुरक्षित हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में हैं।

यदि कुछ हुआ, तो ईरान को उसकी मौजूदा स्थिति में छोड़ देना सबसे खराब परिणाम होगा। पूरा पश्चिम एशिया, यानी सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन और अन्य सभी, ईरान के रहमो- करम पर होंगे। युद्ध के दौरान वे पहले ही आतंकित हो चुके हैं, और अधिक शक्तिशाली हुआ ईरान उन्हें और भ्रमित करेगा।

एकमात्र पक्ष, जो न तो जीत का दावा कर रहा है और न युद्ध के अंत की बात कर रहा है, वह इज़रायल है, जिसने ईरान की राजधानी तेहरान पर लगातार हमले किए हैं और लेबनान में हिज़्बुल्लाह के खिलाफ अपना अभियान तेज किया है। यदि अमेरिका अचानक इस पूरे मामले से हाथ खींच लेता है, तो इज़रायल असुरक्षित हो जाएगा।

इज़रायल की अजेय होने की छवि बुरी तरह टूट चुकी है। उसे न तो ईरान पर और न हिज़्बुल्लाह पर ही कोई स्पष्ट जीत मिली है। बल्कि, हिज़्बुल्लाह और अधिक आक्रामक हो सकता है।

इसलिए, युद्ध के परस्पर विरोधी दावे दुनिया को वहीं छोड़ देते हैं, जहाँ वह पहले थी, बल्कि शायद उससे भी बदतर स्थिति में।

यह वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए पूरी तरह ठहराव और अव्यवस्था की स्थिति है। तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और दुनिया भर के देश तेल और गैस की आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करने के उपाय कर रहे हैं। इसका आर्थिक प्रभाव कम विकसित और गरीब देशों पर और भी गंभीर होगा। अफ्रीकी देश पहले से ही इसके प्रभाव की शिकायत कर रहे हैं।

लेकिन सबसे बड़ा नुकसान संयुक्त राज्य अमेरिका को हुआ है। एक जिम्मेदार शक्ति के रूप में उसकी छवि को धक्का लगा है। अमेरिका के अनिश्चित व्यवहार ने कहीं और नहीं, बल्कि वहीं शासन परिवर्तन की आवश्यकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना के लिए यह कितनी शर्मनाक वापसी है।

इस युद्ध में अमेरिका को जो गंभीर झटके लगे हैं, उन्हें कम करके नहीं आंका जा सकता। इसी सप्ताह, अमेरिका के दो अत्यंत महत्वपूर्ण निगरानी विमान-ई3 सैंट्री पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। ऐसे विमान बहुत अधिक संख्या में नहीं होते और इन्हें आसानी से बदला भी नहीं जा सकता।

पश्चिम एशिया में अमेरिकी ठिकाने बुरी तरह ध्वस्त हो चुके हैं। अब यह सवाल उठेगा कि क्या इन्हें फिर से बनाया जाएगा या अमेरिका को इन्हें समेटने के लिए कहा जाएगा। आखिरकार, इन ठिकानों ने उन देशों को कोई सुरक्षा नहीं दी, जिन्होंने इन्हें अपने यहाँ स्थापित होने दिया था। उल्टा, ये ठिकाने हमलों का लक्ष्य बन गए।

अचानक वापसी के नुकसान को देखते हुए, कभी-कभी ऐसा लगता है कि ट्रंप यह सब ईरानियों को ढीला करने के लिए एक चाल के रूप में कर रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि जरूरत पड़ने पर वे भविष्य में वापस आएंगे।

लेकिन ट्रंप के आसपास सब कुछ एक अजीब नाटक जैसा लगता है। कोई भी स्पष्ट रुप से यह नहीं कह सकता कि उनका असली मतलब क्या है। दुनिया मानो पागलपन की ओर बढ़ रही है।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शामिल करने का निर्देश दिया, लेकिन हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 13 नवंबर 2025 के अंतरिम आदेश से एकलपीठ के इस आदेश पर रोक लगा दी। हाईकोर्ट की खंडपीठ के इस आदेश को प्रार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने गत 9 जनवरी के आदेश से हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह 31 मार्च से पहले प्रार्थियों का मामला तय करे। वहीं प्रार्थियों के अधिकारों को संरक्षित रखने के लिए भी कहा।

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में खंडपीठ ने उनकी अपीलों पर सभी पक्षकारों की बहस सुनकर 19 जनवरी 2026 को मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भी हाईकोर्ट ने इस मामले से जुडी अपीलों पर फैसला नहीं सुनाया है। वहीं दूसरी ओर परीक्षा आयोजक एजेंसी ने आगामी 5 और 6 अप्रैल को परीक्षा तिथि घोषित कर दी है।

यदि भर्ती परीक्षा हो जाती है तो प्रार्थी सहित अन्य अभ्यर्थियों के अधिकार इस नई भर्ती में पूरी तरह से खत्म हो जाएंगे। इसलिए भर्ती परीक्षा को 4 सप्ताह के लिए स्थगित किया जाए।

2019 के बाद, पहली बार, ईरान का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रमुख निर्यात केन्द्र खार्ग द्वीप से अपना कार्गो लोड किया, होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर चुका है और 4 अप्रैल को भारत पहुंचने की उम्मीद है। यह गुजरात के वडीनार बंदरगाह पर लगभग 6 लाख बैरल कच्चा तेल उतारेगा। मई 2019 के बाद यह पहली ऐसी खेप है, जो ऐसे समय पर आ रही है, जब भारतीय रिफाइनरियों के भंडार घट रहे हैं।

ईरान पर प्रतिबंध दोबारा तब लगाए गए थे जब अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान डॉनल्ड ट्रंप ने बराक ओबामा द्वारा किए गए परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था, यह कहते हुए कि यह समझौता तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकने में विफल रहा। यह खेप अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों में अस्थायी ढील दिए जाने के बाद आई है, जबकि वह वैश्विक तेल कीमतों को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है।

मंगलवार को ब्रेंट क्रूड 118.35 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ, जो हालिया संघर्ष शुरू होने के बाद के उच्चतम स्तर के करीब है। होर्मुज़ स्ट्रेट से आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के बीच व्यापारी तेजी से सौदे कर रहे हैं। मार्च में तेल की कीमतों में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दशकों में सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है।

अमेरिका ने 20 मार्च से समुद्र में लदे और रुके हुए ईरानी तेल की बिक्री की अनुमति दी है, जो 19 अप्रैल तक लागू सीमित छूट है।

इस अवधि में भारत के साथ चीन के भी प्रमुख खरीदार बनने की उम्मीद है, जो प्रतिबंधों के बावजूद ईरानी तेल खरीदता रहा है।

यह खेप एक अन्य ईरानी ऊर्जा आपूर्ति के तुरंत बाद आई है। इस सप्ताह की शुरुआत में "सी बर्ड" नामक टैंकर मैंगलोर बंदरगाह पर लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर पहुंचा, जिससे घरेलू कमी से जूझ रहे भारत को कुछ राहत मिली।

सैन्य अनिश्चितता भी बाजार में अस्थिरता बढ़ा रही है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा, "मुद्दा अप्रत्याशित बने रहना है।" और यह भी कहा कि युद्ध चार, छह, आठ सप्ताह या उससे अधिक समय तक चल सकता है। 2019 में ईरान से तेल आयात रोकने के बाद, भारत अपने कच्चे तेल के स्त्रोत्रों में विविधता लाया, जिसमें इराक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा, और सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात से भी आपूर्ति बढ़ाई। वर्ष 2023 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद, रूस तेल का एक प्रमुख स्त्रोत्र बन गया।

भारत की ऊर्जा मांग बहुत अधिक है। देश में प्रतिदिन 5.6 मिलियन बैरल तेल की खपत होती है, जिससे वह अमेरिका और चीन के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

इस मांग को पूरा करने के लिए रिफाइनरियां सक्रिय रूप से आपूर्ति सुनिश्चित कर रही हैं, जिसमें अप्रैल के लिए रूस से लगभग 20 लाख बैरल प्रतिदिन खरीद के सौदे शामिल हैं, जो पिछले वर्ष से थोड़ा ही कम है।

हालांकि, इन बैरल्स के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। फिलीपींस, सिंगापुर, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे एशियाई देश भी सस्ते रूसी तेल की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे उपलब्धता घट रही है और भारत को अपने स्त्रोत बढ़ाने के प्रयास तेज करने पड़ रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि ईरान भविष्य में भारतीय टैंकरों को नियमित रूप से सुरक्षित जलमार्ग देगा या नहीं। फिर भी कुछ गतिविधियां जारी हैं। दो भारतीय टैंकर होर्मुज़ स्ट्रेट पार कर चुके हैं और भारतीय बंदरगाहों की ओर बढ़ रहे हैं। क्षेत्रीय स्थिति और जटिल होती जा रही है। "ब्लूमबर्ग" की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने पाकिस्तान के लगभग 20 जहाजों को प्रति सप्ताह होर्मुज़ से गुजरने की अनुमति दी है। हालांकि पाकिस्तान के जहाज खाड़ी में फंसे हुए नहीं हैं और वह उर्वरक जैसे आवश्यक सामान के परिवहन के लिए अन्य विकल्प तलाश रहा है।

भारत की आवश्यकता कहीं अधिक है। देश हर साल 1.7 से 1.8 अरब बैरल कच्चा तेल आयात करता है, जो लगभग 900 बहुत बड़े तेल टैंकर के बराबर है, यानी लगभग 75 खेप प्रति माह। तुलना में पाकिस्तान को केवल दो वीएलसीसी प्रति माह की आवश्यकता होती है।

ईरानी कच्चे तेल की इस खेप के आगमन से उम्मीदें जगी हैं कि आगे और आपूर्ति हो सकती है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह व्यापार के स्थायी रूप से फिर से शुरू होने का संकेत है या केवल एक अस्थायी अवसर।

इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मंगलवार देर रात यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष से कहा कि तेहरान के पास युद्ध समाप्त करने की "आवश्यक इच्छाशक्ति" है, लेकिन इसके लिए "जरूरी शर्तों की गारंटी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न आए।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908